शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ सीधे बैठक करने की अनुमति नहीं : परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 07 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-188

वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने किया सनसनीखेज खुलासा

अडाणी के खिलाफ हिंडनबर्ग-कुचक्र के पीछे चीन

मुंबई, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च को भेजे गए नोटिस में यह बात सामने आई है कि उसने किस तरह अडाणी समूह को निशाना बनाया। इस खुलासे में किंगडन कैपिटल का नाम शामिल है। कहा जा रहा है कि अडाणी को शॉर्ट सेल करने के लिए कोटक महिंद्रा बैंक का इस्तेमाल किया। हालांकि, कोटक बैंक ने इससे इनकार किया है।

सेबी को हिंडनबर्ग द्वारा दिए गए जवाब से पता चला है कि उसने किंगडन कैपिटल से साथ मिलकर अडाणी समूह के खिलाफ साझेदारी की और उसके शेयरों की शॉर्ट सेलिंग करके करोड़ों डॉलर का लाभ कमाया। इस खुलासे ने किंगडन कैपिटल और इसके संस्थापक मार्क किंगडन तथा इनके वित्तीय हथकंडों के बारे में पता चलता है। साथ ही हिंडनबर्ग का चीनी कनेक्शन भी सामने आया है। किंगडन कैपिटल और हिंडनबर्ग रिसर्च को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जेठमलानी ने खुलासा किया है कि किंगडन कैपिटल के मालिक मार्क किंगडन और उनकी चीनी मूल की पत्नी अनला चेंग ने अडाणी ग्रुप पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए हिंडनबर्ग रिसर्च को हायर किया था।

उन्होंने यह भी कहा कि किंगडन कैपिटल ने अडाणी समूह के शेयरों को शॉर्ट सेल करने के लिए कोटक महिंद्रा के साथ ट्रेडिंग अकाउंट खोला था। इस दौरान अडाणी पर रिपोर्ट तैयार करके हिंडनबर्ग रिसर्च ने मार्केट में अफरा-तफरी मचाई और शेयरों को शॉर्ट सेल करके करोड़ों-रुपए कमाए। हालांकि,

किंगडन कैपिटल के मालिक की चीनी पत्नी का रोल

इस दौरान भारतीय खुदरा निवेशकों लाखों करोड़ों रुपए डूब गए। जेठमलानी ने कहा, किंगडन ने कोटक की अंतर्राष्ट्रीय निवेश शाखा (केएमआईएल) से अडाणी शेयरों में व्यापार करने के लिए एक ऑफशोर फंड और खाते स्थापित करने के लिए संपर्क किया। इस प्रकार कोटक इंडिया अपॉर्चुनिटी फंड (केआईओएफ) अस्तित्व में आया। हिंडनबर्ग रिपोर्ट तैयार होने से पहले केआईओएफ ने मॉरीशस के रास्ते अदानी शेयरों में बड़ी शॉर्ट पोजीशन ली।

उन्होंने कहा, व्यापार के लिए फंड (40 मिलियन) किंगडन के मास्टर फंड द्वारा प्रदान किए गए थे। इसकी एक बड़ी शेयर होल्डिंग किंगडन परिवार के पास है, जिसमें मार्क किंगडन की हाई प्रोफाइल पत्नी अनला चेंग भी शामिल हैं। चीनी अमेरिकी नागरिक अनला चेंग अमेरिका में चीनी हितों के लिए एक प्रभावशाली लॉबिस्ट है। वह सुपचाइना की सीईओ थी। सुपचाइना एक चीन समर्थक मीडिया कॉर्पोरेट थी। यह बाद में द चाइना प्रोजेक्ट नामक इकाई में बदल गई। चाइना प्रोजेक्ट को कुछ अमेरिकी सीनेटरों द्वारा इसकी विध्वंसकारी गतिविधियों की जांच की मांग करने पर इसे बंद कर दिया गया। यह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध शामिल हैं।

मार्क किंगडन की पत्नी अनला चेंग निजी इक्विटी फर्म सिनो-सेंचुरी की पार्टनर हैं। वह न्यूयॉर्क स्थित समाचार प्लेटफार्म सुपचाइना की संस्थापक हैं। उनका करियर निवेश बैंकिंग से संबंधित हैं। चेंग ने रॉबर्ट फ्लेमिंग एंड कंपनी में काम किया और कमिटी ऑफ 100 में रहीं और कोलंबिया ग्लोबल सेंटर, ईस्ट एशिया के बोर्ड में रहीं। चेंग का किंगडन कैपिटल से जुड़ाव वित्तीय, सांस्कृतिक और भू-राजनीतिक नेटवर्क का विस्तार है। अनला चेंग की सुपचाइना के साथ भागीदारी के लिए अमेरिकी सीनेट द्वारा जांच का सामना करना पड़ा। आरोप है कि सुपचाइना ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एजेंटों को शरण दी। इससे विदेशी प्रभाव और जासूसी की गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं।

चेंग के खिलाफ जांच ▶10पर

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता रुहुल्लाह मेहदी की खुली धमकी

कश्मीर में पुराने हालात वापस लाएंगे

संसद में जय फिलिस्तीन का नारा लगाने वाले ओवैसी बेखौफ

राष्ट्रविरोधी बयानबाजियों के खिलाफ कार्रवाई में कानून फेल

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

हाल में कई ऐसे वाकये सामने आए हैं जो हिंदुओं को काफी डराने वाले हैं। यह डर लगातार गहरा होता जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक तरफ एक मुस्लिम सांसद कश्मीर में हुए हिंदुओं के नरसंहार को खुलेआम खारिज करते हैं और धमकी देते हैं कि 370 हटा रहा तो कश्मीर में पुराने हाल वापस लाएंगे। दूसरी तरफ मुस्लिम नेता यह भी खुलेआम कहते फिर रहे हैं कि भाजपा को

हराकर मुस्लिमों ने भाजपा से बदला लिया है। संसद में खुलेआम जय फिलीस्तीन का नारा लगाकर असदुद्दीन ओवैसी ने भी इस खतरे का संकेत दे दिया है। राष्ट्रविरोधी बयानबाजियां करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

ऐसे लोगों और ऐसे खतरे के बीच देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ सबका विकास के नारे के साथ देश को विकसित करने की सोच रहे हैं। सवाल है कि क्या सिर्फ प्रधानमंत्री के सोचने से ऐसा संभव हो पाएगा? वह भी तब जब मुस्लिम सांसद और नेता इस प्रकार खुलकर हिंदू विरोधी बयानबाजी कर रहे हों और मुस्लिम परस्ती चरम पर हो। श्रीनगर से नवनिर्वाचित सांसद और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता रुहुल्लाह मेहदी ने खुलेआम भारत की सरकार के खिलाफ प्रोपेगेंडा करने वाली वेबसाइट द-वायर पर बयान दिया। रुहुल्लाह मेहदी ने इस इंटरव्यू में कहा कि कश्मीरियों में आर्टिकल 370 हटाए जाने का गुस्सा है, जो कभी भी फूट सकता है, जैसा स्वतंत्रता के 40 साल बाद देखने को ▶10पर

पीएम मोदी और ब्रिटेन के नए पीएम की फोन पर हुई वार्ता

भारत ब्रिटेन के बीच शीघ्र होगा मुक्त व्यापार

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता शीघ्र होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ब्रिटेन के नए पीएम कीर स्टार्मर से फोन पर बातचीत की और उन्हें ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के तौर पर पदभार ग्रहण करने की बधाई दी। दोनों नेताओं ने ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन संबंधों और रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने पर चर्चा की।

पीएम मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द पूरा करने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें जल्द भारत आने के लिए भी आमंत्रित

एफटीए जल्द होगा, स्टार्मर को भारत आने का न्यौता

पीएम मोदी ने ईरान के नए राष्ट्रपति को भी बधाई दी

किया। ब्रिटेन के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास में भारतीय समुदाय के सकारात्मक योगदान की सराहना करते हुए दोनों नेता आपसी संबंधों को बढ़ावा देने पर सहमत हुए। दोनों पक्षों ने भविष्य में संपर्क में रहने पर सहमति जताई।

हाल के आम चुनाव में जीत के साथ लेबर पार्टी ने 14 साल बाद सत्ता में वापसी की है। उसने 650 सीटों वाले हाउस ऑफ कॉमन्स में 412 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया। पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी 118 सीटों पर सिमट गई। वहीं, लिबरल डेमोक्रेट्स पार्टी ने 71 सीटों पर जीत हासिल की। सुनक ने 23,059 वोटों के साथ उत्तरी इंग्लैंड में अपनी सीट हासिल की। 2019 के आम चुनाव में बोरिस जॉनसन के नेतृत्व में कंजर्वेटिव पार्टी ने 365 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, लेबर पार्टी को 202 सीटें हासिल हुई थीं।

लेबर पार्टी की नई सरकार में एंजेला रेन को उप प्रधानमंत्री, रचेल रीव्स को वित्त मंत्री, डेविड लमी को विदेश मंत्री, यिवेट कपूर को गृह मंत्री, जॉन हेली को रक्षा मंत्री, ब्रिजेट फिलिप्सन को शिक्षा मंत्री, एड मिलिबैंड को उर्जा मंत्री, जोनाथन रेनॉल्ड को व्यापार और ▶10पर

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर बोले अमित शाह

सहकारिता मंत्रालय का अस्तित्व मोदी काल में आया

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के मौके पर गुजरात में सहकार से समृद्धि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। अपने संबोधन में गृह और सहकारिता मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कई सालों से अलग सहकारिता मंत्रालय के गठन की मांग की जा रही थी। लेकिन कांग्रेस ने ऐसा करना उचित नहीं समझा। वहीं हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता विभाग की जरूरत को समझा और एक अलग मंत्रालय

का गठन किया। मैं आप सभी से अपील करता हूं कि हम सभी इसके लिए करतल ध्वनि से प्रधानमंत्री को साधुवाद दें।

गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह आगे कहा कि सहकारिता मंत्रालय के अस्तित्व में आने से लेकर आज तक सहकार से समृद्धि के संकल्प के साथ यह मंत्रालय देश के करोड़ों सहकारी बहनों-भाइयों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। इस मंत्रालय ▶10पर

22 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा बजट सत्र

23 जुलाई को वित्त मंत्री पेश करेंगी केंद्रीय बजट

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

आगामी बजट सत्र की तारीखों की घोषणा कर दी गई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि आगामी बजट सत्र का शुभारंभ 22 जुलाई को होगा। यह 12 अगस्त तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्र सरकार की सिफारिश पर अपनी मुहर लगा दी है।

किरेन रिजिजू ने यह भी बताया कि बजट सत्र के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में बजट पेश करेंगी। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चुनावी साल में फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया था। गौरतलब है कि वित्त मंत्री

लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी सीतारमण

निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। इस बार के बजट में उम्मीद जताई जा रही है कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में विकसित भारत के मिशन पर जोर दिया जाएगा।

भाजपा नीत राजग सरकार के नए कार्यकाल का पहला बजट महत्वपूर्ण होगा क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही कह चुके हैं कि तीसरे कार्यकाल का इस्तेमाल साहसिक फैसलों के नए अध्याय लिखने के लिए किया जाएगा। इससे पहले 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद का पहला सत्र हंगामेदार रहा जहां नीट-यूजी परीक्षा विवाद सहित कई मुद्दों पर विपक्ष और सरकार के बीच टकराव हुआ।

18वीं लोकसभा के पहले सत्र के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 27 जून को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया और लोकसभा व राज्यसभा दोनों ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को स्वीकार किया। पीएम मोदी ने संसद के दोनों सदनों में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दिया। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन आम चुनाव में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। यह बजट प्रधानमंत्री ▶10पर

ईडी की चार्जशीट में कांग्रेस नेता चिदंबरम की पत्नी का नाम

कोलकाता, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के सारदा चिटफंड मामले में तीसरी अनुपूरक चार्जशीट दाखिल की है। इसमें नलिनी चिदंबरम का नाम शामिल किया गया है। नलिनी चिदंबरम कांग्रेस राज्यसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम की पत्नी हैं। विशेष अदालत ने अभी तक चार्जशीट को स्वीकार नहीं किया है और नलिनी चिदंबरम का नाम शामिल करने के संबंध में कुछ तकनीकी सवाल उठाए हैं। अदालत ने कहा कि मामले में संज्ञान केवल तभी लिया जाएगा जब केंद्रीय एजेंसी इस संबंध में और अधिक प्रामाणिक दस्तावेज प्रस्तुत करेगी।

ईडी के वकील ने शुक्रवार दोपहर को कोलकाता में धन शोधन निवारण ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 75,431/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 94,399/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 21^0

तमिलनाडु बसपा प्रमुख की चेन्नई में बेरहमी से हत्या

चेन्नई, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

तमिलनाडु बसपा के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग की शुक्रवार को उनके घर के बाहर बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, आर्मस्ट्रॉन्ग पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अपने घर के सामने ही थे, इसी दौरान दो बाइक पर सवार छह लोग आए और आर्मस्ट्रॉन्ग पर धारदार हथियारों से हमला कर

दिया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी इस घटना पर नाराजगी जाहिर की है और तमिलनाडु सरकार से दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की है।

के. आर्मस्ट्रॉन्ग ने तिरुपति की वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी से लॉ की डिग्री ली थी और वह चेन्नई कोर्ट में वकालत करते थे। आर्मस्ट्रॉन्ग ने साल 2006 में निगम पार्षद का चुनाव लड़कर ▶10पर

कश्मीर में दो मुठभेड़ों में पांच आतंकी ढेर, एक जवान शहीद

जम्मू, 06 जुलाई (ब्यूरो)।

कश्मीर मेंढक कुलगाम के मोदरगाम और चिन्नीगाम गांव में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच सुबह से जारी मुठभेड़ में पांच आतंकियों के मारे जाने की सूचना मिली है। सेना का एक जवान भी शहीद हो गया। मारे गए आतंकियों में हिजबुल मुजाहिदीन का डिवीजन कमांडर फारूक नल्ली भी है।

कुलगाम के इलाके में आतंकियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया इनपुट मिला था। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में सर्च

ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान सेना के जवानों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। वहीं, इसके करीब दो घंटे बाद कुलगाम जिले के ही फ्रिसल चिन्निगम क्षेत्र में मुठभेड़ शुरू हुई, जहां पुलिस और सुरक्षा बल काम पर हैं।

कुलगाम में शनिवार (6 जुलाई) सुबह से आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ जारी है। शाम होते-होते अब कुलगाम के ही फ्रिसल गांव के चिंगम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई।

सेना और जम्मू-कश्मीर ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रेड शो का भव्य आगाज

एक्सपो में उमड़ी जबर्दस्त भीड़

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा आयोजित बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रैड शो का शनिवार को शहर के महावीर धर्मशाला में भव्य आगाज हुआ। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रसिद्ध उद्योगपति जीतो एपैक्स के पूर्व चेयरमैन तेजराज गुलेच्छा, एक्सपो के सह प्रायोजक कुशल्स फैशन ज्वैलरी के डायरेक्टर जवेरीलाल, राजेन्द्र कुमार गुलेच्छा ने एक्सपो का शुभारम्भ किया। उद्योगपति बाबूभाई मेहता, आर्य वैश्य महासभा के अध्यक्ष आरपी रविशंकर, धीरेन्द्र सिंघी, प्रशांत सिंघी, मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व उपाध्यक्ष रविराम सिंघानिया, ब्यावर संघ के चेयरमैन अरविन्द खिंवसरा, अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, महामंत्री अरविन्द खिंवसरा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री कुलदीप छाजेड़ के साथ कार्यकारिणी सदस्यों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। शाम को मोटिवेशनल स्पीकर संतोष वडेर ने युवाओं को करियर का किस तरह चुनाव करें इस विषय पर स्पीच प्रदान की, जिसे युवाओं ने बहुत ध्यान से सुना। कार्यक्रम में मातृछाया की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी, कविता जैन के साथ मातृछाया के अनेक सदस्य उपस्थित थे। इसके साथ नागौर संघ के अध्यक्ष जम्बू कुमार दुगड़, मंत्री कनकराज चोरड़िया, जैन कान्फ्रेंस के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री राजेन्द्र कोठारी के साथ अनेक गणमान्य सदस्य एक्सपो को देखने आए। उपाध्यक्ष विकास खटोड़, सह कोषाध्यक्ष भरत कोठारी, सहमंत्री नरेश बोहरा, एक्सपो संयोजक प्रतीक गादिया, अरिहंत छाजेड़, कुनाल मरलेचा, सुनील भण्डारी के साथ अंजन मेहता, महावीर गुगलिया, अल्केश हिंगड़, मनीष बाफना, लकी बोहरा, अमित बोहरा, अमित डांगी, चेतन रेदासनी, आशीष भन्साली, हेमन्त गुलेच्छा, जितेन्द्र खिंवसरा, नितेश बोहरा, यशवन्त रांका, मनीष मेडतवाल, रोहित बोहरा, प्रवीन कक्कड़, सुशील बाफना, विकास पारख, रोशन लोढ़ा, दिनेश खींचा, अमित कोठारी, तरुण गादिया, वर्धमान श्रीश्रीमाल, विनोद बाफना आदि सदस्यों ने अपनी पूरी मेहनत एक्सपो को सफल बनाने में लगाई।

ट्रेड फेयर के लिए राज्यपाल को किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से उनके सरकारी कार्यालय पर मुलाकात कर आगामी 16 जुलाई से किया के तत्वावधान में बेंगलूरु में आयोजित होने वाले ट्रेड फेयर में शिरकत करने के लिए आमंत्रित किया। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। अध्यक्ष दिलीप जैन ने बताया कि मुलाकात के दौरान गहलोत ने ट्रेड फेयर व व्यापारियों से सम्बंधित जानकारी ली। इस मौके पर सचिव रविन्द्र बंबोली, सयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान, सयुक्त सचिव सेंकी जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कृष्णा गौशाला में सहायता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मालगाल महिला मंडल की महिलाओं ने अमावस्या पर श्री कृष्णा गौशाला कोतनूर में स्वामी पुखराज जी महाराज को एक लाख चार हजार रुपये की राशि गौसेवार्थ के लिए प्रदान की। स्वामी पुखराज ने महिलाओं को गौमाता की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया। मालगाल महिला मंडल की महिलाओं द्वारा घर घर जाकर भजन कीर्तन कर गौसेवा के लिए यह राशि एकत्रित की गई थी। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थी।

चिकपेट टीम ने जीती प्रतियोगिता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

टी दासरहल्ली स्थित मैदान में रॉयल फ्रेंड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ आईमाता तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर आरती के पश्चात हुआ। जिसमें सीरवी समाज की कुल 12 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबले में चिकपेट विजेता रही। वहीं धिनावास रॉयल उपविजेता रही। आयोजक रूपेश, जसाराम, सोहनलाल एवं रॉयल फ्रेंड्स कप की पूरी टीम एव चिपकेट टीम के कप्तान प्रकाश एलेन्टी, धिनावास टीम के कप्तान ओमप्रकाश उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुरेश सैणचा, तरूण काग, दुर्गाराम चौधरी थे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। ट्रॉफी प्रायोजक चौधरी स्टील के मनोज ने विजेता टीम व उपविजेता टीम को बधाई दी। विजेता व उप विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की गई। इस अवसर पर सीरवी समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

एक शाम गौ माता के नाम रात्रि जागरण का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मागड़ी रोड अग्रहारा दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर प्रांगण में अमावस्या के दिन रामदेव गौ-सेवा मंडल एवं रामदेव भक्त मण्डल के तत्व-ावधान में एक शाम गौ माता के नाम रात्रि जागरण का आयोजन किया गया।

गौमाता तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर गुरु वंदना की गई। इसके बाद गणपति वंदना की प्रस्तुति से जागरण का शुभारंभ हुआ।

भजन गायक रतनसिंह राजप-ुरोहित, सुरेश पारिक, राकेश उपाध्याय, कालुराम कुमावत, बालुसिंह राजपुरोहित, रामलाल प्रजापत ने एक से बढ़कर एक राजस्थानी लोक भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर देर रात तक झूमते रहे। प्रसादी के लाभार्थी एआरके ग्रुप मुडलपालिया ने महाआरती की। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाबा के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक इन्द्रलाल सोलंकी, सोहनसिंह राजपुरोहित अध्यक्ष चेतन सीरवी, सचिव पंकज शर्मा, राजेश पारिक, ओमसिंह राजप-ुरोहित, रूपाराम प्रजापत, चौथाराम सीरवी, सुगनचन्द चौहान, भानाराम गहलोत, ओमप्रकाश सीरवी सहित रामदेव भक्त मण्डल के सभी सदस्य एवं महिला मंडल की सभी महिलाएं मौजूद रही।

10 दिनों के कंप्यूटर साक्षरता का हुआ समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आरवी रोड में स्थित श्री अरिहंत जैन कॉलेज में शुक्रवार को सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ के 10 दिनों के कंप्यूटर साक्षरता का समापन हुआ। महिला संघ का मुख्य उद्देश्य इस कार्यकम के माध्यम से नारी को कंप्यूटर दुनिया से रूबरू कराना था, ताकि वे अपने हर छोटे बड़े काम आसानी से कर सकें।

ट्रेनर नरेश गादिया ने कंप्यूटर साक्षरता के तहत एम. एस ऑफिस वर्ड, एक्सल, पावर पाईंट, इटरनेट ब्राउसिंग समेत अन्य चीजों को इतनी आसान भाषा में डिजाइन किया की सभी प्रतिभागी आसानी से समझ सके। इस प्रोग्राम में सिखाये गये सभी कोर्स को एक किताब के माध्मम से सभी प्रतिभागी को दी गई। लगभग 45 प्रतिभागी इस कार्यकम से जुड़े। हर दिन 3 से 4 घंटे तक चलने वाली इस क्लास में प्रतिभागी ने अपना पूरा उत्साह बनाये रखा। अध्यक्ष सीमा मेहता ने सभी का स्वागत किया। डिंपल ओस्तवाल ने सभी प्रायोजक परिवार और उपस्थित डिंपल कानूंगा, दीपिका बाफना का आभार जताया। हेमा चोपड़ा, प्रीति चौरड़िया, ऊषा भंडारी, ललिता छाजेड़, अनीता लूंकड, शीतल चोपड़ा, सुशीला गुलेचा, मोनिका पालरेचा, रेखा मुणोत, मीना रांका, निकिशा चौरड़िया, स्नेहा चौरड़िया, रितु मेहता, उषा श्रीश्रीमाल, गुलाब मेहता, टीनू पालरेचा, प्रियंका पालरेचा और डिंपल बागरेचा समेत अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

अहिंसा भवन की भूमि पूजन आज

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। केशवपुर अरिहंत कॉलोनी स्थित आल इंडिया जैन युथ फेडरेशन, महावीर लिंब सेंटर अहिंसा भवन की भूमि पूजा रविवार को होगी। महावीर लिंब सेंटर के चेयरमैन गोलेछा ने बताया कि रविवार सुबह 9.15 बजे आराधना भवन से गाजे बाजे के साथ भूमि पूजा के लाभार्थी स्व भवरलाल भंडारी हुब्बल्ली- बाली परिवार के साथ समाज के सदस्य भूमि पूजा स्थल पहुंचेंगे। आल इंडिया जैन युथ फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी ने बताया गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री नरदेवसागर सूरिश्वरजी के समुदाय से बंधु युगल आचार्य भगवंत जितरत्न सागर सूरीश्वरजी एवं आचार्य भगवंत चंद्ररत्न सागर सूरीश्वरजी, पन्यास प्रवर परमयश विजयजी भूमि पूजा कार्यक्रम को सान्निध्य प्रदान करेंगे। भूमि पूजा के लाभार्थी भंडारी परिवार के सुपुत्र राजेश कुमार भंडारी, मुकेश भंडारी एवं अतिथि के रूप में स्लम निवारण बोर्ड के चेयरमैन विधायक प्रसाद अब्बेया, हुब्बल्ली धारवाड़ सेंट्रल क्षेत्र विधायक महेश टेंगिनकाई, पूर्व मंत्री एएम हिंडेसगिरी, हुडा चेयरमैन साकिर सनदी, हुडा के पूर्व चेयरमैन एए मुधोल सहित अन्य लोग भी मौजूद होंगे।

जेडीएस विधायक दल के नेता चुनाव की शक्ति देवेगौड़ा व कुमारस्वामी के पास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जद(एस) विधायक दल का नेता चुनने का अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी को दिया गया है। जेपी भवन में एच.डी. कुमारस्वामी की अध्यक्षता में हुई जेडीएस विधायक दल की बैठक में यह फैसला लिया गया। कुमारस्वामी ने लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे विधायक दल की सीट खाली हो गई है। वरिष्ठ विधायक जी.टी.

देवेगौड़ा, एच.डी. रेवन्ना समेत कई नाम सुनने को मिले हैं। कुमारस्वामी ने विधायकों को मार्गदर्शन दिया है कि मानसून सत्र में कैसे लड़ना है और लोगों की समस्याओं को कैसे उठाना है, हमें पहले से तैयारी करनी चाहिए और सत्र में भाग लेना चाहिए। लोग उस मुद्दे पर ध्यान देंगे जिस पर सत्र में हमारा संघर्ष प्रकाश डालेगा।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, प्रश्नोत्तरी अवधि महत्वपूर्ण है और सभी को सत्र में अनिवार्य रूप से भाग लेना चाहिए और लोगों की समस्याओं पर यथासंभव कुशलता से प्रकाश डालना चाहिए। बैठक में विधायक सुरेश बाबू, वेंकटशिव रेड्डी, समृद्धि मंजूनाथ, स्वरूप, एम.पी.कृष्णप्पा, शारदा पूर्णा नाइक, हरीश गौड़ा, नेमीराजा नाइक, जवराई गौड़ा, थिप्पेस्वामी, करीमा, युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी, पूर्व विधायक वाई.एस.वी.दत्ता, बंदेप्पा काशमपुर, वेंकटरमण नाद गौड़ा, अल्कोडे हनुमनथप्पा, शहर इकाई के अध्यक्ष रमेश गौड़ा उपस्थित थे।

मुडा घोटाले की जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए: प्रहलाद जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि महादई योजना जल्द शुरू होगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा कोई काम नहीं है जिससे महादयी परियोजना में बाधा पहुंचे। उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजना जल्द से जल्द शुरू होगी।

महादयी परियोजना को रोकने के लिए गोवा की टीम का परियोजना स्थल का दौरा करने के आरोप पर उन्होंने कहा कि यह जल विवाद से जुड़ी टीम है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं जल विवाद है तो भी इसकी जांच करायी जायेगी। टीम रविवार को जलग्रहण क्षेत्र

का दौरा करेंगी और तथ्य-जांच करेंगी। उन्होंने कहा कि कलासा बंडूरी के तहत 12 स्थानों का निरीक्षण किया जाएगा। इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। महादयी नदी जल बंटवारे पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि कलासा क्षेत्र में वन क्षेत्र की भी जांच की जायेगी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मांग की कि मुडा घोटाला बड़े पैमाने पर हुआ भ्रष्टाचार है और इसकी जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए। अगर कुछ भी अवैध नहीं है तो आपने जल्दबाजी में कलेक्टर का तबादला क्यों कर दिया? सीएम सिद्धरामैया और उनके बेटे की इजाजत के बिना ऐसा नहीं हो सकता। यह व्यक्तिगत लाभ के लिए बड़े पैमाने पर किया गया भ्रष्टाचार है।

इसलिए मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंपा जाना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया गया तो सीएम सिद्धरामैया यह दावा करने के हकदार नहीं हैं कि मैं लोहिया वादी हूं, समाजवादी हूं। मेरा कड़ा आरोप है कि मुख्यमंत्री सीधे तौर पर मुडा और वाल्मीकि निगम घोटाले में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि केस बंद करने की जल्दबाजी में एसआईटी द्वारा उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है। नागेंद्र को इतने दिनों तक भागने का मौका मिला, अब नोटिस दिया है। सिद्धरामैया सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। वे भ्रष्टाचार करने के नये-नये तरीके खोज रहे हैं। राज्य सरकार दिवालियापन की ओर बढ़ रही है। सिद्धरामैया अच्छी तरह जानते हैं कि सिगरेट या पत्ते के ढेर में आग लगने पर उसे कैसे जलाना है। यह जानते हुए भी कि यह उनका आखिरी कार्यकाल है, सिद्धरामैया भ्रष्टाचार के चरम पर पहुंच रहे हैं। डीसी का तबादला भ्रष्टाचार का प्रमाण है। सिद्धरामैया को सीबीआई से इतना डर क्यों है?

कारों के बीच आमने-सामने की टक्कर में तीन की मौत

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा के जिला मुख्यालय शहर के बाहरी इलाके में शनिवार सुबह दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि पांच घायलों में से एक की हालत गंभीर है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना शिवमोग्गा चिड़ियाघर के पास हुई। मृतक चित्रदुर्ग जिले के चल्लकेरे तालुका के डोड्डेरी गांव के थे और शिवमोग्गा के सिगंदुरु से लौट रहे थे।

कुमारस्वामी को प्रगति की समीक्षा के लिए

राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ सीधे बैठक करने की अनुमति नहीं : परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने स्पष्ट किया है कि दिशा समिति की बैठकों के अलावा, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी को प्रगति की समीक्षा के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ सीधे बैठक करने की अनुमति नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के आरोपों पर सफाई देते हुए परमेश्वर ने कहा कि मुख्यमंत्री और राज्य के मंत्रियों के अलावा केंद्रीय मंत्रियों के पास प्रगति की समीक्षा के लिए राज्य के अधिकारियों की बैठक बुलाने का अवसर नहीं है। पूर्व में मुख्यमंत्री रह चुके कुमारस्वामी इस मुद्दे को अच्छी तरह से जानते हैं। हालांकि वह राजनीतिक कारणों से आरोप लगा रहे हैं।

मुख्यमंत्री समय-समय पर बैठकें करते हैं और सरकार शिष्टाचार का पालन करने के निर्देश जारी करती है। कुमारस्वामी केंद्रीय मंत्री हैं। उनके अलग-अलग शिष्टाचार हैं। सांसद और केंद्रीय मंत्री जिला स्तरीय प्रगति समीक्षा बैठकें करेंगे। साथ ही राज्य सरकार के मंत्रियों द्वारा आयोजित बैठकों में भी हिस्सा ले सकते हैं। लेकिन उन्हें सीधे बैठक बुलाने और प्रगति समीक्षा करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि जब वह मुख्यमंत्री थे तब भी इसी तरह के नियमों का पालन किया गया था। कुमारस्वामी का यह आरोप निराधार है कि मुडा भूमि आवंटन घोटाले के पीछे उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार थे। उन्होंने कहा कि डीके शिवकुमार ने खुद इस बारे में सफाई दी और कहा कि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि अनुसूचित जाति विकास निगम घोटाले की जांच कर रही एसआईटी जरूरत पड़ने पर पूर्व मंत्री नागेंद्र और निगम के चेयरमैन बसवराज दद्दल से भी पूछताछ करेगी। जानकारी प्राप्त करने के लिए जिन्हें इसकी आवश्यकता होती है उन्हें नोटिस देकर पूछताछ के लिए बुलाया जाता है। नागेंद्र के तीन-चार करीबियों को पहले ही नोटिस देकर पूछताछ की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो नागेंद्र को भी नोटिस दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि हुब्बल्ली में सिद्धारमौत्सवम के बारे में उन्हें अभी तक कोई जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक की जाएगी और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा। प्रत्येक वर्ष दो बार एसपी ग्रेड से ऊपर के अधिकारियों का सम्मेलन आयोजित किया जाता है। सरकार की प्राथमिकताएं क्या हैं? पुलिस विभाग को कैसे कार्य करना चाहिए? क्या समस्याएं हैं? क्या जरूरतें हैं? उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था पर चर्चा कर मार्गदर्शन दिया जायेगा। इससे पहले कुमारस्वामी ने शुक्रवार को कहा था कि मैसूरु शहरी विकास निगम (मुडा) घोटाला उस व्यक्ति द्वारा अब उजागर हुआ है, जो मुख्यमंत्री पद पर नजर रखता है। उन्होंने परोक्ष रूप से उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार का हवाला दिया। केंद्रीय मंत्री का पद संभालने के बाद शुक्रवार को मैसूरु में चामुंडी पहाड़ी पर स्थित श्री चामुंडेश्वरी मंदिर में पहली बार दर्शन करने पहुंचे कुमारस्वामी ने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि सीडी फैक्ट्री अब बंद हो चुकी है। इस तरह, मुडा फैक्ट्री खुल गई है। घोटाले का खुलासा पहले क्यों नहीं हुआ? अब क्यों? जो व्यक्ति सोचता है कि मुख्यमंत्री का पद उसके लिए आरक्षित है, वही मुडा घोटाले के खुलासे के पीछे है। कुमारस्वामी ने कहा भाजपा नेता विरोध कर रहे हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं। लेकिन, कांग्रेस के नेता इसके खुलासे के पीछे हैं।

केंद्र सरकार ने चुनाव के बाद भारत चावल योजना छोड़ दी : सीएम

हमारी सरकार को बदनाम करने की साजिश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार ने चुनाव के मद्देनजर भारत चावल योजना लागू की थी। चुनाव के बाद परियोजना रोक दी गई। विधान सौधा के सामने बाबू जगजीवनराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत चावल राजनीतिक कारणों से लागू की गई परियोजना थी, जो चुनाव के बाद यह बंद हो गया है। हमारी सरकार ने अन्नभाग्य योजना लागू की है। यह एक गैर राजनीतिक कार्यक्रम है। केंद्र सरकार अन्नभाग्य का चावल इसलिए नहीं दे रही है, क्योंकि गरीबों को चावल नहीं मिलना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि खाद्यान्न भंडार में पर्याप्त चावल होने के बावजूद राज्य को आपूर्ति नहीं कर हमारी सरकार को बदनाम करने की साजिश की जा रही है। इसका मतलब यह है कि केंद्र सरकार दलित, पिछड़ा वर्ग और सभी जाति के गरीबों के खिलाफ है। केंद्र सरकार ने चावल नहीं दिया। इसलिए अनिवार्य रूप से, हमें चावल के बदले लाभार्थियों को पैसा देना पड़ा। बाबू जगजीवन राम 1952 से 40 वर्षों से अधिक समय तक राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहे। उन्होंने कहा बाबू जगजीवन राम, जो इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल में खाद्य मंत्री थे, ने खाद्य उत्पादन बढ़ाने के लिए नई किस्मों और उर्वरकों की शुरुआत की। उससे पहले ऐसी स्थिति थी कि हमें विदेशों के सामने भीख मांगनी पड़ती थी। भारत की खाद्य आत्मनिर्भरता के पीछे बाबू जगजीवन राम प्रमुख कारकों में से एक थे। उन्होंने रक्षा मंत्री के रूप में भी काम किया। एक कुशल प्रशासक, वह श्रम कानूनों के निर्माण के लिए जिम्मेदार थे। उन्होंने कहा कि जो लोग दलितों, गरीबों और मजदूरों के लिए लड़ रहे हैं, उन्हें आगे बढ़ाना और उनके बताये रास्ते पर चलना हमारा कर्तव्य है। पहले जब वे मुख्यमंत्री थे तब 100 करोड़ की लागत से बाबू जगजीवन राम का स्मारक बनवाया गया और वहां विज्ञान एवं कौशल का प्रशिक्षण देने के लिए कोन इंस्टालेशन कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भवन का निर्माण पूरा हो चुका है और 13 तारीख को वह इसका उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, एचसी महादेवप्पा, के.एच. महादेवप्पा व अन्य उप-स्थित थे।

राजनीति से दूर रहना चाहिए

स्वामीजी को हिंदू सामाजिक मुद्दों पर देना चाहिए ध्यान : पद्मराज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस नेता पद्मराज आर ने धार्मिक नेताओं, खास तौर पर स्वामीजी से राजनीतिक मामलों में शामिल होने से बचने का आह्वान किया है। पद्मराज ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा हर किसी को धार्मिक स्वामीजी के राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप की निंदा करनी चाहिए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संसद में दिए गए बयानों के बारे में पेजावर स्वामीजी विश्वप्रसन्ना तीर्थ द्वारा हाल ही में की गई टिप्पणियों के बारे में पद्मराज ने अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा राहुल गांधी ने संसद में कई मुद्दे उठाए और पेजावर स्वामीजी ने हिंदू धर्म से संबंधित उनकी टिप्पणियों की आलोचना की।

स्वामीजी को हिंदू समुदाय के भीतर सामाजिक अन्याय को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और धार्मिक और सामाजिक कल्याण की सीमाओं के भीतर रहना चाहिए। पद्मराज ने यह भी कहा कि स्वामीजी ने कांग्रेस पार्टी पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया, जिसके कारण भाजपा को अपेक्षित संख्या में सीटें नहीं मिलीं।

सांसद उम्मीदवार ने राम मंदिर के अधूरे निर्माण कार्य पर स्वामीजी की टिप्पणियों का भी संदर्भ दिया, जिसके पूरा होने में कथित तौर पर डेढ़ साल का अतिरिक्त समय लगेगा। पद्मराज ने पूछा स्वामीजी ने चुनाव से ठीक पहले मंदिर का उद्घाटन करने की आवश्यकता पर सवाल उठाया, अगर काम अधूरा था। क्या यह राजनीतिक चाल नहीं है? इसके अलावा, पद्मराज ने नीट में अनियमितताओं सहित राहुल गांधी द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर भाजपा की प्रतिक्रिया या उसकी कमी की आलोचना की। उन्होंने कहा भाजपा, यहां तक कि इसकी छात्र शाखा ने भी इन मुद्दों को संबोधित नहीं किया है, जो वंचितों के प्रति चिंता की कमी दर्शाता है।

उन्होंने अपने स्वयं के चुनाव परिणामों का हवाला देते हुए भाजपा द्वारा खुद को हिंदू समुदाय का एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में पेश किए जाने को भी चुनौती दी, जहां उन्हें हिंदू मतदाताओं से 300,000 से अधिक वोट मिले। उन्होंने टिप्पणी की कि भाजपा ऐसे बात करती है जैसे हिंदू धर्म पर उनका एकाधिकार हो।

पद्मराज ने मौजूदा सरकार के आर्थिक मुद्दों पर प्रकाश डाला, यूपीए सरकार के दौरान और अब पेट्रोल की कीमतों की तुलना की और दूध की कीमत और मात्रा में अंतर की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा भले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन भाजपा सरकार ने पेट्रोल की कीमतों को 60-62 रुपये तक कम नहीं किया है। कांग्रेस प्रवक्ता एमजी हेगड़े ने संसद में राहुल गांधी के बयानों का समर्थन किया और पेजावर स्वामीजी से राजनीतिक संबद्धता से स्वतंत्र रूप से हिंदू समुदाय का निर्माण करने का आग्रह किया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि हिंदू धर्म समानता और अहिंसा का उपदेश देता है, भय का नहीं। मैं पेजावर स्वामीजी से भाजपा नेताओं का जिम्मेदारी से मार्गदर्शन करने का आग्रह करता हूं।

डेंगू फैल रहा है, इलाज की व्यवस्था कोविड मॉडल पर होनी चाहिए : सीएन मंजूनाथ

इसे मेडिकल इमरजेंसी घोषित किया जाना चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद सीएन मंजूनाथ ने शनिवार को कहा कि हमारे राज्य में डेंगू फैल रहा है, इसलिए इलाज की व्यवस्था कोविड मॉडल पर होनी चाहिए। इसे मेडिकल इमरजेंसी घोषित किया जाना चाहिए। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय, जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डेंगू बुखार पर नियंत्रण का मतलब मच्छरों पर नियंत्रण है।

डेंगू बीमारी का कोई सटीक इलाज नहीं है। उन्होंने कहा कि मच्छर नियंत्रण बहुत जरूरी है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर डेंगू बुखार को नियंत्रित नहीं किया गया तो चिकनगुनिया और जीका वायरस जैसी घातक बीमारियां हो सकती हैं। यदि सरकार द्वारा निर्धारित दरों से अधिक शुल्क लिया जाता है तो ऐसे अस्पतालों और इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने मांग की कि ऐसी प्रयोगशालाओं को बंद किया जाना चाहिए। फ्लाईओवर, अंडरपास, खोदी गई सड़क, पुल आदि समय पर पूरे नहीं होते। सब कुछ आधे रास्ते में रुक जाता है। जब बारिश होती है तो हर जगह पानी रुक जाता है। उन्होंने विश्लेषण किया कि इससे मच्छरों पर नियंत्रण संभव नहीं है। मच्छर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग, शहरी विकास विभाग, पंचायत, जिला पंचायत, जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड को काम करना होगा। उन्होंने कहा कि डेंगू नियंत्रण के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया जाना चाहिए। इस टास्क फोर्स को विशेषज्ञों की सलाह लेनी चाहिए। वर्षा ऋतु की समस्याओं का समाधान ग्रीष्म ऋतु में करना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि मच्छर न पनपें। एक डॉक्टर समेत 6-7 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग संक्रमित हैं। बच्चों में भी डेंगू बुखार बढ़ रहा है। इसलिए सभी स्कूल-कॉलेजों को एक सर्कुलर भेजा जाए और स्कूल प्रशासन के साथ बैठक की जाए।

उन्होंने बताया कि डेंगू जब जटिल स्थिति में पहुंच जाता है तो इसका कोई इलाज नहीं है। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण ने कहा कि राज्य में सरकार दिवालिया होने की कगार पर है। उन्होंने राज्य के स्वास्थ्य विभाग को आईसीयू से संबंधित बताते हुए इसकी आलोचना की। प्रदेश के हर जिले में डेंगू की महामारी फैली हुई है। यह पिछले एक महीने से राज्य में छाया हुआ है। डेंगू, मलेरिया, वायरल बुखार आमतौर पर मौसमी आते हैं। सरकार ने इस संबंध में कोई एहतियाती कदम नहीं उठाया है। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडुराव सिर्फ दौरे पर हैं। वह अपनी पार्टी की गतिविधियों में व्यस्त हैं।

हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि उनके विभाग ने जिम्मेदारी पर ध्यान नहीं दिया। प्राइवेट लोग खून की जांच और डेंगू की जांच के लिए मनमाने दाम वसूल रहे हैं। यह एक व्यवसाय बन गया है। हालांकि मंत्री ने इस पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने सरकार से इन पर तुरंत ध्यान देने की मांग की।

मेंगलूरु में तैराकी करते नजर आए मंत्री दिनेश गुंडुराव

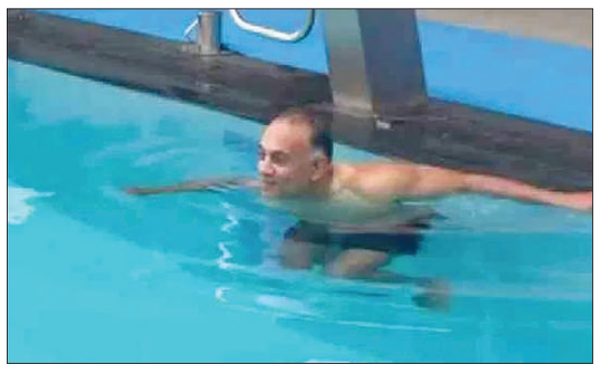

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडुराव ने शनिवार सुबह मेंगलूरु के एम्मे केरे के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्विमिंग पूल में व्यायाम करके ध्यान आकर्षित किया है। बरसात के मौसम में उत्पन्न होने वाली स्थिति एवं अन्य परिस्थितियों का अवलोकन करने के लिए जिले के प्रभारी मंत्री ने शुक्रवार को कई क्षेत्रों का दौरा किया और लोगों को डेंगू नियंत्रण एवं मच्छर उन्मूलन के प्रति जागरूक किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ प्रगति समीक्षा बैठक भी की। मंत्री, जो शनिवार को मेंगलूरु थे, विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा की और बारिश आपदाओं पर स्थल निरीक्षण किया। इससे पहले, सुबह की सैर के बाद, वह अंतरराष्ट्रीय स्विमिंग पूल में मछली की तरह तैरे और अपनी शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया। मंत्री के खुशी से तैरने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं।

नया आपराधिक कानून सूचना मैनुअल ऐप जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की वार्षिक बैठक की शुरुआत में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने विभिन्न पुस्तिकाओं का विमोचन किया। नए आपराधिक कानून मोबाइल ऐप का संकलन, फॉरेंसिक विज्ञान विभाग द्वारा सीन ऑफ क्राइम मैनुअल, होयसला वाहनों की रियल टाइम ट्रैकिंग का प्रदर्शन, सेफ कनेक्ट सॉफ्टवेयर का लॉन्च, ऑडियो-वीडियो कनेक्टिंग टेक्नोलॉजी, डिजिटलअरेस्ट घोटाला जांच मैनुअल, ऑनलाइन धोखाधड़ी जांच मैनुअल और व्यक्ति ट्रबल कमांड सेंटर कर्मचारियों से जुड़ने की तकनीक जारी की गई। सीएम सिद्धरामैया और गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने पुलिस मुख्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कर्नाटक राज्य के

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की कॉन्फ्रेंस बैठक में भाग लिया। एक ही स्थान पर तीन नए अधिनियमित आपराधिक कानूनों के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका के रूप में काम करने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया गया है। यह ऐप भारतीय दंड संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए आपराधिक कानूनों का संकलन है। संचय ऐप को आपराधिक कानूनों के केंद्र बिंदु के रूप में लॉन्च किया जाएगा और यह न्यायिक अभियोजकों, अधिवक्ताओं, कानून के छात्रों और पुलिस अधिकारियों जैसे प्रासंगिक हितधारकों को आपराधिक कानूनों में नवीनतम परिवर्तनों के बारे में सूचित करके जागरूकता बढ़ाएगा।

शिवमोग्गा में व्यक्ति की मौत में जीका वायरस संक्रमण का संदेह

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा में शुक्रवार को 74 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जिसके बारे में संदेह है कि वह जीका वायरस के संक्रमण का मामला है। हालांकि, कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अधिकारियों का मानना है कि मौत अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण हो सकती है। शिवमोग्गा निवासी 21 जून को जीका वायरस से संक्रमित पाया गया था। वह शहर के एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन था। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नटराज ने बताया कि रोगी की मौत शुक्रवार को हुई। फिलहाल, हम यह नहीं कह सकते कि उसकी मौत जीका वायरस के कारण हुई। उसे सांस लेने में समस्या थी और बुढ़ापे से जुड़ी अन्य स्वास्थ्य समस्याएं थीं। आम तौर पर, जीका वायरस से मौत नहीं होती। गर्भवती महिलाओं में वायरस का संक्रमण पाया जाना गंभीर है, क्योंकि यह वायरस भ्रूण के लिए खतरनाक हो सकता है। जिले में जीका वायरस संक्रमण का एक और संदिग्ध मामला सामने आया है। डीएचओ ने बताया कि नमूने बेंगलूरु स्थित एनआईवी यूनिट में भेजे गए हैं। संक्रमण की पुष्टि होना अभी बाकी है।

अगर ड्रग्स और सट्टेबाजी पर अंकुश नहीं लगा तो पुलिस अधिकारी होंगे जिम्मेदार: सीएम

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने चेतावनी दी है कि अगर क्लब, कार्ड, सट्टेबाजी और नशीली दवाओं के सौदे बंद नहीं किए गए तो एसपी और आईजी स्तर के अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। राज्य महानिदेशक कार्यालय में 2024 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने नये सॉफ्टवेयर का विमोचन करते हुए कहा कि अगर एसपी और आईजी स्तर के अधिकारी हर थाने में जाकर जांच करें तो आपके क्षेत्र में क्लब और सट्टेबाजी से बचा जा सकता है। सीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पुलिस मैनुअल के दायरे के अनुसार एसपी-डीसीपी-आईजी को हर थाने का दौरा और निरीक्षण करना अनिवार्य है, और चेतावनी दी कि वे रविवार से स्टेशनों का दौरा करें।

फेक न्यूज समाज के लिए अभिशाप है। इनमें तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। हमने इन्हें रोकने के लिए फैक्टचेक यूनिट बनाई हैं, लेकिन फर्जी खबरें बढ़ रही हैं और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि फर्जी खबरों को रोकने के लिए किया जा रहा काम पर्याप्त नहीं है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके अधिक से अधिक शिकायतें दर्ज की जानी चाहिए और बिना किसी हिचकिचाहट के सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। संबंधित थाने के अधिकारियों को पता है कि कौन ड्रग्स बेच रहा है, कौन उपद्रवी हैं, कौन रियल एस्टेट का कारोबार कर रहा है। हालांकि, उन्होंने सवाल किया कि यह क्यों नहीं रुक रहा है। आपको बंदूकें क्यों दी जाती हैं? उपद्रवी इससे क्यों नहीं डरते? उन्होंने चेतावनी दी कि उपद्रवी पुलिस से डरते होंगे, यह शर्म की बात है कि कुछ पुलिसकर्मियों को यह नहीं पता कि ई-बीट प्रणाली लागू है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसमें सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गलतियों को सुधारकर और बहु पुलिस प्रणाली को मजबूत करके, देश में कर्नाटक पुलिस के ऊंचे नाम को संरक्षित और पोषित किया जाना चाहिए। समाज में ऐसा माहौल होना चाहिए जहां हर कोई शांति और भय के बिना रह सके। कानून व्यवस्था सुरक्षित रहेगी तो विकास, पूंजी निवेश, रोजगार सृजन संभव है। इन सबके कारण प्रति व्यक्ति आय और जीडीपी बढ़ती है। हमारा समाज जाति व्यवस्था के कारण असमानता से भरा हुआ है। यदि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों को ठीक से निभाते हैं, तो आपके नीचे के अधिकारी अपने कर्तव्यों को अधिक प्रभावी ढंग से निभाएंगे। उन्होंने बीट सिस्टम, यातायात व्यवस्था, हाईवे पेट्रोलिंग व्यवस्था को प्रभावी ढंग से बनाए रखने के निर्देश दिए। हुब्बल्ली में एक के बाद एक हत्या हुई। यदि बुद्धिमान पुलिस सतर्क होती तो दूसरी हत्या से बचा जा सकता था। इसीलिए वरिष्ठ अधिकारियों को निलंबित करना पड़ा। उनकी लापरवाही के कारण ही मौत हुई है। जबकि हत्या को टाला जा सकता था। मुख्यमंत्री ने पिछले एक साल में राज्य में सांप्रदायिक दंगों के बिना कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गृह मंत्री और कर्नाटक पुलिस को बधाई दी। बैठक में गृह मंत्री जी परमेश्वर, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, प्रमुख शासन सचिव रजनीश गोयल, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एसआर उमाशंकर, डीजी-आईजी डॉ. आलोक मोहन, शासन सचिव केवी त्रिलोक चंद्र मौजूद रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक पद्मशाली महिला समाज बेंगलूरु द्वारा बिन्नी मिल रोड में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। उन्होंने कहा बच्चों का मन निर्मल, सरल, सहज, कोमल होता है। बच्चे साक्षात भगवान का रूप होते हैं। उनमें जातिवाद का बीज अंकुरित ना होने दें। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के निर्देशानुसार प्रवासी प्रकोष्ठ राजस्थान के प्रदेश संयोजक श्रीकुमार लखोटिया ने राजस्थान प्रवासी प्रकोष्ठ कर्नाटक के लिए हेमंत चौधरी को संयोजक, भरत कुमार जैन को सह-संयोजक और नरेंद्र कुमार भरींदवाल को महासचिव नियुक्त किया।

समाचार इस ई-मेल पर भेजें
sl.newsblr1@gmail.com
विज्ञप्ति के साथ सम्पर्क सूत्र का उल्लेख भी करें...

कर्नाटक में कई जगहों पर बाढ़ के बावजूद कई क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश हुई दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) की होबली-वार वर्षा रिपोर्ट के अनुसार, कई क्षेत्रों, खासकर तटीय कर्नाटक में भारी बारिश और बाढ़ के बावजूद कई क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है। होबली कर्नाटक में एक साथ प्रशासित आस-पास के गांवों का समूह है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस दक्षिण-पश्चिम मानसून (1 जून से 6 जुलाई के बीच) के दौरान चार होबली में 60 प्रतिशत से अधिककमी दर्ज की गई है और 117 होबली में 20 से 59 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। सामान्य प्रतिशत से सबसे अधिक विचलन हासन जिले के बेलूर तालुक में मदिहल्ली होबली में -73 प्रतिशत दर्ज किया गया,

जो 1 जून से 6 जुलाई के बीच था।

जबकि अनावट्टी होबली (शिवमोग्गा जिले में सोरबा तालुक) 72 प्रतिशत पर रहा, हासन जिले (अरसीकेरे तालुक) में जवागल होबली में 64 और चिकमगलूरु में लक्य होबली में 60 प्रतिशत दर्ज किया गया। केएसएनडीएमसी की रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक में 1 जून से 6 जुलाई के बीच 249 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले वास्तविक मात्रा में 266 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जिससे राज्य दक्षिण-पश्चिम मानसून 2024 के लिए सामान्य श्रेणी में आ गया। लेकिन 1 से 6 जुलाई के बीच बारिश की बात करें तो कर्नाटक में 50 मिमी के मुकाबले 63 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 27 प्रतिशत कम है, जिससे यह अधिक श्रेणी में आ गया। इस बीच, भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि तटीय कर्नाटक में पिछले 24 घंटों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई है, जिसमें उत्तर कन्नड़ के कैसल रॉक, होनवर और अंकोला में क्रमशः 170 मिमी, 180 मिमी और 130 मिमी बारिश हुई है। उडुपी में भी पिछले 24 घंटों में 150 मिमी बारिश हुई।

भारी बारिश और आईएमडी द्वारा जारी रेड अलर्ट के कारण, दक्षिण कन्नड़ जिले ने 6 जुलाई को सभी आंगनवाड़ी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी प्राथमिक और उच्च विद्यालय और प्री-ग्रेजुएट कॉलेज पहले ही बंद कर दिए हैं। दक्षिण कन्नड़ में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी कहा था कि उसने संभावित बाढ़ और भूस्खलन वाले क्षेत्रों में अपनी राहत गतिविधियों को मजबूत किया है।

सिद्धारमैया सरकार पर बीजेपी का आरोप

एससी-एसटी कल्याण के बदले पांच गारंटी पर 14800 करोड़ खर्च कर रही कांग्रेस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर अनुसूचित जाति/जनजाति उप-योजना की धनराशि का इस्तेमाल पांच गारंटियों के लिए करने का आरोप लगाया है। वहीं मुख्यमंत्री इस पर सफाई देते घूम रहे हैं। उनका कहना है कि यह धनराशि एससी एसटी आबादी पर खर्च की गई है।

आम चुनाव के समय कांग्रेस के पांच गारंटियों के वादे को लेकर भाजपा ने निशाना साधा है। शुक्रवार को कर्नाटक भाजपा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर अनुसूचित जाति उप-योजना और जनजातीय उप-योजना के लिए निर्धारित 14,800 करोड़ रुपये के कोष का इस्तेमाल पांच गारंटियों के लिए करने का आरोप लगाया। भाजपा ने कहा कि दलित समुदायों के कल्याण के लिए

निर्धारित कोष को चुनावी वादों को पूरा करने के लिए इस्तेमाल किया गया।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने पांच गारंटियों के वित्तपोषण के बहाने अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण के लिए निधि को बर्बाद किया है। भाजपा नेता अशोक के अनुसार एससीएसपी-टीएसपी की 7,881.91 करोड़ रुपये की राशि गृहलक्ष्मी योजना, 70.28 करोड़ रुपये भाग्यलक्ष्मी योजना, 2585.93 करोड़ रुपये गृहज्योति योजना, 448.15 करोड़ रुपये अन्नभाग्य योजना, 2,187 करोड़ रुपये अन्नभाग्य योजना के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, 1,451.45 करोड़ रुपये शक्ति योजना और 175.50 करोड़ रुपये युवा निधि योजना के लिए इस्तेमाल की गई है।

भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार पहले ही महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम की 187 करोड़ रुपये की राशि गबन कर चुकी है। हालांकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का दावा है कि यह धनराशि एससीएसपी-टीएसपी निधि राज्य में एससी/एसटी आबादी के बराबर खर्च की गई। मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''इन गारंटियों के अधिकांश लाभार्थी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों से हैं।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में श्याम प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि श्याम प्रसाद मुखर्जी ने भारत में कश्मीर को बचाने और कश्मीर को अलग दर्जा देने के खिलाफ लगातार संघर्ष किया था। वे शनिवार को शहर के मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में आयोजित डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने याद दिलाया कि उनका बलिदान भी कश्मीर के लिए था। मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा झंडा फहराया गया।

उन्होंने बताया कि येदियुरप्पा, अनंतकुमार और अन्य नेताओं ने इसमें हिस्सा लिया। अमित शाह ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर में धारा 370 हटाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इसके प्रेरणास्रोत डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी थे।

इस मौके पर प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहनदास अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री भगवंत खूबा, प्रदेश महासचिव प्रीतम गौड़ा, विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी, विधायक शरणु सालगर, शैलेन्द्र बेलदाले, प्रदेश सचिव लोकेश अंबेकल्लू, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कु.मंजुला, प्रमुख लोग, कार्यकर्ता, कार्यालय स्टाफ उपस्थित थे।

बीएसपी प्रदेशाध्यक्ष की हत्या के मामले में पार्टी कार्यकर्ताओं का हंगामा

राहुल-स्टालिन ने जताया दुख

चेन्नई (एजेंसियां)।

तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी के नेता के. आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या के बाद पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं। बसपा ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की। दरअसल, आर्मस्ट्रॉन्ग की उनके आवास के बाहर ही बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह घटना शुक्रवार को घटी, जब वह पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ अपने आवास के सामने थे, तभी दो बाइक पर सवार छह लोग आए और आर्मस्ट्रॉन्ग पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस घटना से नाराज बसपा के कार्यकर्ताओं ने चेन्नई में राजीव गांधी सरकारी अस्पताल के बाहर सड़क को अवरुद्ध कर दिया। बसपा नेता की हत्या पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रतिक्रिया दी। राहुल गांधी ने आरोपियों को न्याय के कठघरे में लाने की अपील की।

के. आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या मामले में राजीव गांधी सरकारी अस्पताल के बाहर प्रदर्शन कर रहे बसपा के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। इस मामले में सीबीआई जांच की मांग करते हुए अस्पताल के बाहर जारी प्रदर्शन के कारण पूनमल्ली हाई रोड में ट्रैफिक जाम लग गया।

सीएम स्टालिन ने कहा, बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या चौंकाने वाली और बेहद दुखद है। पुलिस ने रातोंरात हत्या में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मैं आर्मस्ट्रॉन्ग की पार्टी, परिवार, रिश्तेदारों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने पुलिस अधिकारियों को दोषियों को कानून के अनुसार न्याय के कटघरे में लाने का निर्देश दिया है।''

बसपा नेता के. आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या पर कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शोक जताया। राहुल ने कहा, बसपा के तमिलनाडु अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग की निर्मम हत्या से गहरा सदमा लगा है। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी संवेदनाएं। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु में कांग्रेस के नेता लगातार राज्य सरकार के संपर्क में है। मुझे भरोसा है कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि दोषियों को शीघ्र न्याय के कटघरे में लाया जाए।

इस घटना पर केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने कहा कि तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था की स्थिति के खराब होने के कारण एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष टिक नहीं पाए। उन्होंने कहा, ''राज्य में कानून व्यवस्था स्थापित करने में द्रमुक सरकार पूरी तरह से असफल हो गई। दस दिन पहले यहां जहरीली शराब पीने से 70 लोगों की मौत हो गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री राज्य पुलिस और गृह मंत्रालय को नियंत्रित करते हैं। राहुल गांधी हाथरस का दौरा करते हैं, लेकिन उन्हें ये नहीं मालूम कि कल्लाकुरूचि कहां है। राजनेताओं की हत्या की जा रही हैवे यहां सुरक्षित नहीं है। यह राज्य कहां जा रहा है?

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, ''तमिलनाडु में कानून व्यवस्था की स्थिति हाथ से निकल चुकी है। इसके लिए एमके स्टालिन जिम्मेदार हैं। जब शाम के सात बजे छह लोगों ने हथियार से बसपा नेता के. आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या कर दी तो यहां कौन सुरक्षित है? तमिलनाडु में दलित सुरक्षित नहीं है। कल्लाकुरुचि में 65 दलितों की जान चली गई, लेकिन इस पर कार्रवाई नहीं की गई। क्या मुख्यमंत्री को पद पर बने रहने का अधिकार है? इंडी गटबंधन के नेता कहां है? राहुल गांधी ने कल्लाकुरिची में इतने सारे दलितों की हत्या के बारे में एक शब्द भी नहीं बोला। क्या वह इन दलितों के घर जायेंगे?

के.आर्मस्ट्रॉन्ग ने तिरुपति की वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी से लॉ की डिग्री ली थी और वह चेन्नई कोर्ट में वकालत करते थे। आर्मस्ट्रॉन्ग ने साल 2006 में निगम पार्षद का चुनाव लड़कर जीता और उसी साल उन्हें तमिलनाडु बसपा का प्रमुख बनाया गया। साल 2011 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में आर्मस्ट्रॉन्ग ने कोलाथुर सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटी है। आर्मस्ट्रॉन्ग दलितों और वंचितों के अधिकारों के समर्थक थे और इसे लेकर काफी मुखर थे। चेन्नई में बसपा का जनाधार खास नहीं है, लेकिन के आर्मस्ट्रॉन्ग दलित वर्ग की राजनीति का एक जाना पहचाना नाम थे।

अपनी छवि चमकाने के लिए रेलवे की छवि बिगाड़ रहे हैं राहुल गांधी: रेलवे

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय रेलवे ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंच कर रेलकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार का विमर्श स्थापित करने की कोशिश को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि श्री गांधी अपनी छवि चमकाने के लिए रेलवे को विकास की पटरी से उतार कर सियासी अखाड़ा बनाने पर आमादा हैं।

रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा कि यह बहुत ही दु:खद बात है कि भारतीय रेलवे को लेकर पिछले कुछ समय से सियासत जोरों पर है। इससे पहले रेलवे में अक्सर नई ट्रेनों की शुरुआत होने की, रिकॉर्ड स्तर पर रेल कोच तैयार होने की, देशभर में तेजी से हो रहे रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन की और तमाम उपलब्धियों की खबरें की पढ़ने और देखने में आती थीं, लेकिन अचानक रेलवे की छवि पर अब सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी हो जाता है कि क्या रेलवे को अब सियासी फायदे के लिए कोई अपना हथियार बना रहा है? कोई अपनी राजनीतिक छवि चमकाने के लिए रेलवे की छवि पर दाग लगाने की कोशिश कर रहा है?

रेल अधिकारियों का कहना है कि इसका दिलचस्प पहलू यह है कि जिस संयुक्त प्रगतिशील सरकार (संप्रग) सरकार के कार्यकाल में रेलवे की प्रगति बहुत धीमी थी और उस सरकार में रेलवे का नेतृत्व करने वाले नेता आज की भारतीय रेलवे पर सिर्फ सवाल ही नहीं उठा रहे हैं, बल्कि तरह-तरह के निराधार आरोप भी लगा रहे हैं। इस संबंध में रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कुछ दिनों पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रेलवे को लेकर भ्रामक खबरें फैलाईं और अब लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी लोगों के बीच रेलवे की गलत छवि बनाने में लगे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि रील बनाकर उस रेलवे को बदनाम करने की कोशिश हो रही है, जो रोज दो करोड़ यात्रियों की सेवा में दौड़ रही है। रील बनाकर अपनी छवि सुधारने वाले लोगों को यह जरूर सोचना और समझना चाहिए कि देश रील से नहीं, काम करने से चलता है और भारतीय रेलवे भी रील बनाने से नहीं बल्कि अपने लाखों कर्मठ कर्मचारियों की मेहनत एवं लगन से चल रहा है। छवि रील बनाने से नहीं, देश के विकास के लिए, लोगों की सहूलियत के लिए काम करने से, उनकी सेवा करने से बनती है। उन्होंने कहा कि नेताओं को देशहित में काम करना चाहिए न कि रील बनाकर अपनी छवि सुधारने का काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शुक्रवार को ही रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष के नेताओं से भारतीय रेलवे को राजनीति से दूर रखने की अपील की थी, लेकिन श्री गांधी भारतीय रेलवे को अब अपना सियासी अखाड़ा बनाने पर आमादा हैं।

अधिकारियों के अनुसार कल कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचकर करीब 50 लोको पायलटों से मुलाकात की तो उनकी पार्टी की तरफ से इसे लोको पायलटों एवं क्रू मेंबर की समस्या जानने की कोशिश करार देते हुए सोशल मीडिया में रेलवे के खिलाफ नकारात्मक माहौल बनाने का अभियान छेड़ दिया गया, लेकिन इसका असल पहलू लोगों से छुपाया जा रहा है। वरिष्ठ रेलवे अधिकारी के अनुसार, हकीकत यह है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने पूरे लाव-लश्कर के साथ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंचे थे। उनके साथ 15-20 सुरक्षा स्टॉफ, करीब 08-10 कैमरामैन और एक महिला भी थीं, जो कैमरे का फोकस किस तरफ रखना है, श्री राहुल गांधी जब बोल रहे हों तो कैमरे का एंगल किस तरफ रखना है, ये सब बता रही थीं। इसके अलावा करीब 10-12 कांग्रेस कार्यकर्ता श्री गांधी के साथ थे और 08-10 क्रू थे, लेकिन लोकसभा में नेता विपक्ष द्वारा जिन क्रू को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का बताया जा रहा है, वो वहां के स्टाफ नहीं थे, सुनियोजित तरीके से ये क्रू और कुछ टिकट की जांच करने वाले टीटी बाहर से बुलाए गए थे। अधिकारियों के मुताबिक राहुल गांधी जब क्रू लॉबी में दाखिल हुए तो उनके साथ 08-10 कैमरामैन भी लॉबी में प्रवेश कर गए और वहां महिला डॉयरेक्टर की उपस्थिति में उनके बताए हुए निर्देशन में फिर राहुल गांधी की बातचीत का वीडियो शूट होने लगा।

साइबर टीम ने हीरा लेकर घूम रहे तीन लोगों को किया गिरफ्तार

गरियाबंद, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में हीरा को खपाने के फिराक में घूम रहे तीन लोगों को साइबर टीम ने गिरफ्तार किया है।

मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि तीन संदिग्ध व्यक्ति दो अलग-अलग मोटरसाइकिल में अपने पास बहुमूल्य हीरा रखकर ग्राम पटपरपाली से चरौदा की ओर निकले हैं। हीरा की अवैध रूप से परिवहन की सूचना तस्दीक पर समक्ष गवाहन एवं हमराज स्टाफ के घटना स्थल रवाना हुआ। ग्राम कंदागड़ी मोड़ पहुंच कर नाकाबंदी किया गया, कुछ देर के बाद मोटर साइकिल टीवीएस एवं मोटर साइकिल डीलक्स दो अलग-अलग मोटर साइकिल में तीन व्यक्ति आते दिखे। जिसे पुलिस द्वारा रोक कर पूछताछ करते हुए तीनों संदेही आरोपी की तलाशी लेने पर संदेही चंद्रशेखर ठाकुर के कब्जे से 30 छोटे-बड़े चमकीले बहुमूल्य खनिज पदार्थ हीरा मिला।

आरोपियों का कृत्य अपराध धारा सदर 21(4) माइनिंग एक्ट का पाए जाने से थाना छुरा में आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायिक हिरासत में शनिवार को जेल भेजा गया। गिरफ्तार आरोपी चंद्रशेखर ठाकुर पिता स्वर्गीय दिकसन ठाकुर उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम मोंगरा थाना छुरा, जिला गरियाबंद, आनंद मरकाम (35) पिता स्वर्गीय दलसाय मरकाम निवासी बड़े घोटपानी थाना छुरा जिला गरियाबंद तथा सदाराम ओटी पिता स्वर्गीय नकुल राम ओटी उम्र 43 वर्ष निवासी घोटपानी थाना छुआ जिला गरियाबंद को जेल भेजा गया है।

संसद सदस्यों के लिए अपमानजनक टिप्पणियों को वापस लें: धनखड़

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम की सांसदों को अंशकालिक बताने वाली टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए शनिवार को कहा कि यह अत्यधिक अपमानजनक है और इसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। श्री धनखड़ ने केरल के तिरुवनंतपुरम में भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी) के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि संसद के सदस्यों को अंशकालिक बताया जाना अपमानजनक है। उन्होंने कहा कि संसद को ही कानून बनाने का अधिकार है।

गौरतलब है कि श्री चिदम्बरम ने एक साक्षात्कार में सांसदों को अंशकालिक बताया है। श्री धनखड़ ने नाम लिए बिना वरिष्ठ सांसद के शब्दों को संसद की बुद्धिमत्ता का अक्षम्य अपमान बतातया। उपराष्ट्रपति ने सवाल किया, क्या हम संसद में अंशकालिक लोग हैं? वरिष्ठ सांसद के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा, मेरे पास इस तरह की कहानी की निंदा करने के लिए पर्याप्त शब्द नहीं हैं। उन्होंने वरिष्ठ नेता से संसद सदस्यों के प्रति अपनी अपमानजनक, बदनामीपूर्ण और अत्यधिक अपमानजनक टिप्पणियों को वापस लेने की अपील करते हुए, उनसे अपनी अंतरात्मा के प्रति जवाबदेह होने को कहा।

श्री धनखड़ ने चेतावनी देते हुए कहा, हमें सावधान रहना चाहिए, जब जानकार लोग जानबूझकर आपको गुमराह कर रहे हों। श्री धनखड़ ने कहा, इस संसद ने एक महान काम किया है। इसने तीन ऐसे कानून बनाकर हमें औपनिवेशिक विरासत से मुक्त किया है जो युगांतकारी हैं।

दंड विधान से हम न्याय विधान तक पहुँच गए हैं। उन्होंने कहा कि सदन में इन तीन कानूनों पर बहस के दौरान प्रत्येक सांसद को योगदान देने का अवसर मिला था। श्री धनखड़ ने दुख जताते हुए कहा, यह माननीय सज्जन, संसद के एक प्रतिष्ठित सदस्य हैं, जिनका वित्त मंत्री के रूप में एक व्यापक अनुभव है। लेकिन भारी मन से, मैं आपके साथ साझा कर रहा हूं, उन्होंने अपनी शक्ति का उपयोग नहीं किया, उन्होंने बहस के दौरान एक तरह से आराम किया। उप राष्ट्रपति ने कहा कि संसद में तीन कानूनों पर बहस के दौरान अन्य कानूनी दिग्गजों की भागीदारी रही। श्री धनखड़ ने कहा कि ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए जो जानबूझकर देश को बदनाम करने, संस्थाओं को नीचा दिखाने और प्रगति को कलंकित करने की कोशिश कर रहे हैं।

आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक प्रहार की तैयारी

श्रीनगर, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ दिन पहले ही संसद में यह बात कही थी। पीएम मोदी की इसी बात को भारतीय सेना सच साबित करने जा रही है। इसके लिए सेना ने आतंकियों के सफाए के लिए खतरनाक प्लान तैयार किए हैं। इसके तहत सुरक्षा बलों और जांच एजेंसियों ने कई स्तरों की रणनीति को तैयार किया है।

भारतीय सेना ने घुसपैठ रोकने के लिए एक ठोस ब्लूप्रिंट तैयार किया है। इसके तहत सेना लोकल ह्यूमन इंटेलिजेंस को मजबूत करने के लिए सीमावर्ती इलाकों में युवाओं की टीम बनाकर उन्हें भी सुरक्षाबलों से जोड़ रही है। स्पेशल तकनीकी टीम ह्यूमन इंटेलिजेंस टीम से मिले लोकल इनपुट्स का त्वरित विश्लेषण करेगी और उसे सेना से साझा करेगी। सीआरपीएफ को भी कई इलाकों में मॉडर्न वेपन के साथ तैनात किया जाएगा। यह टीम पूरी तरह से एंटी टेरर ऑपरेशन में ट्रेंड होगी। इसको लेकर एक अधिकारी ने एक बयान में कहा कि सेना का मुख्य फोकस समयबद्ध तरीके से आतंक का गढ़ खत्म करने पर होगा। इसके साथ ही आतंक को नए क्षेत्रों में फैलने से रोकना है।

सेना ने कहा है कि कश्मीर घाटी में इस वक्त 135 आतंकी मॉड्यूल एक्टिव हैं, जिसमें से एक सौ दस पाकिस्तानी हैं। पाकिस्तान घाटी में एक नया क्रिएटल बनाए रख रहा है। इन आतंकी मॉड्यूल को सुरक्षा बल लगातार खत्म करने की कोशिशों में लगे हुए हैं। पिछले कुछ सालों में सेना ने अपने घुसपैठ रोधी तंत्र को बेहद मजबूत बनाया है। बताया जाता है कि इन घुसपैठों को रोकने के लिए भारतीय सेना ने अग्रिम मोर्चे पर बड़ी तैनाती की है।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामला

सांसद निशिकांत दुबे एक मामले में बरी व एक अन्य मामले में मिली जमानत

दुमका, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

झारखंड में दुमका के अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी- सह-सांसद- विधायक की विशेष अदालत में लोकसभा चुनाव 2019 में चुनाव प्रचार के दौरान अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन से संबंधित दो अलग-अलग मामले में शनिवार को गोड्डा के सांसद निशिकांत दूबे पेश हुए।

इसमें से गोड्डा में लोकसभा चुनाव के दौरान अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर आदर्श आचार संहिता उलंघन करने से संबंधित एक मामले में न्यायालय ने पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में उन्हें बरी करने का फैसला सुनाया। जबकि आदर्श आचार संहिता उलंघन से संबंधित देवघर जिले के कुंडा थाना में दर्ज एक अन्य मामले न्यायालय ने उनकी जमानत की अर्जी को मंजूर करने के साथ पांच- पांच हजार के दो निजी मुचलके पर जमानत पर उन्हें रिहा कर दिया। दुमका के अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी सह सांसद-विधायक कोर्ट के विशेष न्यायाधीश मोहित चौधरी की अदालत में शनिवार को आदर्श आचार संहिता उलंघन से संबंधित गोड्डा नगर थाना में दर्ज कांड संख्या 96/2019 (जी.आर.केश नम्बर 112/2022)में शनिवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई हुई।

न्यायालय ने दोनों पक्षों की ओर से बहस सुनने के बाद गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दूबे को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में आरोप मुक्त कर बरी करने का फैसला सुनाया। गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे की ओर से अधिवक्ता मनोज कुमार साह और सरकार की ओर से सहायक लोक अभियोजक ने बहस में हिस्सा लिया। बचाव पक्ष के अधिवक्ता से मिली जानकारी के मुताबिक वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान दिलीप कुमार साह नाम के एक व्यक्ति द्वारा आदर्श आचार संहिता उलंघन से संबंधित गोड्डा के निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष दाखिल परिवाद पत्र के आलोक में गोड्डा के अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार शुक्ला के लिखित आवेदन पर 17 अप्रैल 2019 गोड्डा नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। भादवि की धारा 171(जी), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 123(3) और 125 के तहत गोड्डा के भाजपा प्रत्याशी सांसद निशिकांत दूबे को नामजद आरोपी बनाया गया था।

दर्ज प्राथमिकी में गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दूबे पर 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान अपने फेसबुक बाल पर महागठबंधन के प्रत्याशी सह पोड़ैयाहाट के विधायक प्रदीप यादव एवं कांग्रेस के नेताओं के विरुद्ध अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल कर आदर्श आचार संहिता उलंघन करने का आरोप लगाया गया था। वहीं गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दूबे की ओर से देवघर जिले के कुंडा थाना कांड संख्या 89/2019 से संबंधित एक अन्य मामले में आज विशेष न्यायालय में आत्मसमर्पण सह जमानत की अर्जी दाखिल किए गये। सांसद की ओर से अधिवक्ता मनोज कुमार साह और सरकार की ओर से सहायक लोक अभियोजक ने बहस में हिस्सा लिया। न्यायालय ने दोनों पक्षों की ओर से बहस सुनने के बाद जमानत की अर्जी को मंजूर करने के साथ इस मामले में सांसद निशिकांत दूबे को पांच -पांच हजार के दो निजी मुचलके पर जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए। बचाव पक्ष के अधिवक्ता से मिली जानकारी के मुताबिक 2019 में लोकसभा चुनाव के क्रम में 15 मई 2019 को देवघर के कुंडा हवाई अड्डे पर आयोजित प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दौरान अप्रासंगिक, अमर्यादित भाषा और भड़काऊ भाषा का प्रयोग किये जाने को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गयी थी।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर तैनात अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह के लिखित आवेदन पर 17 मई 2019 को भादवि की धारा 171(ई),504 के साथ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 (3 ए) और 125 के तहत कुंडा थाना में कांड संख्या 89/2019 दर्ज किया गया है। इसमें गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दूबे को नामजद आरोपी बनाया गया है।

लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में हिंदुओं पर हमले बढ़े

मुंबई, 06 जुलाई (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र राज्य में हिंदुओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं में भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है, खास कर लोकसभा चुनाव के बाद। महाराष्ट्र में कांग्रेस-एनसीपी (शरद पवार) और शिवसेना (यूबीटी) ने लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीती हैं, जिसके बाद से महाराष्ट्र में इस्लामिक कट्टरपंथी बेखौफ हो गए हैं। इसी का परिणाम है कि राज्य भर में हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं और नेताओं पर अकारण हमले किए जा रहे हैं। बीते एक सप्ताह में ही महाराष्ट्र में 8-9 घटनाएं हुई हैं, जिसमें इस्लामिक कट्टरपंथियों ने हिंदुओं पर हमले किए।

महाराष्ट्र के पुणे में बीते सप्ताह बड़ी घटना सामने आई। पुणे के लोहिया नगर इलाके में अक्षय धवरे नाम के हिंदूवादी कार्यकर्ता पर अतुल खान, सलमान शेख, सुल्तान शेख, असलम पटेल, आसिफ शेख और अन्य 4 लोगों ने हमला कर दिया। अक्षय हिंदूवादी और दलित कार्यकर्ता हैं। उन पर हमला इसलिए किया गया, क्योंकि वो इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा दलितों के उत्पीड़न के खिलाफ बोलते थे। इस मामले में दर्ज हुई एफआईआर की कॉपी के पास मौजूद है। इस मामले में खड़क पुलिस स्टेशन ने भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 307, 324, 323, 143, 147, 148, आर्म्स एक्ट, 1959 की धारा 4 और 25, महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, 1951 की धारा 37 (1), 135 और एससी/एसटी एक्ट, 1989 की धारा 3 (1) (2) और 3 (1) (10) के तहत मामला दर्ज किया है।

हमलावरों ने अक्षय से कहा कि वो दलितों के लिए ज्यादा ही भगवान बनता है। उस पर दो बार हमला हुआ, लेकिन वो बच गया। लेकिन इस बार नहीं बचेगा। इस्लामिक कट्टरपंथियों ने अक्षय पर तलवार से हमला किया। जिसमें उसके सिर और पीठ पर गंभीर चोटें आईं। इस दौरान उन्होंने कहा, हम यहां के बाप हैं। हमारे खिलाफ अगर कोई बोलेगा तो हम उसे जिंदा नहीं छोड़ेंगे।

पुणे के लोहिया नगर इलाके में 27 जून को ऐसी ही घटना हुई, जिसमें हिंदू दलित नेता रोहित थोराट पर अफरीदी शेख, सादिक सज्जा, इजाज शेख और चार अन्य साथियों के एक समूह ने हमला किया। थोराट पर किया गया हमला दलित समुदाय को बेहतर बनाने के उनके प्रयासों पर हमला एक टारगेटेड अटैक जाहिर होता है। थोराट अपने समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों और अन्याय के बारे में मुखर रहे हैं, जिसकी वजह से वो कट्टरपंथियों के निशाने पर आ चुके हैं।

थोराट पर हमले के मामले की एफआईआर कॉपी के पास मौजूद है। एफआईआर की कॉपी के अनुसार, पुणे के गंगाधा इलाके में जब पीड़ित अपने रिश्तेदार के घर से घर लौट रहा था, तब आरोपियों ने उसे रोका और उसके साथ मारपीट की। आरोपियों ने पीड़ित की बाइक पर ऑटो रिक्शा चढ़ा दिया और उसे धमकाना शुरू कर दिया। इसके बाद उन्होंने पीड़ित पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 307, 504, 341, 506, 34, महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37(1), 135 और एससी/एसटी अधिनियम, 1989 की धारा 3 (1) (आर), 3 (1) (एस), 3 (2), 3 (वी), 3 (2) (वीए) और 6 के तहत मामला दर्ज किया है।

इसी कड़ी में पुणे जिले के लोहिया नगर इलाके में एक हिंदू कार्यकर्ता पर तीसरा भयानक हमला हुआ। 3 जुलाई 2024 को मातंग में हिंदू दलित युवक आदर्श भारत हनुवते पर हमला किया गया, इस घटना को लीगल राइट्स ऑब्जर्वेटरी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। ऑब्जर्वेटरी ने पुणे सिटी पुलिस पर हिंदुओं को प्रताड़ित करने और अपराधियों को बचाने के लिए अपराध को छिपाने का आरोप लगाया। पुणे और मुंबई के अलावा राज्य के अन्य हिस्सों जैसे नांदेड़, सभाजीनगर और ठाणे में भी हमले हुए।

अभी कुछ दिन पहले 29 जून को महाराष्ट्र के नांदेड़ क्षेत्र के श्रीनगर इलाके में भारत की टी20 विश्व कप जीत का जश्न मनाने के बाद 20-25 मुस्लिम युवकों ने 4 हिंदू छात्रों पर हमला कर दिया।

आरोपी हमलावर चारों पीड़ितों के किराए के अपार्टमेंट में घुस गए और उन पर लाठी और लोहे की रॉड से हमला किया। विकास माडवी, रावसाहेब नरवड़े, बालाजी पोरमद और कपिल पाटिल के रूप में पहचाने गए पीड़ितों को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पूरी घटना सीसीटीवी फुटेज में रिकॉर्ड हो गई जिसमें आरोपियों को पीड़ितों के अपार्टमेंट में घुसते हुए देखा जा सकता है। अपार्टमेंट के मालिक ने घटना की पुष्टि की और कहा कि सभी आरोपी मुस्लिम समुदाय के हैं।

बीती 27 तारीख को ठाणे पुलिस ने शहजाद शेख नामक एक व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354 डी और 452 के तहत एक एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें उसने एक हिंदू महिला से छेड़छाड़ की और उसे अपना मुंह बंद रखने के लिए मजबूर किया। यह घटना पिछले सप्ताह ठाणे के हजूरी दरगाह क्षेत्र में हुई थी, जो मुस्लिम बहुल क्षेत्र है। आरोपी ने इलाके में रहने वाली एक हिंदू महिला से छेड़छाड़ की। बाद में सकल हिंदू समाज के अनुसार जब महिला पास के एक मंदिर में शरण लेने गई, तो लगभग 100-150 मुस्लिम जूते पहनकर मंदिर में घुस गए और महिला को पुलिस में शिकायत दर्ज न करने की धमकी दी। इससे पहले, हिंदू समुदाय ने आरोप लगाया था कि पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज करने से मना कर दिया था, लेकिन बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में एक पार्षद आरोपियों की मदद कर रहा था।

बुधवार (26 जून) को महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी शहर में एक मदरसे के परिसर में 11 वर्षीय लड़के के साथ दुराचार करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी की पहचान नसीरुल्लाह के रूप में हुई है। यह घटना उस समय हुई जब पीड़ित मदरसे में पढ़ रहा था। नसीरुल्लाह ने नाबालिग लड़के का यौन उत्पीड़न किया और अप्राकृतिक यौन संबंध बनाए। आरोपी पर बाल यौन अपराध रोकथाम (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने अब नसीरुल्लाह को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

पुणे में ईद के बकरे द्वारा बच्चे को मारने पर हुए विवाद के बाद मोंटी सैयद, जमीर और अन्य लोगों ने हिंदू परिवार पर हमला कर दिया। इस साल 17 जून को पुणे के यरवदा इलाके में रहने वाले एक हिंदू परिवार पर एक बड़ी मुस्लिम भीड़ ने बेरहमी से हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

किसी भी दशा में बख्शे न जाएं जमीन कब्जाने वाले : मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

गोरखपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भूमाफिया और कमजोरों को उजाड़ने वाले दबंग किसी भी दशा में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का अनुसरण करते हुए कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सरकार का संकल्प है कि किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जमीन कब्जा करने के मामलों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

सीएम योगी शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। बारिश के कारण मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके, इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 400 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा

दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सबको न्याय मिलेगा और सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में दूसरे जिलों के भी लोग आए थे। सीएम से मिलकर समस्या बताने वालों में महिलाओं की संख्या पुरुषों की अपेक्षा काफी अधिक रही।

जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने भूमाफिया और दबंगों द्वारा जमीन कब्जा करने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमाफिया को करारा सबक सिखाया जाएगा। उनके रहते कोई भी किसी कमजोर या गरीब को उजाड़ नहीं पाएगा। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जबरन जमीन कब्जा करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई करें। सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग, माफिया, अपराधी किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। सीएम ने अफसरों से कहा कि वे हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनवाएं ताकि इलाज के लिए उन्हें परेशान न होना पड़े।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को दो टूक हिदायत देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी। हर व्यक्ति की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी पूरी संवेदनशीलता से लोगों की समस्याओं को सुनें और गुणवत्तापूर्ण, त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

इस दौरान पुलिस व राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। कड़े तेवर में उन्होंने कहा कि संवेदनहीन और लापरवाह अधिकारियों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हाथरस हादसे का मुख्य आरोपी समेत दो अन्य गिरफ्तार

खास राजनीतिक दल का फंड मैनेजर था मुख्य आरोपी

हाथरस, 06 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस में सिकंदराराऊ थारा अंतर्गत ग्राम फुलरई-मुगलगढ़ी हादसे में कार्यक्रम का मुख्य आयोजक, मुख्य आरोपी और एक लाख के इनामी देवप्रकाश मधुकर व दो अन्य अभियुक्त राम प्रकाश शाक्य व संजू यादव को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में अभियुक्त देव प्रकाश मधुकर की इस घटना में दो भूमिकाएं नजर आई हैं, एक मुख्य आयोजक और दूसरा फंड रेजर की।

एसपी निपुण अग्रवाल ने बताया कि 2 जुलाई को भोले बाबा के सत्संग उपरान्त भगदड़ मचने से 121 लोगों की मृत्यु हुई। थाना सिकन्द्राराऊ पर मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर व अन्य व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा-105/110/126(2)/223/238 में अभियोग पंजीकृत किया गया।

मामले में पहले ही छह अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। मुख्य अभियुक्त देव प्रकाश मधुकर पर एक लाख का इनाम घोषित किया गया। देव प्रकाश मधुकर को हाथरस की एसओजी ने 5 जुलाई को देर शाम दिल्ली के नजफगढ़ से गिरफ्तार किया।

थाना सिकन्द्राराऊ पुलिस ने आज 6 जुलाई को अभियुक्त राम प्रकाश शाक्य को कैलोरा चौराहा से तथा अभियुक्त संजू यादव को गोपालपुर कचौरी, सिकन्द्राराऊ से गिरफ्तार किया।

एसपी ने बताया कि पूछताछ पर देव प्रकाश मधुकर ने बताया कि वह एटा में वर्ष 2010 से मनरेगा में जूनियर इंजीनियर के पद पर संविदा पर कार्यरत है। वह इस संगठन से वर्षों से जुड़ा है। संगठन के कार्यक्रम आयोजित कराना तथा संगठन के लिये फंड इकट्ठा करने का काम करता है। वह ग्राम फुलरई में आयोजित सत्संग के कार्यक्रम का मुख्य आयोजक था तथा इस कार्यक्रम की अनुमति भी उसी ने ली थी। इस प्रकार देवप्रकाश मधुकर मुख्य आयोजक था और फंड रेजर भी था।

एसपी ने बताया कि देव प्रकार मधुकर तथा इसके निर्देशन में कार्य कर रहे सेवादारों और समिति के सदस्यों की सत्संग के पंडाल के आसपास बैरिकेडिंग, प्रवेश द्वार, निकास द्वार, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग व अन्य सुविधाओं की पूरी जिम्मेदारी थी। अभियुक्त देव प्रकाश एवं अन्य सेवादारों ने पुलिस प्रशासन को कार्यक्रम स्थल के अन्दर किसी भी तरह के हस्तक्षेप से रोका। वहां पर इनके सेवादार तरह-तरह की वेशभूषा में कमांडो के रूप में सारी व्यवस्था देख रहे थे। वहां पर किसी भी व्यक्ति को वीडियोग्राफी अथवा फोटोग्राफी करने से रोका जाता था। व्यवस्था को सही तरीके से नहीं किया गया एवं प्रशासन की अनुमति पत्र की अनेक शर्तों का उल्लंघन करते हुये यातायात व्यवस्था आदि को प्रभावित किया।

पूछताछ से यह भी स्पष्ट हुआ कि इनके द्वारा भीड़ को संभालने का कोई प्रयास नहीं किया गया। सभी मौके से फरार हो गये। छह सेवादारों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनके द्वारा अव्यवस्था की गयी, जिसके चलते यह घटना घटी और कई जानें चली गईं। पूछताछ में यह भी पता चला कि इनके और इनके सेवादारों द्वारा प्रवचन कर्ता की गाड़ी को भीड़ के बीच से निकाला गया, जबकि इनको इस तथ्य की जानकारी थी कि भीड़ से निकालने के समय चरणरज के लिये भगदड़ मचने से भयानक दुर्घटना हो सकती थी। गिरफ्तार सेवादार, आयोजकों को पुलिस कस्टडी रिमांड में लेकर पूछताछ करेगी।

पीपीपी मॉडल से आसान होगी वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी की राह : योगी

लखनऊ, 06 जुलाई (एजेंसियां)। देश की इकॉनमी का ग्रोथ इंजन बनने के लिए तत्पर उत्तर प्रदेश अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ रहा है। योगी सरकार ने 2027-28 तक प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी वाला राज्य बनाने का संकल्प लिया है और इस संकल्प को पूरा करने में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने जा रहा है। इसके तहत, प्रदेश की इकॉनमी को बूस्ट करने के लिए प्रदेश सरकार कई सेक्टर्स में पीप-ीपी मॉडल को प्रमोट कर रही है। इनमें 4 कोर सेक्टर्स के साथ-साथ वो सेक्टर्स भी शामिल हैं, जिनमें पीपीपी मॉडल को एक्सेप्ट करने और आगे बढ़ने की क्षमता है। इसके माध्यम से प्रदेश सरकार ने 2023-24 से 2027-28 तक 105 लाख करोड़ से 120 लाख करोड़ रुपए तक के निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया है।

2022-23 में उत्तर प्रदेश की इकॉनमी 279 बिलियन डॉलर थी, जिसे सीएम योगी ने अगले 5 वर्ष में एक ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रदेश सरकार त्वरित और समावेशी विकास पर जोर दे रही है। इकॉनमी को रफ्तार देने के लिए सेक्टोरल इंटरवेंशंस के साथ-साथ ग्रोथ को सपोर्ट करने के लिए सक्षम सेक्टर्स को भी प्रमोट किया जा रहा है। कोर सेक्टर्स में जहां एग्रीकल्चर, मैन्युफैक्चरिंग, टूरिज्म और आईटी एवं आईटीईएस शामिल हैं तो वहीं, सक्षम सेक्टर्स में एजुकेशन एंड स्किलिंग, एनर्जी, हेल्थ, इंफ्रास्ट्रक्चर और अर्बन डेवलपमेंट को रखा गया है। सरकार को उम्मीद है कि इस सेक्टर में निवेश के साथ ही ग्रोथ की भी काफी संभावनाएं हैं। इन सेक्टर्स में पीपीपी मॉडल प्राइवेट इनवेस्टमेंट को आकर्षित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

2027-28 तक प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए ओवरआल 1.3-1.5 ट्रिलियन डॉलर यानी 105 से 120 लाख करोड़ रुपए के इनवेस्टमेंट की आवश्यकता है। इसमें पब्लिक इनवेस्टमेंट का शेयर 12 से 16 लाख करोड़ के बीच रह सकता है, जबकि प्राइवेट इनवेस्टमेंट 93 से 108 लाख करोड़ रुपए हो सकता है।

शिक्षा क्षेत्र में किया गया कोई भी योगदान व्यर्थ नहीं जाता : योगी

सीएम योगी ने किया जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय का लोकार्पण

गोरखपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किया गया कोई भी योगदान व्यर्थ नहीं जाता है। बच्चों की पढ़ाई पर किया जाने वाला खर्च समाज और देश के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में अत्यंत उपयोगी होता है क्योंकि शिक्षा व्यक्ति, समाज और देश के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है। इसी ध्येय से यूपी के युवाओं को आगे बढने के अवसर प्रदान करने के लिए तमाम अभिनव कार्य हो रहे हैं। सरकार वर्तमान और भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

सीएम योगी शनिवार को सहजनवा के सिसवा अनंतपुर में जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय का लोकार्पण करने के बाद यहां आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में आज पहले जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय (आश्रम पद्धति) का शुभारंभ हो रहा है। बालकों के लिए इस जिले में आश्रम पद्धति के दो विद्यालय पहले से चल रहे हैं। समाज कल्याण विभाग ने बालिकाओं के लिए

भी सर्वोदय विद्यालयों की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया है। बालिकाओं की बेहतरीन शिक्षा के लिए सरकार हर ब्लॉक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को भी 12वीं कक्षा तक उच्चीकृत कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में बड़े पैमाने पर आश्रम पद्धति विद्यालय बन रहे हैं। समाज कल्याण विभाग जनजातीय क्षेत्रों में इसी तर्ज पर एकलव्य विद्यालय भी बना रहा है। सरकार ने तय किया है कि हर जिले में सीएम कंपोजिट विद्यालय और अभ्युदय विद्यालय भी तेजी से बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि निर्माण श्रमिकों के बच्चों और निराश्रित बच्चों के लिए हर मंडल में मुफ्त आवसीय व्यवस्था के तहत अटल आवासीय विद्यालय खोले गए हैं जहां बच्चों की 12वीं तक की पढ़ाई के लिए सारी व्यवस्था की गई है।

सीएम योगी ने कहा कि बच्चों को 12वीं तक की पढ़ाई के बाद मेडिकल, इंजीनियरिंग, यूपीएससी, सेना, बैंक पीओ आदि की तैयारी के लिए अभ्युदय कोचिंग सेंटर भी खोले गए हैं। यहां बेहतरीन फैकल्टी के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं को पास कर अधिकारी बने लोग भी बच्चों का मार्गदर्शन करते हैं। अभ्युदय कोचिंग की सुविधा फिजिकली और वर्चुअली, दोनों तरीके से उपलब्ध हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वोदय बालिका विद्यालय में अलग अलग जगहों से आई बच्चियां प्रतियोगिता से आई हैं। उनमें जज्बा है, आगे बढ़ने की ललक है।

ये बच्चियां अपना करियर तो बनाएंगी ही, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगी। सीएम ने विद्यालय के प्रधानाचार्य और अधीक्षक से अपील की कि वे बालिकाओं की पढ़ाई, दिनचर्या को व्यवस्थित कराने के साथ उन्हें कौशल विकास, खेल और सामाजिक जागरूकता के कार्यों से भी जोड़ें। अगर किसी बालिका में कुछ खास हुनर है तो उसे उचित प्लेटफार्म प्रदान करें। उन्होंने विद्यालय परिसर, इसके ऑडिटोरियम और उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की और कहा कि यह विद्यालय पूर्वांचल की बालिकाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा।

सर्वोदय बालिका विद्यालय के लोकार्पण अवसर पर समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अगली पीढ़ी को ताकत देने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहते हैं। बेटियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए उनके मार्गदर्शन में अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आश्रम पद्धति के सर्वोदय विद्यालयों में अभ्युदय कोचिंग की सुविधा भी दी जा रही है। समाज कल्याण मंत्री ने बताया कि इस साल पांच और सर्वोदय विद्यालय शुरू हो रहे हैं और अगले साल ऐसे सात विद्यालय प्रारंभ हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग की तरफ से आने वाले कुछ सालों में सर्वोदय और एकलव्य विद्यालयों को मिलाकर सवा सौ स्कूल शुरू हो जाएंगे।

स्वागत संबोधन सहजनवा के विधायक प्रदीप शुक्ल ने किया। इस अवसर पर बालिकाओं की तरफ से मुख्यमंत्री और अन्य मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव गौड़, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, राजेश त्रिपाठी, समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव डॉ.. हरिओम, भाजपा जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, मदन मुरारी गुप्ता, रामपाल सिंह, नरेंद्र शुक्ल, प्रमोद राय आदि भी उपस्थित रहे।

नए दौर के अनुरूप चलाने होंगे तकनीकी पाठ्यक्रम : सीएम योगी

राजकीय पॉलिटेक्निक के आवासीय/अनावसीय भवनों का उद्घाटन

गोरखपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का समय तकनीकी का समय है। समय के अनुरूप ही हमें उन्नत तकनीकी को लेकर आगे बढ़ना होगा। इसके लिए युवाओं को नए दौर के तकनीकी पाठ्यक्रमों (न्यू एज कोर्सेज) की शिक्षा प्रदान करनी होगी ताकि हमारे युवा किसी भी तरह समय से पीछे न हो सकें। सीएम योगी शनिवार को सहजनवा के हरदी में राजकीय पॉलिटेक्निक के आवासीय/अनावसीय भवनों का उद्घाटन करने के बाद यहां आयोजित समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इन भवनों के निर्माण पर 21.02 करोड़ रुपए की लागत आई है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कुछ युवा विभिन्न

ऑनलाइन फर्जी कंपनियों की लालच में फंसकर अपना धन और समय दोनो बेकार कर देते हैं। आज दुनिया में साइबर सिक्योरिटी भी एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। साइबर सिक्योरिटी के लिए भी डिग्री या डिप्लोमा कार्यक्रम चललाकर प्रशिक्षित युवाओं को तैयार किया जा सकता है। साइबर सिक्योरिटी में प्रशिक्षित युवा साइबर से संबंधित विभिन्न मुद्दों में अपना योगदान दे सकते हैं और रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि हमारा युवा आज की नई तकनीकी जैसे इंटरनेट ऑफ थिंग्स, डाटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि की शिक्षा से वंचित न हो। इसके हमें स्थानीय स्तर पर ही इस कार्य को आगे बढ़ाना होगा। रोजगार प्राप्त युवा अपनी समृद्धि के साथ गोरखपुर, प्रदेश और देश के विकास में भी बड़ा योगदान देगा।

सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में सुरक्षा के चाक-चौबंद व्यवस्था के कारण बेहतरीन औद्योगिक वातावरण का विकास हुआ है। प्रशिक्षित कार्यबल के लिए लगातार कार्य किये जा रहे हैं। युवाओं को स्किल्ड बनाने के लिए कई डिग्री और डिप्लोमा के कोर्स चलाए जा रहे हैं। आज उत्तर प्रदेश में तीन तकनीकी विश्वविद्यालय हैं जिसमे एक जिसमे एक लखनऊ में, दूसरा कानपुर में तथा तीसरा गोरखपुर में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है। प्रदेश में विभिन्न राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, सैकड़ों पॉलिटेक्निक और आईटीआई कॉलेज के साथ निजी इंजीनियरिंग कॉलेज तकनीकी शिक्षा को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदेश सरकार का व्यावसायिक शिक्षा विभाग कई प्रकार न्यू एज कोर्स का संचालन कर रहा है ताकि प्रदेश के युवाओं को दक्ष बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर में आज तमाम विकास कार्य चल रहे हैं। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगातार विकास एवं जनकल्याण का कार्य किया जा रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे भी बनकर तैयार हो चुका है। गीडा में लगातार नए-नए उद्योग लग रहे हैं। उन्होंने सहजनवा के गीडा के संबंध में कहा कि जिस क्षेत्र में पहले स्लॉटर हाउस बनाया जा रहा था आज वहां नए-नए उद्योग लग रहे हैं। गीडा क्षेत्र में पेप्सिको ने भी अपना प्लांट लगाया है जिसका उद्घाटन कार्य शीघ्र ही किया जाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि आज सहजनवा क्षेत्र को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक नई सौगात प्राप्त हुई है। शासन का पूरा प्रयास है कि इसी सत्र में शिक्षा का प्रारंभ हो सके, किंतु यदि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से मान्यता मिलने की प्रक्रिया में विलंब होता है तो अगले सत्र से यहां सुचारू रूप से पठन पाठन का कार्य प्रारंभ हो जाएगा। यह पॉलिटेक्निक सहजनवा क्षेत्र के विकास में बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। उन्होंने कहा कि आज सहजनवा क्षेत्र में गीडा का लगातार विस्तार हो रहा है। यहां नित नए उद्योग लग रहे हैं। इन उद्योगों से लगातार नए-नए रोजगार सृजित हो रहे हैं। इतने सारे उद्योग लगने से इस पॉलिटेक्निक का डिप्लोमाधारक छात्र अपनी शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात स्थानीय स्तर पर ही रोजगार प्राप्त कर लेगा। यहां के उद्योग की मांग की अनुसार ही यहां से शिक्षा प्राप्त कर इस क्षेत्र का युवा रोजगार कर सकेगा।

हाथरस हादसा: न्यायिक जांच आयोग ने घटना स्थल का जायजा लिया

हाथरस, 06 जुलाई (एजेंसियां)। एसआईटी के बाद अब न्यायिक जांच आयोग की टीम हाथरस हादसे की जांच करने पुलिस लाइन पहुंच गई है। टीम ने पहुंचते ही पुलिस-प्रशासनिक व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। उसके बाद आयोग की टीम फुलरई मुगलगढ़ी में घटना स्थल पर पहुंची। ट

ीम ने सिकंदराराऊ ट्रामा सेंटर को भी देखा।

2 जुलाई को हाथरस जनपद में सिकंदराराऊ के फुलरई-मुगलगढ़ी में साकार हरि बाबा के सत्संग उपरांत हुए हादसे की जांच के लिए न्यायिक जांच आयोग की टीम 12 बजे के लगभग हाथरस की पुलिस लाइन पहुंची। न्यायिक जांच आयोग की टीम में इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड न्यायाधीश बृजेश कुमार श्रीवास्तव, पूर्व आईएएस हेमंत राव और पूर्व आईपीएस भवेश कुमार सिंह हैं। पुलिस लाइन पहुंचते ही आयोग की टीम ने पुलिस-प्रशासनिक व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में हाथरस डीएम, एसपी, सीएमओ, एडीएम, एसडीएम, एडीजी, एलआईयू आदि मौजूद रहे। वहां के बाद आयोग की टीम दोपहर 3:40 मिनट के लगभग घटना स्थल फुलरई मुगलगढ़ी पहुंची। पूरे घटना स्थल का निरीक्षण किया। सत्संग कार्यक्रम स्थल के सामने सड़क पार के खेत और उससे पहले गहराई को देखा।

रिटायर्ड न्यायाधीश बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पूरा स्पॉट देखा कि किधर से आए, किधर से गए। कितनी भीड़ रही होगी।

अभी कोई निष्कर्ष नहीं निकाल पाएंगे। वह तो दो महीने में जो फाइंडिंग आएगी। जांच में जिस-जिस को बुलाने की जरूरत होगी, उसे बुलाया जाएगा। घटना स्थल पर 40 मिनट रहने के बाद टीम सिकंदराराऊ के ट्रामा सेंटर पहुंची जहां वह 10 मिनट रूकी। उसके बाद टीम हाथरस वापस लौट गई। शाम छह बजे से आठ बजे के मध्य अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन, मंडलायुक्त अलीगढ़, पुलिस महानिरीक्षक अलीगढ़ सहित अन्य अफसरों से मुलाकात व अभिलेखों का अवलोकन करेंगे।

7 जुलाई को सुबह 9 बजे से दोपहर एक बजे तक जन सामान्य से मुलाकात की जाएगी।

मीडिया ने जब आयोग की टीम के अध्यक्ष से बाबा के बारे पूछा कि क्या बाबा को भी पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा, इस पर वह बोले कि अभी हमें नहीं पता क्या साक्ष्य आएंगे, जिससे भी जरूर होगी उससे भी मदद लेंगे। छोटे से लेकर बड़े अधिकारी, जिससे भी जरूरत होगी उससे पूछताछ करेंगे।

जिज्ञासा

त्वचा क्यों होती है गोरी या काली?

आपने अलग-अलग देशों में रहने वाले लोगों के रंग में अंतर देखा होगा। और तो और हमारे अपने देश में ही अलग-अलग रंगों के लोग रहते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि त्वचा का रंग आखिर भिन्न क्यों होता है ?

असल में मनुष्यों, प्राणियों व वनस्पती में विभिन्न प्रजातियों में अंतर उनके समय के साथ बदलते निवास के कारण पैदा हुआ है। वे स्थानीय वातावरण के अनुकूल रहन-सहन एवं भोजन आदि के कारण परिवर्तित होते गए। प्रमुख विभिन्ताओं में शारीरिक संरचना, बाल , त्वचा का रंग एवं चेहरे का आकार प्रमुख है। मानव जाति का विचरण पृथ्वी पर पर अन्य प्राणियों के मुकाबले ज्यादा विस्तृत है। किसी भी व्यक्ति की त्वचा का रंग उसके वातावरण के अनुकूलन को प्रदर्शित करता है। गहरी भूरी अथवा काली त्वचा उन जगह के लिए उपयुक्त है, जहां सूर्य के किरणों की तीव्रता अधिक होती है, क्योंकि इस तरह की त्वचा नुकसानदायक परा बैंगनी किरणों द्वारा कैंसर के खतरे को रोकती हैं। कम चमकीले क्षेत्रों में यह उपाय आवश्य्क नहीं है, बल्कि ऐसे स्थानों पर गहरी रंगत वाली त्वचा में विटामिन डी का निर्माण अवरुद्ध हो सकता है। इसलिय प्रारंभिक मनुष्यों के अफ्रीका से उत्तरी क्षेत्रों की और गमन के साथ ही उनके त्वचीय रंजक समाप्त होते गए एवं वे पीत वर्ण होते गए। ऊष्ण कटिबंधीय देशों में प्रकाश की अधिक्ता के बाद भी गहरी रंगत वाली त्वचा में विटामिन डी का निर्माण होता है। आज लोग जनसामान्य एक स्थान से दूसरे स्थान तक गमन करते रहते हैं एवं विभिन्न जातियों में विवाह के कारण यह विभेद अस्पष्ट होते जा रहे हैं।

चीन में बना दुनिया का सबसे लंबा पुल

बेहतरीन और बेजोड़ तकनीक की मिसाल बनते जा रहे चीन ने एक बार फिर अपने दृढ़ इरादों से सपनों को हकीकत में बदल दिया है। चीन ने यहां बने दुनिया के सबसे लंबे समुद्री पुल को जनता के लिए खोल दिया। चीन के किंगडाओ शहर में बना दुनिया का सबसे लंबा पुल यातायात के लिए खोल दिया गया है। आठ मार्गों वाले इस समुद्री पुल की लंबाई 42.4 किलोमीटर है। दुनिया के सबसे लंबे पुल को बनाने में तकरीबन 4 साल का वक्त लगा। चीन की सरकारी मीडिया के मुताबिक इसे बनाने में 10 अरब युआन (यानी 1.55 अरब डॉलर) खर्च हुए हैं। इस पुल को 5,200 खंभों पर खड़ा किया गया है।

पहला डाक टिकट

डाक टिकट जारी करने वाला दुनिया का सबसे पहला देश था- ग्रेट ब्रिटेन। 1 मई 1840 को ब्रिटेन में पहली डाक टिकट जारी की गई। इसके बाद दुनिया के अन्य देशों में भी डाक टिकटें शुरू हो गईं। ब्रिटेन दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जिसकी डाक टिकटों पर उसके देश का नाम अंकित नहीं होता। न्यूजीलैंड की पहली डाक टिकट भी ब्रिटेन में ही डिजाइन की गई थी और 1855 में जारी की गई थी। न्यूजीलैंड द्वारा डिजाइन पहली डाक टिकट 1873 में जारी हुई थी, इस पर भी क्वीन विक्टोरिया का ही चित्र था।

प्यारे बच्चो, जंगल की सैर करना अपने आप में बहुत अनोखा और रोचक अनुभव है। हमारे देश में जंगलों की सैर करने विदेशों से कई पर्यटक आते हैं। आइए अपने देश के जंगलों को जानें...

जंगल की सैर

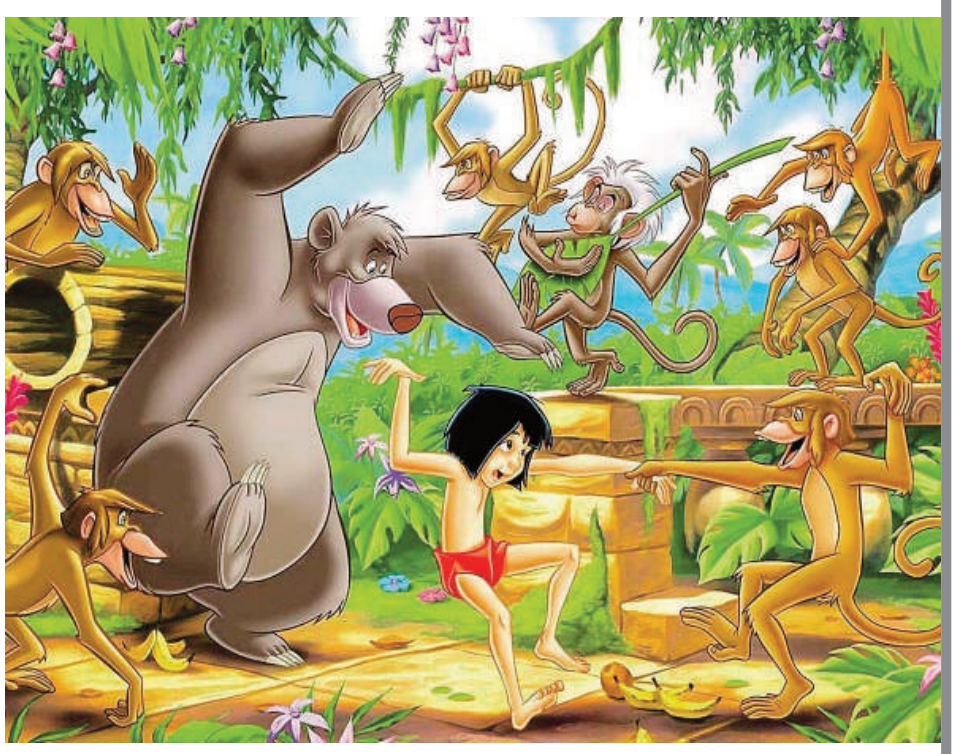

बच्चो, वृक्षों और वन्य प्राणियों से भरे जंगल के बारे में सोचना अपने आप में बहुत रोमांचक है। कल्पना करें, आप बहुत बड़े जंगल में वृक्षों और प्रकृतिक नजारों के बीच घिरे हैं, तो कितना मजा आए। भले ही ऐसे में जंगली जानवरों के हमले का डर रहता है, परंतु जंगल की सुरक्षात्मक तरीके से सैर करना अपने आप में बहुत रौचक है। आइए आज जंगल और वन्य प्राणियों के बारे में कुछ बातें करें।

वन्य जीवन प्रकृति की अमूल्य देन है। भविष्य में वन्य प्राणियों की समाप्ति की आशंका के कारण भारत में सर्वप्रथम 7 जुलाई, 1955 को वन्य प्राणी दिवस मनाया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष दो अक्तूबर से पूरा हफ्ता वन्य प्राणी सप्ताह मनाया जाएगा। वर्ष 1956 से वन्य प्राणी सप्ताह मनाया जा रहा है। भारत के संरक्षण कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचे की रचना की गई है।

जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, बोटैनिकल सर्वे आफ इंडिया जैसी प्रमुख संस्थाओं तथा भारतीय वन्य जीवन संस्थान, भारतीय वन्य अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी तथा सलीम अली स्कूल ऑफ आरिन्थोलॉजी जैसे संस्थान वन्य जीवन संबंधी शिक्षा और अनुसंधान कार्य में लगे हैं। भारत कई प्रकार के जंगलों, जीवों का, अनेक पेड़ पौधों और पशु-पक्षियों का घर है। शानदार हाथी, मोर का नाच, ऊंट की सैर, शेरों की दहाड़ सभी अनोखे अनुभव हैं। यहां के पशु पक्षियों को अपने प्राकृतिक निवासस्थान में देखना आनन्दायक है। भारत में जंगली जीवों को देखने के लिए कई देशों से पर्यटक आते हैं। यहां जंगली जीवों की बहुत बड़ी संख्या है। भारत में 70 से अधिक राष्ट्रीय उद्यान और 400 जंगली जीवों के अभयारण्य है और पक्षी अभयारण्य भी हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जंगल स्वर्ग है परन्तु अब यहां के कुछ जीव जैसे चीते, शेर, हाथी, बंगाल के शेर और साइबेरियन सारस अब खतरे में हैं। भारत की लम्बाई और चौडाई में फैला यह जंगली क्षेत्र रणथम्भोर राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान से हजारी बाघ जंगली जीव अभयारण्य, बिहार से, हिमालय के जिम कोर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, अन्डमान के छह राष्ट्रीय उद्यानों तक एक शानदार जंगल की सैर कर सकते हैं। हाथी, चीते, जंगली भैंसा, याक, हिरन, जंगली गधे एक सींग वाला गैंड़ा, साही, हिम चीते आदि जंतु हिमालय में देखने को मिलते हैं। भारत में विश्व के अस्सी प्रतिशत एक सींग वाले गैंड़ों का निवास है। काजीरंगा खेल अभयारण्य गैंड़ों के लिए उपयुक्त निवास है और प्राकृतिक संस्थाओं के लिए और जंगली सैर करने वालों के लिए भी

- संसार में पौधों की 2,50,000 ज्ञात प्रजातियों में से 15,000 प्रजातियां भारत में मिलती हैं।
- संसार में जीव-जन्तुओं की कुल 15 लाख प्रजातियों में से 75,000 प्रजातियां भारत में पाई जाती हैं।
- भारत में पक्षियों की 1,200 प्रजातियां और 900 उपप्रजातियां पाई जाती हैं।
- भारत के सुविख्यात पक्षियों में बहुरंगी राष्ट्रीय पक्षी मोर उल्लेखनीय है।
- पांच फुट की ऊंचाई वाला भव्य सारस तथा संसार का दूसरा सबसे भारी पक्षी हुकना (सोहनचिड़िया) महत्वपूर्ण पक्षी है।
- संसार में प्रसिद्ध केवलादेव (भरतपुर) के राष्ट्रीय उद्यान में ढाई लाख पक्षियों का घर है।

अच्छी जगह है। भारत के सोन चिड़िया और ब्लैक बक, करेश अभयारण्य में होते हैं। माधव राष्ट्रीय उद्यान में, जो शिवपुरी राष्ट्रीय उद्यान कहलाता था, जीवों का एक निवास है। कोर्बोट राष्ट्रीय उद्यान सबसे प्रसिद्ध है। उत्तर भारत में जंगली जानवरों के पर्यटकों के लिए अच्छी जगह है। ऐसे अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान, भारत में काफी संख्या में हैं। भारत में शेरों (बाघ) की संख्या बहुत थी। भारत का राष्ट्रीय पशु, शेर, तेजी और ताकत का चिन्ह है। भारत में बारह बाघ निवास है। शाही बंगाल के बाघ, सबसे शानदार जाति के पशुओं में से हैं। विश्व के साठ प्रतिशत शेरों की संख्या भारत में रही है। मध्य प्रदेश, शेरों के निवास की सबसे प्रसिद्ध जगह है। जंगली जीवों के साथ-साथ हमारे देश में पक्षियों की भी संख्या अच्छी है।

किस्से

तेनालीराम ने ढूंढा रानी की उबासी का हल

एक दिन तेनाली राम को संदेश मिला कि रानी तिरुमलादेवी बड़ी मुसीबत में हैं और उनसे मिलना चाहती है। वह रानी के पास पहुंचा। उसे पता चला कि एक दिन राजा कृष्णदेव राय रानी को अपना लिखा नाटक सुना रहे थे कि रानी को उबासी आ गई। राजा ऐसे नाराज हुए कि उसी समय उठकर चले गए और तब से कई दिन हो गए हैं, इस ओर नहीं आए। रानी ने कहा, 'इसमें मेरा कोई दोष नहीं था। मैंने क्षमा मांगी, पर कोई असर नहीं हुआ। तेनाली राम तुम्हीं अब इस समस्या को सुलझा सकते हो।'

'आप चिन्ता न करें, महारानी, मैं अपनी ओर से पूरा प्रयत्न करूंगा।' तेनाली राम ने रानी को ढांढस बंधाया।

वहां से तेनाली राम दरबार पहुंचा। राजा अपनी राज्य के किसी क्षेत्र में चावल की स्थिति पर अपने मंत्रियों से सलाह कर रहे थे। 'चावल की उपज बढ़ाना बहुत आवश्यक है। राजा ने कहा, 'हमने अब तक बहुत प्रयत्न किए हैं। इस से लाभ हुआ है, लेकिन अभी समस्या पूरी तरह नहीं सुलझी है।

'महाराज!' तेनाली राम ने चावल के नमूने का एक बीज राजा को दिखाते हुए कहा-'अगर यह बीज बोया जाए, तो उपज इस साल की उपज से तिगुनी होगी।' यह तो बहुत अच्छा होगा, लेकिन इसके लिए शायद विशेष तरह की भूमि और खाद की आवश्यकता होगी। राजा ने कहा। नहीं, महाराज, इसके लिए केवल इतना आवश्यक है कि इसे बोने, सींचने और काटने वाला व्यक्ति ऐसा हो, जिसे न कभी उबासी आई हो और न कभी आएगी।' तेनाली राम बोला।

'तुम्हारे जैसा मूर्ख मैंने कभी नहीं देखा, 'राजा ने कहा, 'क्या संसार में ऐसा कोई व्यक्ति है, जिसे कभी उबासी न आई हो?' मैं तो भूल ही गया था। सचमुच मैं बहुत मूर्ख हूं।' तेनाली राम बोला, 'अच्छा हुआ कि महाराज को यह बात याद आ गई। मैं अभी जाकर महारानी तिरुमलादेवी को अपनी इस मूर्खता के बारे में बताता हूं।' नहीं, नहीं, मैं स्वयं जाकर उन्हें बता दूंगा। राजा ने कहा। दरबार में हंसी का फव्वारा छूट पड़ा। दरबार के बाद महाराज रानी के महल में गए। दोनों में सुलह हो गई। राजा ने तेनालीराम को सोने की एक थैली भेंट की, रानी ने भी तेनालीराम को बहुमूल्य उपहार दिए।

रास्ता ढूंढो

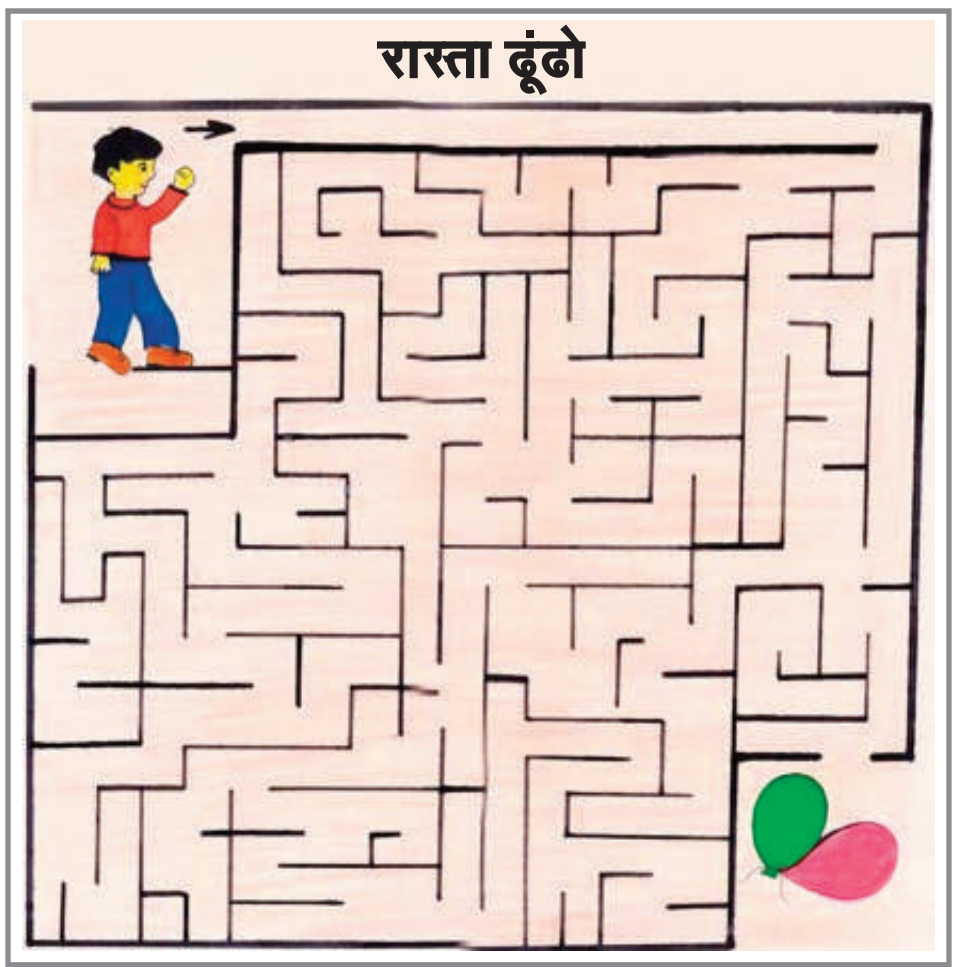

लोक-कथा

घोड़े ने जताई और सुंदर बनने की चाह

एक समय की बात है। भगवान के पास एक घोड़ा था जो बहुत ही हष्ट-पुष्ट और सुंदर था। वह भगवान का चहेता भी था। इसके बावजूद भी घोड़ा संतुष्ट नहीं था। वह और सुंदर बनना चाहता था।

एक दिन घोड़े ने भगवान से कहा- हे प्रभु! आपने मुझे बहुत सुंदर बनाया, अपना स्नेह दिया। लेकिन अब मेरी इच्छा है कि आप मुझे और सुंदर बना दें। तो मैं आपका और आभार मानूंगा। भगवान ने जवाब दिया- मैं तुम्हें और सुंदर बनाने को तैयार हूं। बताओ तुम क्या बदलाव चाहते हो अपने में।

घोड़े ने कहा कि मेरा शरीर पूरी तरह से संतुलित नहीं है। मेरी गरदन बहुत छोटी है। हो सके तो मेरी गरदन को थोड़ा लम्बा कर दें। ताकि मेरे शरीर का ऊपरी हिस्सा सुंदर बन जाएं। इसके साथ ही पैरों को थोड़ा और लम्बा व पतला बना दें ताकि शरीर का निचला हिस्सा भी सुंदर बन जाए। भगवान ने कहा तथास्तु!

अचानक घोड़ा ऊंट जैसा दिखने लगा। यह देखकर घोड़ा चौंक गया और रोने लगा-हे भगवान मैं तो और सुंदर बनना चाहता था ये आपने क्या किया? भगवान ने कहा कि तुम अब ऊंट बन गए हो यही तो तुम चाहते थे।

घोड़ा रोने लगा नहीं मैं ऊंट नहीं बनना चाहता। मैं तो घोड़ा ही बने रहना चाहता हूं। घोड़े के रूप में सभी मुझे पसंद करते हैं लेकिन ऊंट के रूप में कोई नही करेगा।

भगवान ने कहा कि मैंने तुम्हें जितना दिया तुम उसी में संतुष्ट रहना सीखो। तुम्हें ज्यादा पाने की आशा नहीं करनी चाहिए। इससे तुम्हें हर पल और पाने का लालच रहेगा। इसका तुम्हें बुरा परिणाम भी भुगतना पड़ सकता है।

भगवान ने कहा कि दुनिया में मेरी बनाई हुई अहर चीज की अपनी एक लग खूबी है। ऊंट तुम्हारी तरह सुंदर नहीं है। फिर भी उसे अपने रूप से कोई शिकायत नहीं है। वह भारी बोझ उठाता है, उसमें अपनी जिम्मेदारी समझने और उसी में संतुष्ट रहने की क्षमता है।

घोड़े ने गिड़गिड़ाते हुए भगवान से कहा- मैं समझ गया। आप मुझे फिर से घोड़ा बना दें और भगवान ने उसे फिर से घोड़ा बना दिया।

हम बनाएं, आप बनाएं

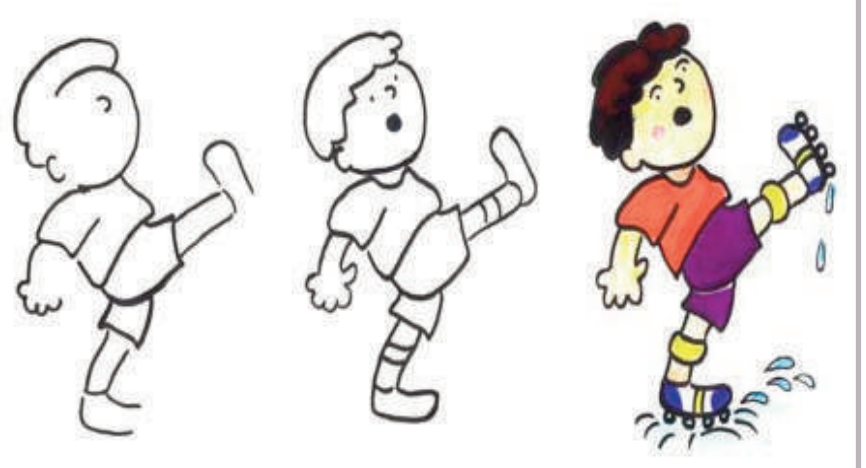

बर्गर खाने का रिकॉर्ड

डॉन गोर्सके के पास बिग मैक बर्गर खाने का विश्व रिकॉर्ड है। अमरीका में जेल के एक रिटायर संतरी ने 25,000 बर्गर (बिग मैक) खाए हैं। बिग मैक बहुत बड़े साइज का बर्गर होता है। डॉन गोर्सके ने पहला बर्गर ठीक 39 साल पहले खाया था। उनका कहना है कि वह मरते दम तक बिग मैक बर्गर खाते रहेंगे।

इंद्रधनुष के रंग

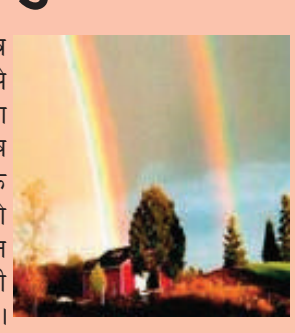

सूरज जब क्षितिज से 40 डिग्री से कम का कोण बनाता है, तभी इंद्रधनुष निकलते हैं। आपके पास खड़े व्यक्ति को आपसे थोड़े भिन्न एंगल से रोशनी आती हुई दिखाई देगी। इसलिए आपको एक भिन्न इंद्रधनुष दिखाई देगा।

96 लाख की परफ्यूम की शीशी

क्लाइव क्रिश्चियन का इंपीरियल मैजेस्टी दुनिया का सबसे महंगा परफ्यूम है। इसकी एक बोतल की कीमत लगभग 96 लाख रुपए है। एक ब्रिटिश डिजाइनर ने यह परफ्यूम तैयार किया था।

चांद पर सोना-चांदी

धरती के एकमात्र उपग्रह चंद्रमा पर जल होने की घोषणा के बाद अब नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि चंद्रमा पर उपयोगी पदार्थों का अप्रत्याशित बेशकीमती खजाना मौजूद है जिसमें चांदी और सोना भी शामिल है।

बिना ड्राइवर के कार

सन् 2050 तक हो सकता है आप सड़कों पर बिना ड्राइवर वाल कार चलती देखें। वैज्ञानिकों का कहना है, तब कार चलाने के लिए स्टीयरिंग पर हाथ और ब्रेक पर पैर रखना कानूनन अपराध माना जाएगा।

कौन हैं ईरान के नए राष्ट्रपति पेजेशकियान भारत के प्रति कैसा रहेगा उनका रुख

तेहरान, 06 जुलई (एजेंसियां) ।

ईरान के चुनाव नतीजों का एलान हो गया है और सुधारवादी नेता मसूद पेजेशकियान को नया राष्ट्रपति चुन लिया गया है। इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत के बाद ईरान में नए राष्ट्रपति के लिए 28 मई को पहले चरण का मतदान हुआ। वहीं 5 जुलाई को हुए दूसरे चरण के मतदान के बाद मसूद पेजेशकियान ने जीत हासिल की है। पेजेशकियान की पहचान एक उदारवादी और सुधारवादी नेता के रूप में हैं। अपने चुनाव अभियान के दौरान पेजेशकियान ने सख्त हिजाब कानून को आसान बनाने का वादा किया था। तो आइए जानते हैं कि कौन हैं मसूद पेजेशकियान और उनके राष्ट्रपति बनने से भारत के साथ ईरान के रिश्तों पर क्या असर होगा। पहले भी राष्ट्रपति पद के लिए पेजेशकियान ने किया था नामांकन ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान पेशे से डॉक्टर हैं और ईरान की तबरीज मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रमुख रहे हैं। पेजेशकियान साल 1997 में ईरान के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। मसूद पेजेशकियान पहली बार राष्ट्रपति चुनाव में नहीं उतरे बल्कि साल 2011 में उन्होंने पहली बार राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी। पेजेशकियान की पहचान एक उदारवादी नेता की है और वह पूर्व राष्ट्रपति हसन रूहानी के करीबी माने जाते हैं। पेजेशकियान को हिजाब के सख्त कानून का विरोधी माना जाता है। भारत-ईरान संबंधों पर क्या होगा असर भारत और ईरान के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत आर्थिक संबंध रहे हैं। पेजेशकियन के राष्ट्रपति बनने के बाद इन संबंधों के और भी मजबूत होने की संभावना है। पेजेशकियान एक सुधारवादी नेता हैं और वह पश्चिमी देशों से भी संपर्क बढ़ाने के पक्षधर हैं। ऐसे में वह भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता नहीं देंगे, ऐसा होने की आशंका कम ही है। खासतौर पर रणनीतिक रूप से अहम चाबहार बंदरगाह पर दोनों देशों का फोकस रहेगा। भारत ने इस परियोजना में भारी निवेश किया है और यह बंदरगाह, भारत को पाकिस्तान को दरकिनार कर मध्य एशिया तक कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। भारत ने चाबहार बंदरगाह टर्मिनल के विकास के लिए 12 करोड़ डॉलर देने का वादा किया है ।

न्यूज ब्रीफ

बिलावल भुट्टो ने आम चुनाव में पारदर्शिता की कमी की बात स्वीकारी, कहा गड़बड़ियां बंद होनी चाहिए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने फरवरी में हुए आम चुनाव की आलोचना की। उन्होंने आम चुनाव में पारदर्शिता की कमी को स्वीकार किया। बिलावल भुट्टो ने दावा किया कि आठ फरवरी के चुनावों में पाकिस्तान के इतिहास में सबसे बड़ी धांधली हुई थी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिलावल भुट्टो ने आम चुनावों में होने वाली धांधली के मुद्दे को खत्म करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजनेताओं को इस बात से सहमत होना होगा कि चुनाव निष्पक्ष तरीके से हो और इसके परिणाम को स्वीकार किए जाने चाहिए। बिलावल ने अन्य पार्टियों और राजनेताओं की तरफ से पैदा की जाने वाली बाधाओं पर अफसोस जताया। विकास पहलों के संबंध में बिलावल ने लीवर प्रत्यारोपण के लिए गम्बत में एक आधुनिक अस्पताल की स्थापना का हवाला देते हुए स्वास्थ्य सेवा में सिंध सरकार की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने क्वेटा में भी इस तरह के विकास का वादा किया। पीपीपी के घोषणापत्र पर चर्चा करते हुए बिलावल ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को खत्म करने पर जोर दिया। उन्होंने राजनीतिक इंजीनियरिंग और राजनेताओं की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए एनएबी की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि इससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर प्रभाव पड़ा। 2024-25 के बजट पर टिप्पणी करते हुए बिलावल ने कहा कि पीपीपी ने देश के हालात को स्थिर करने के लिए पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) का समर्थन किया। दोनों पार्टियों के बीच हुए समझौतों को जारी रखने के लिए उन्होंने पीएमएल-एन की असफलता पर असंतोष जताया। इसी के साथ उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र, आर्थिक सुधार, राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी पार्टी में के प्रयासों को रेखांकित किया।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने डेविड लैमी को विदेश सचिव नियुक्त किया, भारत का जल्द दौरा कर सकते हैं

लंदन। ब्रिटेन के नवनियुक्त प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने आम चुनाव जीतने के बाद लेबर पार्टी की सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्टार्मर ने डेविड लैमी को अपना विदेश सचिव नियुक्त किया। लैमी जल्द ही भारत का दौरा करेंगे। क्योंकि 51 वर्षीय लेबर नेता ने पिछले महीने ही कहा था कि अगर उनकी पार्टी 4 जुलाई को सत्ता में आती है तो वह नई दिल्ली का दौरा करेंगे। स्टार्मर भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं। विदेश सचिव नियुक्त होने के बाद लैमी ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए पूर्व प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन द्वारा तय की गई दिवाली 2022 की समयसीमा का जिक्र किया। कहा कि कई दिवाली बिना किसी व्यापार समझौते के आई और चली गई और बहुत से व्यवसायों को इंतजार करना पड़ा। लैमी ने भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और व्यापार मंत्री पियूष गोयल को संदेश दिया। उन्होंने दोनों के मुक्त व्यापार समझौता करने के लिए आमंत्रित किया। लैमी ने कहा, लेबर के साथ, एशिया में रुडयार्ड किपलिंग की उस पुरानी कविता को पढ़ने वाले बोरिस जॉनसन के दिन खत्म हो गए हैं। अगर मैं भारत में कोई कविता पढ़ता हूं, तो वह टैगोर होगी, क्योंकि भारत जैसी महाशक्ति के साथ सहयोग के क्षेत्र और सीखने के क्षेत्र असीमित हैं। लैमी ने भारत के साथ साझेदारी में काम करते हुए स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक पर जोर दिया। लैमी ने कहा, यूरोप और एशिया दो अलग दुनिया नहीं हैं।

नासा ने दिया अपडेट, स्पेस क्राफ्ट अच्छी स्थिति में चिंता की बात नहीं सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के लौटने में हो रही देरी

वॉशिंगटन। सुनीता विलियम्स उनका साथी अंतरिक्ष यान स्पेस में कैसे है यह बात सभी को परेशान कर रही है। आखिर क्या वजह हैं कि उन्हें लौटने में देरी हो रही है इस सभी बातों के बीच अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने सुनीता विलियम्स और उनके स्पेसक्राफ्ट को लेकर अपडेट दिया है। नासा ने कहा कि सुनीता का स्पेस क्राफ्ट अच्छी स्थिति में है। इसका अर्थ यह है कि चिंता की कोई बात नहीं है। नासा ने सुनीता विलियम्स के बोइंग स्टारलाइनर के अंतरिक्ष मिशन को आगे बढ़ा दिया है और यह 45 दिन और चलेगा। सुनीता से वापस लौटने में हो रही देरी के कारण तनाव का माहौल था। नासा ने पिछले सप्ताह कहा था कि स्पेस क्राफ्ट काफी अच्छी स्थिति में है और 45 दिनों से अधिक समय तक ऑर्बिट में रह सकता है। बता दें सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को ले जाने वाले विमान को पांच जून को लॉन्च किया था।

भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी के पक्ष में स्टार्मर, कश्मीर पर लेबर पार्टी का रुख बदला, चीन के खिलाफ सख्ती

लंदन, 06 जुलई (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन में 14 साल बाद कंजर्वेटिव पार्टी की करारी हार पर ऋषि सुनक ने इस्तीफा दे दिया है। प्रतिद्वंद्वी लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री का कार्यभार संभाल लिया है। ये वही नेता हैं जिन्होंने कश्मीर मुद्दे पर अपनी लेबर पार्टी का रुख बदला और माना कि भारत-पाकिस्तान को वार्ता के जरिये ही यह मुद्दा हल करना चाहिए। उनसे पहले जेरेमी कॉर्बिन के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने भारत सरकार द्वारा कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने पर अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों द्वारा कश्मीरियों के आत्मनिर्णय के अधिकार की पैरवी का प्रस्ताव पारित किया था।

2019 में कॉर्बिन के रुख से प्रवासी भारतीयों में काफी नाराजगी थी, लेकिन स्टार्मर ने भारतवंशियों को साधा और जीत की बुनियाद रखी। स्टार्मर ने भारतीय प्रवासियों के साथ बैठकों में इस बात पर जोर दिया कि कश्मीर भारत का आंतरिक मुद्दा है और इसे दोनों पड़ोसी ही हल करेंगे। उनकी पार्टी ने 650 सीटों वाले हाउस ऑफ कॉमन्स में 412 सीटें जीतकर बहुमत पा लिया। पूर्व पीएम ऋषि सुनक पार्टी को बहुमत के लिए जरूरी 326 सीटें नहीं जिता सके। उनकी पार्टी को 118 सीटें ही मिलीं। चुनावी जीत को स्टार्मर (61) ने बड़ा परिवर्तन बताया। उन्होंने 14 साल के कंजर्वेटिव शासन के बाद 'राष्ट्रीय नवीनीकरण' का वादा करते हुए कहा, काम तुरंत शुरू होगा। हालांकि, सुनक ने 23,059 वोटों के साथ उत्तरी इंग्लैंड में अपनी सीट जीत ली है। उन्होंने पार्टी की हार स्वीकारते हुए कहा, मेरे गंभीर फैसलों के चलते पार्टी को हुई नुकसान की जिम्मेदारी भी मेरी ही है, लेकिन मैं सेवा जारी रखूंगा। उन्होंने कहा, लेबर पार्टी ने आम चुनाव जीता है, मैं सर कीर स्टार्मर को बधाई देता हूं। उनके साथ पत्नी अक्षता मूर्ति भी शामिल थीं।

भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी के पक्षधर हैं स्टार्मर

स्टार्मर भारत के साथ नये सिरे से रणनीतिक साझेदारी के पक्षधर हैं। उन्होंने भारतीय मूल के लोगों के साथ लेबर पार्टी के संबंधों में सकारात्मक बदलाव की वकालत की है। उन्होंने अपनी पार्टी को मजबूत जनादेश मिलने पर भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के साथ-साथ वैश्विक सुरक्षा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का संकल्प जताया था। लेबर पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में भी इसे शामिल किया गया था। स्टार्मर ब्रिटिश भारतीयों के साथ अपनी पार्टी के रिश्ते को नये सिरे से आकार देने की कोशिश कर रहे हैं, जो पूर्व नेता जेरेमी कॉर्बिन के समय कश्मीर पर भारत विरोधी रुख को लेकर प्रभावित हुए थे। स्टार्मर ने पिछले साल इंडिया ग्लोबल फोरम में कहा था, मेरी लेबर पार्टी की सरकार भारत के साथ लोकतंत्र और आकांक्षा के हमारे साझा मूल्यों पर आधारित संबंध तलाशेगी।

हिंदुओं के खिलाफ नफरत के लिए जगह नहीं

स्टार्मर ने प्रचार के दौरान उत्तरी लंदन में श्री स्वामीनारायण मंदिर यात्रा पर कहा था कि ब्रिटेन में हिंदुओं के खिलाफ नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। इस संदेश को वह बीते कुछ वर्षों से दिवाली और होली के उत्सवों के दौरान दोहराते रहे हैं। पार्टी के इसी रुख ने उसे सत्तारूढ़ करने में अहम भूमिका निभाई है।

चीन के खिलाफ सख्त रवैये का संदेश

स्टार्मर की बड़ी चुनौती चीन नीति की दिशा तय करने की है। उन्होंने पिछले साल व्यापार, वाणिज्य और प्रौद्योगिकी पर चीन से दूर रहने का संदेश दिया था।

अमेरिका संग तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने की चुनौती

ब्रिटेन का अमेरिका के साथ तथाकथित विशेष संबंध हाल के वर्षों में तनावपूर्ण हो गया है। स्टार्मर को इससे निपटने की बड़ी चुनौती होगी।

पीएमओ में छठा प्रधानमंत्री देखेगी बिल्ली लैरी

ब्रिटेन के आम चुनाव में लैरी द कैट की भी खूब चर्चा है। लैरी 16 साल की एक बिल्ली है। वह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट में रहती है। उसे 'चीफ माउसर टू द कैबिनेट' का दर्जा मिला हुआ है। उसे 2011 में यह पदवी मिली थी। वह 2011 से ही प्रधानमंत्री आवास पर रहती है। लैरी द कैट को डेविड कैमरून में कार्यकाल में प्रधानमंत्री आवास में लाया गया था। उसे कैमरून ने एक नौकरशाह का दर्जा दिया था। लैरी का मुख्य काम प्रधानमंत्री आवास पर चूहे पकड़ना है। लैरी लगातार प्रधानमंत्री आवास और उसके आसपास घूमा करती है। उसके यहां रहते हुए प्रधानमंत्री आवास में पांच प्रधानमंत्री और उनके परिवार रहने आ चुके हैं। अब स्टार्मर के रूप में वह छठा प्रधानंत्री देखेगी।

जो बाइडन की उम्मीदवारी पर संकट, कमला हैरिस बन सकती हैं राष्ट्रपति पद की दावेदार

वॉशिंगटन, 06 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव नजदीक आ रहे हैं और डेमोक्रेट पार्टी एक अलग समस्या से जूझ रही है। दरअसल जो बाइडन की राष्ट्रपति पद की दावेदारी पर सवाल खड़े हो रहे हैं और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डेमोक्रेट पार्टी अब उम्मीदवारी के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की तरफ देख रही है। डेमोक्रेट पार्टी के कई नेता, दानदाता और पार्टी कार्यकर्ता मानते हैं कि जो बाइडन, ट्रंप के सामने कमजोर रह सकते हैं, यही वजह है कि अब जो बाइडन की जगह कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाने पर विचार किया जा रहा है।

बहस में पिछड़ने के बाद बाइडन की बढ़ती उम्र को लेकर तेज हुई चर्चा

बीते दिनों अटलांटा में हुई राष्ट्रपति पद की पहली बहस में जो बाइडन, डोनाल्ड ट्रंप के सामने कमजोर साबित हुए थे। बहस के दौरान कई बार बाइडन की जुबान लड़खड़ाई और जिस तरह से उन्होंने जवाब दिए, उसके बाद से उनकी बढ़ती उम्र की चर्चा फिर से तेज हो गई थी। हालांकि बाइडन अपनी उम्मीदवारी छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो डेमोक्रेट पार्टी के भीतर एक वर्ग कमला हैरिस को जो बाइडन के संभावित विकल्प के रूप में देख रहा है। कमला हैरिस और उनकी प्रचार टीम अभी सार्वजनिक रूप से बाइडन का ही समर्थन कर रही है, लेकिन हाल के दिनों में उनके प्रचार अभियान में जो सूक्ष्म बदलाव आए हैं, उससे भी अटकलों को बल मिला है।

जो बाइडन के चुनाव अभियान ने अटकलों को किया खारिज

कमला हैरिस अपने बयानों में डोनाल्ड ट्रंप पर ज्यादा आक्रामक होकर हमला कर रही हैं। पार्टी के भीतर जो बाइडन को मनाने की कोशिशें चल रही हैं कि वह कमला हैरिस का समर्थन करें। डेमोक्रेट पार्टी में एक वर्ग ऐसा भी है जो कमला हैरिस के नेतृत्व में चुनाव लड़ने को लेकर आशंकित है। इन चर्चाओं के बीच बाइडन के चुनाव अभियान के प्रवक्ता केविन मुनोज ने सभी अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि जो बाइडन ही डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे और कमला हैरिस उनकी सहयोगी होंगी।

भारतवंशी सांसद लिसा नंदी संस्कृति सचिव नियुक्त, चुनाव में विगन से भारी बहुमत से जीतीं

लंदन, 06 जुलई (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन के नवनियुक्त प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भारतवंशी सांसद लिसा नंदी को संस्कृति, मीडिया और खेल राज्य का नया सचिव नियुक्त किया। आम चुनाव में लेबर पार्टी ने भारी बहुमत से जीत दर्ज की है। वहीं, नंदी ने उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के विगन से भारी बहुमत से विजय प्राप्त की। 44 वर्षीय राजनेता नंदी अब लुसी फ्रेजर से संस्कृति मंत्रालय का कार्यभार संभालेंगी, जो ऋषि सुनक के नेतृत्व वाले कंजर्वेटिवों के लिए विनाशकारी चुनाव में अपनी सीटें हारने वाले टोरी मंत्रियों में से एक थीं। जीत के बाद नंदी ने अपने ग्रेटर मैनचेस्टर निर्वाचन क्षेत्र में स्वीकृति भाषण के दौरान मतदाताओं का धन्यवाद किया। इस दक्षिणपंथी रिफॉर्म यूके उम्मीदवार को हराने के बाद नंदी ने कहा, मैं उन लोगों से कहना चाहती हूं, जो हमारे शहर में अपनी घृणित, नस्लवादी राजनीति लेकर आए हैं, विगन का इतिहास श्रमिक वर्ग के लोगों का है, जिन्होंने 100 वर्षों तक आपको और आपकी नफरत को हमारे शहर से बार-बार बाहर निकाला है। कोलकाता में जन्मे अकादमिक दीपक नंदी की बेटी और ब्रिटिश मां ने अतीत में लेबर पार्टी के

सम्मेलनों के दौरान अपनी भारतीय विरासत के बारे में बात की है। उनके पिता ब्रिटेन में नस्ल संबंधों के क्षेत्र में अपने काम के लिए जाने जाते थे। नंदी ने कहा, दोस्तों, हम आज एक ऐसे शहर में मिल रहे हैं जो आप्रवासन की लहरों से बने एक द्वीप से समुद्र की ओर देखता है। उन्होंने कहा, मेरे पिता 50 के दशक में भारत से यहां आए थे और नस्ल संबंधी अधिनियम बनाने के संघर्ष के माध्यम से हमारी राष्ट्रीय कहानी बनाने में मदद की। इस दौरान नंदी ने महात्मा गांधी के नेतृत्व वाले भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन पर विचार किया। याद करते हुए कहा कि एक सदी पहले मेरे परिवार की जड़ें एक साथ पिरोई गई थीं। जब कपास आना बंद हो गया था और मिलें चलना बंद हो गई थीं।

मुहर्रम में सोशल मीडिया बंद करने की मांग राज्यों को हिंसा का डर, प्रधानमंत्री से की अपील

इस्लामाबाद, 06 जुलई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में मुहर्रम के दौरान सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लग सकता है। दरअसल पाकिस्तान के पंजाब राज्य समेत कई अन्य राज्यों ने संघीय सरकार से यह मांग की है। राज्यों को डर है कि मुहर्रम के दौरान हिंसा भड़क सकती है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए नफरती संदेश तेजी से फैलने का डर है।

पाकिस्तान में मुहर्रम के दौरान हो चुकी हैं कई आतंकी घटनाएं

मुहर्रम के दौरान शिया मुसलमान इस्लाम के पैगंबर के पोते की शहादत की याद में बड़ी-बड़ी

सभाएं करते हैं और जुलूस निकालते हैं। शिया मुसलमान उनकी शहादत को अत्याचार के प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में मनाते हैं। इस दौरान मोहर्रम के पहले दस दिनों तक विशाल रैलियां करते हैं। शिया मुस्लिमों की सुन्नी मुस्लिमों के साथ ऐतिहासिक धार्मिक प्रतिद्वंदिता है। यही वजह है कि कट्टरपंथी सुन्नी समूहों की तरफ से मुहर्रम के दौरान शिया मुस्लिमों की रैलियों को निशाना बनाने की घटनाएं होती हैं। इस दौरान पाकिस्तान में बम विस्फोट या आत्मघाती हमलों का डर बना रहता है।

पंजाब सरकार ने संघीय सरकार से की अपील हिंसा के डर से ही पाकिस्तान की सरकार मुहर्रम के दौरान दूरसंचार के साधनों पर रोक, इंटरनेट और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने जैसे कदम उठाती है। पंजाब की सरकार ने संघीय सरकार से अपील की है कि मुहर्रम के दौरान 6-11 जुलाई तक सोशल मीडिया सेवाओं पर रोक लगाई जाए ताकि भ्रामक संदेशों को फैलने से रोका जा सके। पंजाब सरकार ने गृह मंत्रालय को एक पत्र लिखा है, जिसमें मुहर्रम के दौरान फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स, टिक-टॉक आदि सोशल मीडिया मंचों पर पूरे प्रांत में रोक लगाने की मांग की।

पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि सोशल मीडिया मंचों पर रोक लगाने का फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ही करेंगे। अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं किया है। चांद दिखने के साथ ही मुहर्रम की शुरुआत हो सकती है। मुहर्रम की शुरुआत पर फैसला लेने के लिए मौलवियों की निकाय चर्चा कर रही है।

काम के बोझ से नहीं मर सकता रोबो, लोग लगा रहे कयास, रोबो खुदकुशी पर जांच है जारी

कैलिफोर्निया, 06 जुलई (एजेंसियां) ।

जिंदा इंसान खुदकुशी करता है तो समझ में आता है कि अब उसके जीने के तमाम रास्ते बंद हो चले थे, इसलिए उसने यह कदम उठा लिया होगा, लेकिन रोबोट तो उतना ही काम कर सकता है, जितना कि उसे करने के लिए बनाया गया है। वैसे भी खुदकुशी करना तो जुर्म है। इसलिए रोबो को बनाने वालों ने खुदकुशी जैसा कोई फीचर उसमें सेट किया हो, कहा नहीं जा सकता। दरअसल रोबो के द्वारा खुदकुशी करने का मामला जब से सामने आया है, लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं और बयान दे रहे हैं। ऐसे ही कुछ लोगों का कहना है कि रोबोट ने खुदकुशी नहीं की होगी, बल्कि जिसने उसे आदेश दिया होगा, उसने ही उसे ऐसा करने पर मजबूर किया होगा। वैसे रोबो की खुदकुशी वाले मामले ने सभी के होश उड़ा दिए हैं। यह

मामला दक्षिण कोरिया से सामने आया है। यहां एक रोबोट के खुदकुशी करने का मामला गर्माया हुआ है। सेंट्रल साउथ कोरिया में नगर पालिका ने बताया कि वह एक मामले की जांच करेगा, जिसमें रोबोट ने खुद को सीढ़ियों से नीचे गिरा कर खुदकुशी की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ये रोबोट नगर निगम के कार्यों में मदद करता था। नगर निगम टीम के एक अधिकारी ने बताया कि रोबोट करीब एक साल से गुमी शहर के निवासियों को प्रशासनिक कार्यों में मदद कर रहा था। वह बीते हफ्ते सीढ़ियों से नीचे निष्क्रिय अवस्था में पाया मिला यानी वो सक्रिय नहीं था। अधिकारी ने बताया कि चश्मदीदों ने रोबोट को गिरने से पहले इधर-उधर घूमते देखा था। मानो वह कुछ ढूंढ रहा यह गड़बड़ लगा। इन्होंने कहा कि घटना की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है. ऐसा माना जा रहा है कि रोबोट काम के कारण तनाव में था। अधिकारी ने आगे कहा कि रोबोट के पार्ट्स को एकत्रित कर लिया गया है और इसे बनाने वाली कंपनी इसका परीक्षण करेगी। एक अन्य अधिकारी ने खेद जताते हुए कहा, ये आधिकारिक तौर पर शहर की नगर पालिका का हिस्सा था और हममें से एक ही था। कैलिफोर्निया में बियर रोबोटिक्स द्वारा बनाया गया ये रोबोट सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक काम करता था और इसका अपना पब्लिक सर्विस कार्ड भी था। एक मंजिल तक सीमित अन्य रोबोट्स के विपरीत ये लिफ्ट को बुला सकता था और फ्लोर्स में ऊपर नीचे तक जा सकता था। स्थानीय अखबारों ने इस खबर को कवर पेज पर छापा है। एक की हेडिंग में पूछा गया है इस मेहनती पब्लिक सर्वेंट ने इस तरह का व्यवहार क्यों किया या क्या रोबोट के लिए काम बहुत कठिन था। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रोबोटिक्स के मुताबिक दक्षिण कोरिया रोबोट के प्रति अपने आकर्षण के लिए जाना जाता है, जहां हर दस कर्मचारियों पर एक रोबोट है। यहां दुनिया में सबसे ज्यादा रोबोट्स हैं। बहरहाल लोग तो यही मान रहे हैं कि रोबो खुदकुशी नहीं कर सकता है।

यूक्रेन ने किया रूस के 24 ड्रोन मार गिराने का दावा, रात में हुआ था हमला

कीव। रूस-यूक्रेन युद्ध को चलते हुए दो साल से भी ज्यादा का समय हो गया। अब भी हमले में कई लोगों की मौतें हो रही हैं, यूक्रेन के ताजा हमले में यूक्रेन वायु रक्षा ने 27 में से 24 रूसी ड्रोनों को मार गिराया। यूक्रेनी वायु सेना ने इसकी जानकारी दी है, ड्रोन को 12 क्षेत्रों में मार गिराया गया। इससे पहले यूक्रेन की सेना ने दक्षिणी रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में भी एक बड़ा ड्रोन हमला किया था। इस हमले में एक तेल रिफाइनरी समेत अन्य जगहों को निशाना बनाया गया था। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। यूक्रेन में जारी है ब्लैकआउट राष्ट्रीय ग्रिड ऑपरेटर उक्रेनर्गो ने इसकी जानकारी देते हुए कहा, इस हवाई हमले से उपभोक्ताओं के लिए आपातकालीन बिजली भी बंद हो गई थी। साथ ही सहायक दल क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। जानकारी के लिए बता दें कि मार्च के बाद से, रूसी सेनाओं ने यूक्रेनी बिजली क्षेत्र पर भी बमबारी तेज कर दी है, जिससे थर्मल और जलविद्युत उत्पादन का बड़ा हिस्सा ठप हो गया है और पूरे देश में लंबे समय तक ब्लैकआउट करना पड़ा है। तीन लोगों की मौत और तीस घायल रूस ने हाल ही में उत्तरी यूक्रेन के खार्किव में एक आवासीय इमारत पर भी बमबारी की थी, इस हमले में तीन लोग मारे गए थे और तीस लोग घायल हुए थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इस हमले को लेकर टेलीग्राम पर अपने विचार व्यक्त किए थे, उन्होंने कहा था, रूसी आतंकवादियों ने फिर से खार्किव पर बमों से हमला किया है। उन्होंने बताया कि बचाव दल की तरफ से मलबा हटाने के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं इससे पहले रूस ने दक्षिण-पूर्वी शहर निप्रो के एक कैफे में हमला किया था। इस हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से अतिरिक्त एयर डिफेंस सिस्टम और मिसाइल की मांग की थी।

ओवरटाइम थ्रिलर में स्पेन ने जर्मनी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

मिकेल मेरिनो के 119वें मिनट के विजयी गोल ने टूर्नामेंट के मेजबान जर्मनी को बाहर कर दिया और स्पेन ने स्टटगार्ट के एमएचपी-एरेना में यूरो 2024 में सेमीफाइनल का टिकट कटा लिया। दोनों टीमें नियमित समय तक 1-1 से बराबरी पर थीं और मैच को अतिरिक्त समय में खींच लिया गया, जहां ओल्मो के सटीक क्रॉस ने मेरिनो को निर्णायक गोल करने में मदद की। दोनों पक्षों को संघर्ष में पैर जमाने के लिए कुछ समय की आवश्यकता थी, क्योंकि कई फाउल ने खेल के प्रवाह को बाधित कर दिया था। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, स्पेन ने नियंत्रण हासिल कर लिया और लंबी दूरी के प्रयासों से मौके बनाए। हालाँकि, निको विलियम्स और फैबियन रुइज़ में सटीकता की कमी थी, जबकि लैमिन यमल ने फ्री-किक को बाहर मार दिया। जर्मनी बैकफुट पर रहा लेकिन आयमेरिक लापोर्टे और दानी ओल्मो दूर से गोलकीपर मैनुएल नेउर को मात नहीं दे सके। काई हैवर्टज़ ने स्पेन के गोलकीपर साइमन यूनाई को कार्रवाई के लिए मजबूर करने के बाद पहले हाफ के समापन चरण में जर्मनी के लिए पहला स्पष्ट अवसर पैदा किया। स्पेन ने दूसरे हाफ में शानदार शुरुआत की क्योंकि अल्वारो मोराटा बॉक्स के अंदर से टर्न शॉट के साथ लक्ष्य से चूक गए, इससे पहले ओल्मो ने अंततः 51वें मिनट में गतिरोध तोड़ दिया जब लीपज़िग के खिलाड़ी ने 14 मीटर से पहले प्रयास के साथ यमल के निचले पास को बाएं कॉर्नर में पहुंचा दिया। जूलियन नगेल्समैन के खिलाड़ियों ने तुरंत जवाब देने की कोशिश की लेकिन या तो अंतिम पास गायब था, या स्पेन की रक्षा ने आखिरी समय में गेंद को क्लीयर कर दिया। जर्मनों ने दबाव बढ़ा दिया क्योंकि साइमन ने निकेलस फुलक्रग द्वारा पोस्ट को हिट करने से पहले लक्ष्य पर रॉबर्ट एंड्रिच के शॉट को बचा लिया था। हैवर्ट्ज़ को स्कोर बराबर करना चाहिए था लेकिन उन्होंने 22 मीटर से खाली लक्ष्य के ऊपर से गेंद को निकाल दिया। स्पेन अपने क्षेत्र से बाहर नहीं निकल सका और उसने बराबरी का गोल दे दिया क्योंकि जोशुआ किम्मिच ने मुश्किल कोण से हैडर लगाकर फ्लोरियन विर्ट्ज़ को गेंद दी, जिन्होंने बराबरी का गोल दाग दिया। जर्मनी के कोच नगेल्समैन ने कहा, सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए स्पेन को बधाई। हम दूसरे हाफ में बेहतर थे और 60वें मिनट के बाद से, हम स्पष्ट रूप से बेहतर टीम थे। हमारा अंतिम लेवलर योग्य था। हमने आखिरी मौके पर विजयी गोल दे दिया। यह काफी दर्दनाक था।

न्यूज ब्रीफ

प्रज्ञानंद और गुकेश नहीं दे सके टक्कर, फैबियानो कारुआना ने सुपरबेट क्लासिक में बरकरार रखा खिताब

बुचारेस्ट । प्रज्ञानंद और डी गुकेश जैसे शीर्ष भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रभावित नहीं कर सके और इन्हें चार खिलाड़ियों के बीच खेले गए टाइब्रेकर में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना ने तीनों रैपिड गेम जीतकर सुपरबेट क्लासिक में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। कारुआना क्लासिकल प्रारूप में नीदरलैंड के अनीश गिरी से हार गए, जिससे मुकाबला रोचक बन गया क्योंकि गुकेश, प्रज्ञानंद और फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा सभी उनकी बराबरी पर पहुंच गए। प्रज्ञानंद मुख्य बाजी में अलीरेजा के सामने एक समय बेहद मुश्किल स्थिति में फंसे हुए थे। यदि फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लासिकल दौर की इस बाजी को जीत जाता तो फिर वह कारुआना से आगे निकल जाते और विजेता का फैसला करने के लिए टाइब्रेकर की जरूरत नहीं पड़ती, लेकिन कारुआना हार गए, जबकि गुकेश और प्रज्ञानंद ने अपनी अपनी बाजियां ड्रॉ खेली जिससे विजेता का फैसला करने के लिए चार खिलाड़ियों के बीच टाइब्रेकर की स्थिति बन गई। कारुआना ने दिखाया कि आखिर उन्हें क्यों टाइब्रेकर का मास्टर कहा जाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि वे युवा पीढ़ी से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

वर्ल्ड मास्टर्स लीग अगले माह होंगी रोड्स को बनाया गया ब्रांड एंबेसडर

जोहांसबर्ग । यहां अगले माह अगस्त में होने वाली वर्ल्ड मास्टर्स टी20 लीग 2024 के लिए पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के किंग्समीड स्टेडियम में होने वाली इस लीग में कुल 6 टीमें इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टन्स, कोलंबो टाइटन्स, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स शामिल होंगी। इसमें दक्षिण अफ्रीका , ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के अलावा भारतीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे। महानतम वर्ल्ड मास्टर्स लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर रोड्स ने खुशी जताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट दुनिया भर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने का काम कर रहा है, ऐसे में इसका हिस्सा होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। साथ ही कहा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजे इस टूर्नामेंट का प्रचार करने के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं। रोड्स ने साल 1992 से 2003 तक दक्षिण अफ्रीका की तरफ से 52 टेस्ट और 245 एकदिवसीय मैच खेले हैं। टेस्ट में 35.66 और एकदिवसीय में उनके नाम 35.11 के बल्लेबाजी औसत के साथ ही 8,000 से अधिक रन हैं। रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाने के बाद लीग के सीईओ राजीव मिश्रा ने कहा कि हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि रोड्स इस लीग के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस लीग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हर्शल गिब्स भी नजर आयेंगे।

ईशान ने हार्दिक को चैंपियन बताया, प्यार से गले मिले

मुम्बई । क्रिकेटर ईशान किशन टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद घर पहुंचे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या से मिलने उनके घर पहुंचे और उन्हें गले लगा लिया। ईशान और हार्दिक आईपीएल में भी एक साथ खेलते आये हैं। इन दोनो का ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें ईशान पंड्या के घर पहुंचने के बाद उनसे गले मिलते और उन्हें चूमते दिखाई दे रहे हैं। ईशान ने वीडियो के साथ लिखा, पिछले कुछ महीनों में आपने बहुत सी मुश्किल चीजों का सामना किया, फिर भी आप शांत बने रहे। वहीं आज आपको अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और निष्ठा का परिणाम विश्वकप में मिला है। मैं और भी बहुत कुछ महसूस करता हूं और कहना चाहता हूं लेकिन शब्द कम पड़ जाएंगे। आप एक चैंपियन हैं। इससे पहले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के दौरान पंड्या ने कहा कि भारतीय टीम टी20 क्रिकेट विश्व कप फाइनल के दौरान शांत थी और उसे हमेशा विश्वास था कि वे जीत सकते हैं। हार्दिक ने कहा कि पिछले 6 महीने मेरे जीवन में बहुत सारे उतार-चढ़ाव रहे हैं और प्रशंसकों की नाराजगी भी झेलनी पड़ी पर मुझे हमेशा लगा कि अगर मैं कोई जवाब दूंगा तो वह खेल के माध्यम से होगा। इसलिए मैंने अपने खेल पर ध्यान दिया।

यूरो कप 2024 में फ्रांस से पेनल्टी शूटआउट में हारकर बाहर हुई पुर्तगाल, अब स्पेन से सामना

बर्लिन, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

फ्रांस की टीम यूरो कप 2024 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उसने मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल की टीम को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हरा दिया। इस हार के साथ पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई, जबकि फ्रांस की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई। अब उसका सामना अंतिम-4 में स्पेन से होगा। फुल टाइम और फिर एक्स्ट्रा टाइम तक स्कोर 0-0 की बराबरी पर छूटा था।

120 मिनट तक दोनों में से कोई भी टीम गोल करने में नाकाम रही थी। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में मैच गया। इससे पहले पुर्तगाल और फ्रांस दोनों ने ही कुछ आसान मौके गंवाए थे। पुर्तगाल के लिए विटिन्हा और ब्रूनो फर्नांडीस ने मौके बनाए, लेकिन पुर्तगाल की टीम फायदा नहीं उठा सकी। फ्रांस के गोलकीपर मैगनन ने कुछ शानदार बचाव किए।

फ्रांस की ओर से कोलो मुआनी ने गोल की कोशिश की, लेकिन पुर्तगाल के डिफेंडर रुबेन डियास ने गोल बचाने वाला ब्लॉक किया। एक्स्ट्रा टाइम में दोनों ही टीमें डिफेंसिव अप्रोच के साथ उतरी थीं। काउंटर अटैक करने की जगह दोनों टीमें गोल बचाने पर ध्यान दे रही थीं। पुर्तगाल के नूनो मेंडीज के पास एक्स्ट्रा टाइम में गोल करने का मौका था, लेकिन बॉक्स के कोने से उनके शॉट को रोक लिया गया।

इसके बाद पेनल्टी शूटआउट की शुरुआत हुई। फ्रांस की टीम ने पहले किक लिया। उसमान डेम्बेले ने गोल दाग उन्हें 1-0 से आगे कर दिया। पुर्तगाल की ओर से रोनाल्डो ने पहला शॉट लिया और गोल दाग स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। फ्रांस की ओर से दूसरा शॉट यूसुफ फोफाना ने लिया और स्कोर 2-1 कर दिया। पुर्तगाल की ओर से बर्नार्डो सिल्वा आए और स्कोर 2-2 कर दिया। फ्रांस की ओर से तीसरा शॉट जूल्स कूंडे ने लिया और स्कोर 3-2 कर दिया। पुर्तगाल की ओर से जोआओ फेलिक्स शॉट लेने आए और चूक गए। स्कोर 3-2 ही रहा। फ्रांस की ओर से चौथा शॉट ब्रैडली बार्कोला ने लिया और स्कोर 4-2 कर दिया। पुर्तगाल की ओर से नूनो शॉट लेने आए और स्कोर 4-3 कर दिया। फ्रांस के थियो हर्नांडीज पांचवां शॉट लेने आए और उनके पास अपनी टीम को जिताने का मौका था और उन्होंने गोल दाग फ्रांस की टीम को 5-3 से जीत दिला दी। फ्रांस की टीम छठी बार यूएफा यूरो कप का फाइनल खेलेगी।

उनसे ज्यादा बार सेमीफाइनल जर्मनी ने खेला है। जर्मनी की टीम ने आठ बार सेमीफाइनल खेला है। फ्रांस की टीम पिछले पांच में से चार मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। इनमें विश्व कप और यूरो कप शामिल हैं। 2020 यूरो कप में यह टीम राउंड ऑफ-16 से बाहर हो गई थी। पुर्तगाल की टीम किसी मेजर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर सिर्फ दो बार हारी है। इनमें साल 2022 फीफा विश्व कप और 2024 यूरो कप शामिल है। इसके अलावा बाकी छह क्वार्टर फाइनल में टीम ने जीत हासिल की थी। यह पुर्तगाल के महान डिफेंडर पेपे का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच भी था।

स्पेन सेमीफाइनल में, मेजबान जर्मनी बाहर

माइकल मेरिनो के अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में मेजबान जर्मनी को 2-1 से पराजित करके यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2024) के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। जब मैच पेनल्टी शूटआउट की तरफ बढ़ रहा था तब स्थानापन्न खिलाड़ी मेरिनो ने 119वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई। मेरिनो ने गोल करने के बाद कॉर्नर फ्लैग के पास उसी तरह से जश्न मनाया जैसे उनके पिता मिगुएल मेरिनो ने 1991 में यूएफा कप में इसी स्टेडियम में खेले गए मैच में ओसासुना की तरफ से स्टुटगार्ट के खिलाफ गोल करने के बाद मनाया था।

संन्यास के बाद कमेंट्री और कोचिंग करेंगे एंडरसन

लंदन, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

इंग्लैंड के सबसे अनुभवी और उम्रदराज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि वह सन्यास के बाद टेलीविजन पर अपने विचार रखने के साथ ही कोचिंग आदि करेंगे। 41 साल के एंडरसन ने मई में ही घोषणा कर दी थी कि वह 10 जुलाई को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेलेंगे। एंडरसन ने कहा है कि है कि वह अपने करियर को अलविदा कहने के बाद टेलीविजन पर अपने विचार रखने के साथ ही कोचिंग आदि करेंगे। साथ ही कहा कि अभी वह इस बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कह सकते। उन्होंने कहा, मैं नहीं जानता कि आगे क्या होगा पर मुझे खेल के बारे में बात करना पसंद है। मुझे गेंदबाजी के बारे में बात करना और इसके तकनीकी पक्ष में को लेकर आगे बढ़ना होगा। मैंने टीवी और रेडियो पर कमेंट्री की है, इसलिए मैं शायद ये दोनो पेशे ही अपनाउंगा। इससे पहले इंग्लैंड के प्रबंध निदेशक रॉब ने कहा था कि एंडरसन मेंटर की भूमिका में टीम के साथ बने रहेंगे। रॉब के अनुसार प्रशंसक आगे भी एंडरसन को मेंटर के रूप में टीम के साथ देखेंगे। रॉब ने कहा, एंडरसन हमारे सेट-अप में बने रहेंगे, और वह मेंटर के रूप में मदद करेंगे। हम एक बेहतरीन कोच विकास कार्यक्रम स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे एंडरसन करना चाहते हैं, इसपर हम गर्मियों के अंत में इस पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा, उनके पास खेल को देने के लिए बहुत कुछ है, इसलिए हम उसे जाते हुए नहीं देखना चाहते हैं पर लॉर्ड्स में उनके बाहर होने से यह काफी बड़ा अवसर होगा। एंडरसन ने संन्यास को लेकर कहा, यह एक अजीब एहसास है जब आप 20 साल तक कुछ करते हैं और फिर अचानक आपको कुछ और करना पड़ता है। टेस्ट क्रिकेटर के रूप में उन्हें जो चीजें नहीं मिलीं उनके बारे में एंडरसन ने कहा कि उन्हें टेस्ट हैट्रिक और शतक बनाना बहुत अच्छा लगता। एंडरसन ने कहा कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का उन पर सबसे अधिक प्रभाव रहा है, क्योंकि उन्होंने उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में बहुत स्पष्टता दी। उन्हें अपने पूर्व कप्तान की तीव्रता और दृढ़ता भी पसंद थी। इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने स्विंग के साथ-साथ रिवर्स स्विंग में विशेषज्ञता के साथ ही लाल गेंद के क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाया है।

रोहित, सूर्यकुमार सहित मुम्बई के चार क्रिकेटरों का महाराष्ट्र विधान भवन में सम्मान हुआ

मुंबई, 06 जुलाई ।

टी20 विश्वकप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल मुम्बई के क्रिकेटरों कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे का महाराष्ट्र विधान भवन में शानदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 11 करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की भी घोषणा की। शिंदे ने अपने भाषण में विश्व कप में पाकिस्तान पर मिली जीत के अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में सूर्यकुमार के कैच की जमकर प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने मुंबई पुलिस की भी विजय परेड को शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित करने के लिए प्रशंसाक की।। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और देवेंद्र फडनवीस भी उपस्थित थे।

पवार ने रोहित के टी20 से संन्यास को लेकर कहा कि हमें आपकी कमी खलेगी पर हम आपको और आपकी उपलब्धियों को हमेशा ही याद रखेंगे। वहीं फडनवीस ने कहा कि रोहित का नाम अब हमेशा के लिए क्रिकेट इतिहास में लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि रोहित ने हमें एक ही दिन में अच्छी और बुरी खबर दोनों दीं। उन्होंने टी 20 विश्व कप जीता पर साथ ही टी 20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में संन्यास की घोषणा भी कर दी।

वहीं रोहित ने कहा कि फाइनल में सभी के प्रयासों से टीम को जीत मिली। इतने लंबे इंतजार के बाद क्रिकेट विश्व कप भारत लाकर हमने जो सपना देखा था वह सच हो गया। यह टीम प्रयासों का ही परिणाम था। वहीं मजाकिया लहजे में कहा कि सूर्यकुमार ने सभी से कहा कि वह भाग्यशाली रहे कि गेंद उन्होंने पकड़ ली । अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो उसे अगले मैच में नहीं रखते। सूर्यकुमार और शिवम दुबे ने कहा कि हमें जिस प्रकार का सम्मान मिला है उसे हम भुला नहीं पायेंगे।

नीरज चोपड़ा की मां ने कहा, पीएम मोदी को इस बार देशी घी और शक्कर से बना खास चूरमा खिलाएंगे

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक 2024 के आयोजन में अब कुछ ही दिन बचे हैं। यह 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा, इसके लिए 120 सदस्यीय भारतीय दल रवाना हो रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा समेत सभी एथलीटों से मुलाकात की।

पीएम मोदी ने पेरिस ओलंपिक के लिए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। इस बार ओलंपिक में भारतीय दल का नेतृत्व करने जा रहे नीरज चोपड़ा से उन्होंने खाने की खास डिमांड भी की। पीएम मोदी ने गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा से उनकी मां के हाथों से बना चूरमा खाने के लिए कहा। नीरज ने ओलंपिक से लौटकर पीएम मोदी को मां के हाथ का बना खास चूरमा खिलाने का वादा किया।

पीएम मोदी से मुलाकात पर नीरज चोपड़ा की मां ने खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि परमात्मा ने अगर चाहा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देशी घी और शक्कर से बना खास चूरमा खिलाएंगे। पहले भी चूरमा स्पेशल था, लेकिन इस बार उससे भी ज्यादा खास चूरमा पीएम मोदी के लिए भेजेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि नीरज इस बार भी गोल्ड मेडल जीतेगा। नीरज चोपड़ा के पिता सतीश चोपड़ा ने भी अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नीरज की तैयारी बहुत बढ़िया है। उनकी इंजरी अब पूरी तरह से ठीक हो चुकी है, जिसकी वजह से उन्हें दो तीन इवेंट छोड़ना पड़ा था। उसने मुझसे कहा है कि वो देश की शान के लिए खेल में 100 प्रतिशत देगा। इसके लिए वो लगातार 7 से 8 घंटे अभ्यास कर रहा है। नीरज ने कहा है कि वो देश को गोल्ड मेडल जिताने के लिए जान लगा देगा। पीएम मोदी से नीरज चोपड़ा की मुलाकात पर उनके चाचा भीम चोपड़ा ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक अच्छे प्रशासक के अलावा अच्छे इंसान भी हैं। वो हर खिलाड़ी को बराबर का सम्मान देते हैं। अभी हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय टीम से मिलकर उन्हें बधाई दी। ओलंपिक खिलाड़ियों का भी उन्होंने हमेशा हौसला बढ़ाया है। नीरज की तैयारी बहुत अच्छी चल रही है। उन्होंने कहा है कि बढ़िया खेल कर देश का नाम रोशन करुंगा। यह परिवार के लिए बड़े ही गौरवशाली पल होंगे, जब नीरज भारतीय दल का नेतृत्व करेगा। अब उसके कंधों पर देश की जिम्मेदारी बढ़ गई है। मुझे उम्मीद है कि इस बार ओलंपिक में हमारे मेडल ज्यादा आएंगे। नीरज और हमारे सभी खिलाड़ियों को फिर से पीएम मोदी से मुलाकात कर उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा।

साइना नेहवाल बोलीं- पिछले छह सात महीनों के नतीजों से किसी खिलाड़ी का आकलन नहीं कर सकते

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

लंदन ओलंपिक की कांस्य विजेता साइना नेहवाल ने दो बार की पदक विजेता पी वी सिंधू का समर्थन करते हुए कहा कि पेरिस ओलंपिक में पदक के लिए उनके हालिया प्रदर्शन को पैमाना नहीं बनाया जाना चाहिये और वह समय पर लय हासिल कर लेंगी। साइना ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की संभावना काफी हद तक फिटनेस और अभ्यास पर निर्भर करेगी।

सिंधू फ्रांस की राजधानी में अपने लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए प्रयास करेंगी। सिंधू ने घुटने की चोट से उबरने के बाद इस साल फरवरी में खेल में वापसी की है। चोट से वापसी के बाद सिधू के खेल में निरंतरता कमी रही है। वह इस दौरान सिर्फ मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 के फाइनल में पहुंची है और शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ उन्हें संघर्ष करना पड़ा है।

साइना ने कहा, आप पिछले छह सात महीनों के नतीजों से किसी भी खिलाड़ी का आकलन नहीं कर सकते। सिंधू कई वर्षों से वास्तव में अच्छा खेल रही है और उसके पास काफी अनुभव है। यह सिर्फ इतना है कि उस विशेष टूर्नामेंट में क्या होता है, यह उस समय पर निर्भर करेगा जब आयोजन शुरू होगा। पिछले छह सात महीने में वह ज्यादा मैच नहीं जीती है लेकिन यह मुकाबले काफी करीबी रहे हैं।

उन्होंने कहा, कई बार जीत या हार आपकी लय को नहीं दिखाते हैं लेकिन आप कभी भी इसे

हासिल कर सकते है। शीर्ष स्तर पर सभी खिलाड़ी वास्तव में कड़ी मेहनत करते हैं। मुझे यकीन है कि सिंधू लय और पदक हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत पूरी कोशिश कर रही होंगी। सिंधू के लिए पिछले कुछ समय में सबसे ज्यादा परेशानी की बात यह रही है कि वह मैच पर पकड़ बनाने के बाद उसे जीत में नहीं बदल पा रही है।

सिंधू इस समय जर्मनी के सारब्रुकन में ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को को अंतिम रूप दे रही हैं। साइना ने कहा कि ऐसी चिंताओं (अच्छी स्थिति से मैच हारना) से छुटकारा पाने के लिए अभ्यास ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने कहा, इन खामियों को अभ्यास से ही दूर किया जा सकता है। आपके अभ्यास में कमी है तो कोई भी खिलाड़ी आपको हरा सकता है लेकिन अगर अपने अच्छे से प्रशिक्षण लिया है तो ऐसी चीजें कम होंगी। यह वास्तव में मायने रखता है।

साइना ने कहा कि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल के पास पेरिस में स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है। साइना ने कहा कि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल के पास पेरिस में स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है। हैदराबाद की इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, पुरुष युगल में हमारे पास स्वर्ण जीतने की बहुत मजबूत संभावना है।

उन्होंने कहा, पुरुष एकल बहुत मुश्किल है क्योंकि उनमें से 10-11 खिलाड़ी समान स्तर पर हैं। मुझे यकीन है कि हम परिणाम केवल उस विशेष तारीख पर ही जान पाएंगे क्योंकि आप कभी नहीं जानते कि एक खिलाड़ी उस टूर्नामेंट में कैसा खेलेगा। पेरिस ओलंपिक में पुरुष एकल में एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन भारत की कमान संभालेंगे। घुटने की चोट के कारण पिछले साल जून में सिंगापुर ओपन के पहले दौर से बाहर होने के बाद से साइना ने कोई टूर्नामेंट नहीं खेला है। साइना ने कहा कि वह वापसी की कोशिश कर रही है लेकिन घुटने की चोट से हाल फिलहाल में ऐसा संभव नहीं है।

भारत में निवेश न करने के फैसले से नुकसान में रहेगा टेस्ला : ओला कैब

नई दिल्ली,06 जून (एजेंसियां) ।

ओला कैब्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारतीय बाजार में निवेश न करने का टेस्ला का फैसला अमेरिका की इस कंपनी के लिए एक बड़ा नुकसान है। भारत के लिए नहीं। एक्स पर एक पोस्ट में अधिकारी ने कहा कि अगर यह सच है।

तो यह टेस्ला का नुकसान है, भारत का नहीं। हालांकि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन और लिथियम का क्षेत्र अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जब टेस्ला कुछ सालों बाद फिर से भारत को गंभीरता से देखेगी, तब तक बहुत देर हो चुकी होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ला ने भारतीय अधिकारियों की पूछताछ का जवाब नहीं दिया है और अब उम्मीद नहीं है कि वह भारत में निवेश करेगी। यह खबर एलन मस्क के भारत दौरे को टालने के बाद आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला की आर्थिक चुनौतियों के कारण कंपनी भारत में और निवेश की योजना नहीं बना रही है। टेस्ला की ग्लोबल सेल्स इस तिमाही में लगातार दूसरी बार कम हुई है और उसे चीन से कड़ा कंपटीशन मिल रहा है। इसके अलावा, कंपनी ने नौकरियों में कटौती की घोषणा की है, अपने मुख्य साइबरट्रक स्टॉल को बेच दिया है और मेक्सिको में अपने प्लांट के निर्माण को टाल दिया है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि अब सरकार भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उत्पादन को बढ़ाने के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स जैसी घरेलू कंपनियों पर ध्यान दे सकती है। अप्रैल में मस्क ने भारत की यात्रा रद्द कर दी थी, जहां वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले थे। बताया जा रहा है कि यह यात्रा कंपनी में जरूरी कामों के कारण रद्द हुई। इस साल मार्च में, भारत सरकार ने 41.5 अरब रुपए (500 मिलियन डॉलर) की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी दी थी। इस नीति में वैश्विक ईवी निवेश को आकर्षित करने और भारत को एडवांस ईवी के लिए एक बड़ा निर्माण केंद्र बनाने के लिए कई प्रोत्साहन दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

माइक्रोसॉफ्ट ने की छंटनी, प्रभावित कर्मचारियों का खुलासा नहीं

वाशिंगटन । दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने इस सप्ताह एक और छंटनी की पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार ये छंटनी कंपनी के विभिन्न टीमों और स्थानों को प्रभावित करेगी। हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट ने इस ताजा छंटनी में प्रभावित कर्मचारियों की संख्या का खुलासा नहीं किया है। रिपोर्ट में लिंक्डइन पर सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें संकेत मिलता है कि छंटनी का असर प्रोडक्ट और प्रोग्राम मैनेजमेंट विभागों पर पड़ा है। माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने छंटनी की पुष्टि की। प्रवक्ता ने कहा कि हमारे व्यवसाय को चलाने के लिए संगठन और कार्यबल में बदलाव जरूरी होते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने भविष्य के लिए और ग्राहकों एवं पार्टनर्स के समर्थन के लिए महत्वपूर्ण वृद्धि क्षेत्रों में निवेश करना जारी रखेंगे। माइक्रोसॉफ्ट ने अपना वित्तीय वर्ष 30 जून को समाप्त किया और इस दौरान पुनर्गठन प्रयास टेक दिग्गज के लिए असामान्य नहीं हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने 2023 में भी ऐसा ही किया था। ताजा छंटनी 2024 में पहले हुई कटौती के बाद हुई है। साल की शुरुआत में माइक्रोसॉफ्ट ने अपने गेमिंग डिवीजन में लगभग 2,000 नौकरियों में कटौती की थी। पिछले महीने, एक और छंटनी दौर में एजुरे क्लाउड यूनिट और होलोलेंस मिक्स्ड-रियलिटी टीम सहित लगभग 1,000 पदों पर असर पड़ा था। पिछले 18 महीनों में माइक्रोसॉफ्ट ने हजारों कर्मचारियों को निकाला है। ये छंटनी टेक इंडस्ट्री में चल रही व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा रही हैं। बताया जाता है कि अब तक लगभग 100,000 कर्मचारियों को टेक कंपनियों ने निकाला है। 2023 में टेक कंपनियों द्वारा निकाले गए कर्मचारियों की संख्या लगभग 260,000 थी।

भारत आएंगे फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू

नई दिल्ली । ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक कंपनी फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू इस साल भारत का दौरान करने की योजना बना रहे हैं। लियू को चार जुलाई को ताइपे में पद्म भूषण पुरस्कार दिया गया। भारत ताइपे एसोसिएशन के महानिदेशक मनहरसिंह यादव ने उन्हें यह पुरस्कार दिया। इस वर्ष 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर उन्हें तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित करने की घोषणा की गई थी। लियू ने बयान में कहा कि मैं यह पुरस्कार पाकर अभिभूत हूं। मैं कहना चाहता हूं कि मुझे उन सभी महिलाओं तथा पुरुषों की ओर से यह पुरस्कार स्वीकार करते हुए बेहद गर्व हो रहा है जो भारत में स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं। मैं इस वर्ष भारत में राष्ट्रपति से मिलने को उत्साहित हूं। वह पिछले साल जुलाई में सेमीकॉन इंडिया कॉन्क्लेव में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। उस समय उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। भारत में फॉक्सकॉन का कुल निवेश नौ से 10 अरब अमेरिकी डॉलर के आसपास होने का अनुमान है। कंपनी अपनी आईफोन उत्पादन सुविधा का विस्तार करने की प्रक्रिया में है। एचसीएल समूह के साथ संयुक्त उद्यम में एक चिप संयंत्र भी स्थापित कर रही है।

डीपीआइआईटी ने स्टार्टअप से एंजल कर हटाने की सिफारिश की

नई दिल्ली। उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआइआइटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने बजट आने से पहले स्टार्टअप कंपनियों से एंजल टैक्स हटाने की सिफारिश की है। आयकर विभाग ने पिछले साल सितंबर में नए एंजल टैक्स नियमों को अधिसूचित किया था जिसमें निवेशकों को गैर-सूचीबद्ध स्टार्ट-अप की तरफ से जारी शेयरों का मूल्यांकन करने की एक व्यवस्था भी शामिल है। उचित बाजार मूल्य से ऊपर किसी स्टार्टअप के शेयरों की बिक्री से हासिल पूंजी पर लगने वाले कर को एंजल टैक्स कहा जाता है। पहले एंजल कर केवल स्थानीय निवेशकों पर लागू होता था लेकिन पिछले वित्त वर्ष के बजट ने विदेशी निवेशक को शामिल करने के लिए इसका दायरा बढ़ा दिया था। टेस्ला के भारत आने से जुड़े सवाल पर सिंह ने कहा भारी उद्योग मंत्रालय की तरफ से ईवी के लिए जारी दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है।

5 साल में पैदा हुई 8 करोड़ नौकरियां, श्रम मंत्रालय ने बताया कहां से आया इतना रोजगार

नई दिल्ली,06 जून (एजेंसियां) ।

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) और स्टार्टअप्स भारत में नौकरियां पैदा करने में प्रमुख खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। यह जानकारी श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा ने दी है। उनका कहना है कि इन दोनों ने मिलकर पिछले पांच साल में करीब आठ करोड़ नई नौकरियां पैदा की हैं।

ग्लोबल कैपिबिलिटी सेंटर आमतौर पर दुनियाभर के संगठन बनाते हैं। इसका मकसद वैश्विक प्रतिभा, संसाधनों और विशेषज्ञता का सही तरीके से इस्तेमाल करना होता है। ये अमूमन बड़े कॉर्पोरेशन का हिस्सा होते हैं और ऋष्ठ, आईटी सर्विसेज, बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग, इंजीनियरिंग सर्विसेज जैसी कई सेवाएं उपलब्ध कराते हैं।

श्रम मंत्रालय की सचिव ने क्या कहा

श्रम मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और एम्प्लॉयर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (ईएफआई) के बोल रही थीं। उन्होंने आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) का हवाला देते हुए 5 साल में 8 करोड़ रोजगार पैदा होने की बात कही।

डावरा ने श्रम कानूनों को अपराधमुक्त करने और महिला कार्यबल भागीदारी बढ़ाने जैसे सुधारों का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने व्यापार को आसान बनाने के लिए कई सुधार किए हैं। डावरा ने कहा, %सामाजिक सुरक्षा और श्रम कल्याण जैसे सुधारों से भारत में समावेशी विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही, 29 श्रम कानूनों को चार श्रम कानूनों में संहिताबद्ध किया गया है। एक राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल सक्रिय है और कौशल मंत्रालय से डेटा एकीकृत किया जा रहा है।

भारत में 1 करोड़ गिग वर्कर्स

डावरा ने कहा कि भारत में 1 करोड़ गिग वर्कर हैं और साल 2030 तक गिग इकोनॉमी से करीब 2.4 करोड़ लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। गिग वर्कर का मतलब ऐसे कर्मचारियों से हैं, जो स्थायी कर्मचारी नहीं होते। ये लोग फ्रीलांसर या फिर काफी कम समय के कॉन्ट्रैक्ट पर काम करते हैं। जैसे कि जोमैटो या स्विगी जैसे ऑनलाइन फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म के डिलिवरी ब्वॉय और ओला-उबर से जुड़े ड्राइवर।

गिग कर्मचारी अर्थव्यवस्था के सर्विस सेक्टर का अहम हिस्सा होते हैं। यह क्षेत्र लगातार तेजी से बढ़ रहा है। डावरा ने कहा कि सरकार ने नौकरियों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है। उन्होंने कहा कि एआई पर हमें किसी नतीजे पर पहुंचने से और भी ज्यादा स्टडी करने की जरूरत है।

बारिश के मौसम में कार कंपनियां दे रहीं तरह-तरह के ऑफर, छूट, एक्सचेंज बोनस और फ्री गिफ्ट भी शामिल

नई दिल्ली । बारिश का मौसम शुरू होते ही गाड़ियों की बिक्री बढ़ाने के लिए कार कंपनियां और डीलर्स तरह-तरह के ऑफर दे रही हैं, जिनमें छूट, एक्सचेंज बोनस और फ्री गिफ्ट शामिल हैं। आमतौर पर मानसून के दौरान शुभ दिन कम होते हैं और मौसम भी खराब रहता है, जिसकी वजह से गाड़ियों की बिक्री कम हो जाती है। इसीलिए कंपनियां बिक्री बढ़ाने के लिए ग्राहकों को लुभाने वाले ऑफर देती हैं।इस बार मानसून आने से पहले देशभर के शोरूम पर अलग-अलग गाड़ियों पर 20,000 रुपए से लेकर 4 लाख रुपए तक की छूट दी जा रही है। ये छूट पिछले साल के मानसून के मुकाबले ज्यादा हैं, क्योंकि कंपनियों के पास पहले से ज्यादा गाड़ियां स्टॉक में हैं और गर्मी की वजह से लोग कम शोरूम जा रहे हैं। फाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इस साल पिछले साल के मुकाबले ज्यादा छूट मिल रही है क्योंकि कंपनियों के पास ज्यादा गाड़ियां जमा हो गई हैं। यानी कि गाड़ियां बनाने वाली कंपनियां ही नहीं बल्कि डीलर्स भी अपना स्टॉक खत्म करने के लिए ऑफर दे रहे हैं। पिछले साल गाड़ियों की कमी थी और लोगों को गाड़ी लेने के लिए इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब ज्यादातर मॉडल और वेरिएंट आसानी से मिल रहे हैं। इस वजह से ग्राहकों को काफी ज्यादा डिस्काउंट मिल रहा है। मारुति सुजुकी की गाड़ियों पर भी अच्छी छूट मिल रही है, जैसे अल्टो के 10 पर 40,000 रुपए, एस-प्रेसो और वेगनआर पर 25,000 से 30,000 रुपए तक और स्वीफ्ट पर 15,000 से 20,000 रुपए तक की छूट मिल रही है। होंडा ने भी होंडा मैजिकल मानसून नाम से एक खास ऑफर शुरू किया है, जिसमें उनकी सभी गाड़ियों पर फायदे और फ्री गिफ्ट दिए जा रहे हैं। जुलाई 2024 में गाड़ी खरीदने वाले ग्राहकों को स्विट्जरलैंड घूमने का मौका या 75,000 रुपए तक के इनाम मिल सकते हैं। टेस्ट ड्राइव करने पर भी सरप्राइज गिफ्ट मिल रहे हैं। ये ऑफर 1 जुलाई से 31 जुलाई तक मान्य हैं।

चालू खरीफ सीजन में आलू, प्याज व टमाटर का बढ़ेगा रकबा, आलू, प्याज व टमाटर के तेजी से बढ़े भाव से उपभोक्ताओं को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली,06 जुलाई (एजेंसियां) ।

केंद्र सरकार ने कहा कि मॉनसून के कारण चालू खरीफ सीजन में आलू, प्याज तथा टमाटर की फसल के रकबे में बढ़ोतरी हो सकती है। इससे इन तीनों के ही तेजी से बढ़े दाम से उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है। दिल्ली में टमाटर के खुदरा भाव 100 रुपये किलो तक पहुंच गए और कुछ शहरों में यह इससे भी महंगा बिक रहा है। प्याज की कीमत भी बढ़कर 60 रुपये किलो हो चुकी हैं। आलू के भाव भी पिछले साल से तेज हैं और यह खुदरा बाजार में 30 से 40 रुपये किलो बिक रहा है। कृषि मंत्रालय ने चालू खरीफ सीजन में 2.72 लाख हेक्टेयर टमाटर के रकबे का लक्ष्य रखा है, जो पिछले खरीफ सीजन के रकबा 2.67 लाख हेक्टेयर से अधिक है। मुख्य टमाटर उत्पादक क्षेत्रों जैसे आंध्र प्रदेश के चित्तूर और कर्नाटक के कोलार में टमाटर की फसल अच्छी हालत में है। कोलार में टमाटर की नई फसल अगले कुछ दिनों में बाजार में आने लगेगी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे टमाटर उत्पादक राज्यों में भी खरीफ सीजन में टमाटर का रकबा बढ़ा है। दिल्ली में टमाटर के थोक भाव पिछले साल की तुलना में थोड़े कम हैं। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि कुछ सप्ताह पहले दाम ज्यादा थे। रबी सीजन 2024 में प्याज के उत्पादन में थोड़ी कमी के बावजूद घरेलू बाजार में प्याज की आपूर्ति ठीक है। सरकार ने इस साल खरीफ सीजन में 3.16 लाख हेक्टेयर प्याज के रकबा का लक्ष्य रखा है। यह पिछले खरीफ सीजन से 27 फीसदी ज्यादा है। आधिकारिक बयान के मुताबिक प्रमुख खरीफ उत्पादक राज्य कर्नाटक में 30 फीसदी प्याज खेतों में लग चुकी है। कर्नाटक में इस खरीफ सीजन में प्याज के रकबा का लक्ष्य 1.5 लाख हेक्टेयर है। दूसरे प्रमुख प्याज उत्पादक राज्यों में भी प्याज बोआई का काम अच्छा चल रहा है। 2024 के रबी सीजन में 191 लाख टन प्याज का उत्पादन होने का अनुमान है, जो प्याज की घरेलू खपत 170 लाख टन को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अडाणी....

के खिलाफ 2022 में शुरू हुई थी। इसने उनकी पेशेवर गतिविधियों और विस्तार से किंगडन कैपिटल के संचालन पर भी छाया डाली। चेंग के खिलाफ आरोपों के संभावित निहितार्थ दूरगामी हैं क्योंकि वे राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक जासूसी और वित्तीय बाजारों की अखंडता को प्रभावित करती हैं। जांच से किंगडन कैपिटल और उनके संबद्ध नेटवर्क पर प्रभाव पड़ सकता है।

कश्मीर में ....

मिला था। आरफा खानम शेरवानी को दिए इंटरव्यू में रुहुल्ला मेहदी ने इस्लामी आतंक की लीपापोती भी की और कश्मीर में पुरानी स्थिति वापस लाने की धमकी भी दी।अपने इंटरव्यू में मेहदी ने कश्मीरी पंडितों के उस दर्द से खारिज कर दिया जिसे वे पिछले 34 साल से सीने में दबाए हुए थे। कश्मीर फाइल्स में दिखाई गई हकीकत को देख कर कश्मीरी पंडित रो पड़े थे। जबकि जेकेएनसी नेता ने कहा कि द कश्मीर फाइल्स में दिखाई गई चीजें सच नहीं हैं। मेहदी एक तरफ इस्लामी कट्टरपंथ को मानने से इनकार भी करते हैं और दूसरी तरफ हिंदुओं से लड़ने के लिए मुस्लिमों के साथ खड़े होने की बात भी कहते हैं। यह दोगलापन ही भारत के सेकुलरिज्म की असलियत है।इसी तरह जमीयत उलेमा ए हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने भी लोकसभा चुनावों के बाद ताजा बयान दिया है। चुनावों के नतीजों पर मौलाना मदनी ने कहा कि लोगों ने नफरत और सांप्रदायिकता की राजनीति को खारिज कर दिया और इसका सारा श्रेय मुस्लिमों द्वारा बुद्धिमानी से किए गए मतदान को जाता है। अगर मतदाताओं ने समझदारी से वोट नहीं डाले होते तो नतीजे अलग हो सकते थे। मौलाना मदनी वही हैं जिन्हें तालिबान एक आतंकी संगठन नहीं लगता बल्कि उन्हें वे स्वतंत्रता सेनानी जैसा मानते हैं। मदनी ने एक बार इंटरव्यू में तालिबान का पक्ष लेते हुए कहा था कि अगर सिर्फ गुलामी के खिलाफ लड़ना आतंकवाद है तो इस हिसाब से तो महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू और मौलाना हजरत शेखुद्दीन भी आतंकवादी थे।हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी को पिछले दिनों संसद में खु-लेआम जय फिलिस्तीन का नारा लगाते देखा और सुना गया। जबकि देश का जो संविधान ओवैसी को सांसद बनने के लिए योग्य बनाता है उसी संविधान के अनुच्छेद 102, 103 में वह स्थितियां बताई गई हैं, जिनके अंतर्गत किसी संसद सदस्य को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अनुच्छेद 102 के भाग-घ में लिखा है कि ऐसे संसद सदस्य को अयोग्य घोषित किया जा सकता है जो भारत का नागरिक नहीं है या उसने किसी दूसरे राष्ट्र की नागरिकता ले ली है या वह किसी दूसरे राष्ट्र की खुलेआम हिमायत करता है। फिर भी ओवैसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, यह आश्चर्यजनक है।ऊपर जिक्र किए गए तीनों नेताओं के ऐसे बयानों से स्पष्ट है कि ऐसे मुस्लिम नेता समाज में लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देते हुए खुलेआम मजहब की राजनीति करते हैं और उनके समर्थक इसी आधार पर इन्हें अपना मसीहा मानते हैं जबकि दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार में आने के बाद से लगातार जो देश के हर वर्ग के लिए काम करने में लगे हैं मगर उससे इनके समर्थकों का कोई सरोकार नहीं। वो भूल बैठे है कि पीएम मोदी ने ही सरकार बनने के बाद तीन तलाक से मुस्लिम महिलाओं को राहत दिलवाई और इसके खिलाफ कानून बनाया। इसके अलावा घर-घर राशन, बिजली-पानी और घर बिना किसी भेदभाव के दिया। पीएम मोदी ने मुस्लिम समुदाय के जीवन स्तर को सुधारने के लिए जो प्रयास किए उसके कारण कई बार उनके धुर समर्थक तक उनके ऊपर तुष्टिकरण का आरोप लगाते दिखे। बावजूद इसके उन्होंने जैसे देश के बाकी समुदायों के लिए काम किया, वैसा मुस्लिमों के हित में करते दिखे ताकि उन्हें अच्छी शिक्षा, स्कॉलरशिप और अन्य हर वो सुविधा मिले जो बाकी नागरिकों को मिलती है, लेकिन जब बात आई उन्हें समर्थन करने की तो मजहब परस्त लोगों को उनसे ज्यादा वो लोग विश्वसनीय लगे जो बातें ही सिर्फ अराजकता और हिजाब-बुर्का की करते हैं।भले ही आज पीएम मोदी की सरकार में इन नेताओं का और इनके समर्थकों का ऐसा चेहरा उभर कर सामने आ रहा है, लेकिन हकीकत तो यह है कि दशकों पहले डॉक्टर भीमराव अंबेडकर खुद भी इनकी ऐसी प्रवृत्ति के बारे में सबको बता चुके हैं। अंबेडकर कहते हैं, इस्लाम में जिस भाईचारे की बात की गई है, वह केवल मुस्लिमों का मुस्लिमों के साथ भाईचारा है। इस्लामिक बिरादरी जिस भाईचारे की बात करती है, वह उसके भीतर तक ही सीमित है। जो भी इस बिरादरी से बाहर का है, उसके लिए इस्लाम में कुछ नहीं है- सिवाय अपमान और दुश्मनी के। मुस्लिम की वफादारी अपने वतन से नहीं बल्कि केवल अपने मजहब से रहती है। इसके अलावा बाबा साहब ने कहा था कि इस्लाम कभी भी किसी भी अपने नुमाइंदे को यह स्वीकार नहीं करने देगा कि भारत उसकी मातृभूमि है। मुस्लिम उसी क्षेत्र को अपना देश मानेगा, जहां इस्लाम का राज चलता हो। आज के समय में बाबा साहब की मुस्लिमों को लेकर कही गई ये सारी बातें सत्य साबित होती दिखती हैं।

भारत ब्रिटेन के....

वाणिज्य मंत्री, लुई हेघ को परिवहन मंत्री और शबाना महमूद को न्याय मंत्री बनाया गया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मसूद पेजेशकियन को इस्लामी गणराज्य ईरान का राष्ट्रपति चुने जाने पर भी हार्दिक बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, इस्लामी गणराज्य ईरान के राष्ट्रपति चुने जाने पर मसूद पेजेशकियन को बधाई। हमारे लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए हमारे मधुर और दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने की आशा है।पेजेशकियन कट्टरपंथी नहीं बल्कि सुधारवादी हैं। उन्होंने कट्टरपंथी नेता सईद जलीली को हराया। पेजेशकियन ने अपने चुनाव अभियान के दौरान ईरान के शिया धर्मतंत्र में कोई आमूलचूल परिवर्तन नहीं करने का वादा किया था और माना कि देश के सभी मामलों में अंतिम मध्यस्थ सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ही होंगे। पेजेशकियन को सुधारवादी निर्णयों के लिए सरकार में मौजूद कट्टरपंथी नेताओं की चुनौती झेलनी होगी।ईरान में 5 जुलाई को राष्ट्रपति पद के लिए दूसरे चरण का मतदान हुआ, जिसमें करीब तीन करोड़ लोगों ने हिस्सा लिया। नतीजों में पेजेशकियन ने सईद जलीली को 30 लाख से ज्यादा वोटों से हराया। पेजेशकियन को 1.64 करोड़ वोट मिले, वहीं जलीली को 1.36 वोट मिले। मसूद पेजेशकियन ईरान के नौवें राष्ट्रपति हुए। ईरान में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की बीती 19 मई को एक हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई थी। इसके बाद ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हुए। 28 मई को हुए पहले चरण के मतदान में किसी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला। इसके बाद करीब 42 फीसदी वोट पाने वाले पेजेशकियन और 38 फीसदी वोट पाने वाले सईद जलीली के बीच दूसरे चरण का चुनाव हुआ। ईरान के संविधान के अनुसार, अगर पहले चरण के चुनाव में किसी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला तो शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच दूसरे चरण का चुनाव होता है।29 सितंबर 1954 को जन्मे मसूद पेजेशकियन पेशे से डॉ.क्टर हैं और वह ईरान की तबरीज मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रमुख रहे हैं। साल 1994 में एक कार हादसे में मसूद पेजेशकियन की पत्नी और बेटी की मौत हो गई थी। पेजेशकियन साल 1997 में ईरान के स्वास्थ्य मंत्री भी रह चुके हैं। मसूद पेजेशकियन ने साल 2011 में पहली बार ईरान के राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन किया था, लेकिन बाद में अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी। पेजेशकियन की पहचान एक उदारवादी नेता की है और वह पूर्व राष्ट्रपति हसन रूहानी के करीबी माने जाते हैं। पेजेशकियन को हिजाब के सख्त कानून का विरोधी माना जाता है। मसूद पेजेशकियन पश्चिमी देशों के साथ संपर्क बनाए जाने के पक्षधर हैं और वह ईरान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स का सदस्य बनाए जाने के पक्ष में हैं। ईरान साल 2019 से एफएटीएफ में ब्लैकलिस्ट है। इसके चलते ही आईएमएफ और अन्य वैश्विक वित्तीय संस्थाएं ईरान की आर्थिक मदद नहीं करती हैं।

सहकारिता मंत्रालय ...

ने सहकारी क्षेत्र को तकनीक संपन्न बनाकर न केवल अत्याधुनिक बनाया है, बल्कि 54 से अधिक इनिशिएटिव्स से सहकारिता के पूरे तंत्र को अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा का महत्त्वपूर्ण भागीदार बनाया है। देश के सहकारी तंत्र को मंत्रालय की स्थापना से नया जीवन देने के लिए मैं सभी सहकारी बहनों-भाइयों की ओर से मोदी जी का आभार व्यक्त करता हूं।वहीं गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री ने नैनो यूरिया को लेकर बहुत महत्वपूर्ण फैसला लिया है। नैनो यूरिया और नैनो डीएपी पर 50 प्रतिशत की सब्सिडी दी गई है। मैं किसानों से अपील करना चाहता हूं कि अपनी फसलों पर नैनो यूरिया छिड़कने के बाद, आपको दानेदार यूरिया छिड़कने की जरूरत नहीं है। अब आपकी फसलों के स्वास्थ्य और उत्पादकता बढ़ाने के लिए लिक्विड नैनो यूरिया और लिक्विड नैनो डीएपी पर्याप्त हैं। सरकार ने इसकी कीमतें भी कम कर दी हैं, इसलिए कृपया उनका उपयोग करें।102वें अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर गांधीनगर में आयोजित सहकार से समृद्धि कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ड्रोन दीदी योजना शुरू की है, इसलिए कृपया अपनी महिलाओं को खाद छिड़कने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने के लिए प्रशिक्षित करें।

23 जुलाई को...

नरेंद्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता और विकसित भारत की दिशा तय करेगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने 1 फरवरी 2024 को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश किया था। जुलाई में सीतारमण लगातार सातवां बजट पेश करके एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इससे पहले पूर्व पीएम मोरारजी देसाई ने लगातार छह बजट पेश किए थे। निर्मला सीतारमण ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए पिछले महीने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला।सीतारमण के नाम मोदी सरकार में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए मंत्री के रूप में शामिल होने वाली पहली महिला बनने का रिकॉर्ड भी है। अपने राजनीतिक करियर में उन्होंने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। 2017 में पहली महिला रक्षा मंत्री बनीं। इससे पहले वह उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री थीं। अरुण जेटली (वित्त मंत्री 2014-19) के बीमार होने पर सीतारमण ने 2019 के आम चुनाव के बाद नवनिर्वाचित मोदी सरकार में वित्त विभाग का प्रभार संभाला था। वह स्वतंत्र भारत में पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनीं। इससे पहले, इंदिरा गांधी ने भारत की प्रधानमंत्री रहते हुए थोड़े समय के लिए अतिरिक्त विभाग के रूप में वित्त का कार्यभार संभाला था। सीतारमण का जन्म 18 अगस्त 1959 को मदुरै में रेलवे में कार्यरत नारायण सीतारमण और सावित्री के घर हुआ था। सीतारमण ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और एमफिल की है।

ईडी की चार्जशीट....

अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में संकलित दस्तावेज प्रस्तुत किया, जिसमें 65 पन्नों की मुख्य चार्जशीट शामिल थी। केंद्रीय एजेंसी का दावा है कि नलिनी चिदंबरम ने सारदा ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुदीप्त सेन से 1.5 करोड़ रुपए प्राप्त किए थे। ईडी ने यह भी दावा किया है कि नलिनी चिदंबरम ने कहा कि उन्होंने यह राशि कर सलाहकार के रूप में कानूनी परामर्श शुल्क के रूप में प्राप्त की थी, लेकिन वे इसके समर्थन में कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सकीं। चार्जशीट प्रस्तुत किए जाने के बाद, विशेष अदालत के न्यायाधीश ने नलिनी चिदंबरम का नाम शामिल करने पर कुछ तकनीकी सवाल उठाए। न्यायाधीश ने पूछा कि किसी कर सलाहकार को यदि वह एक पेशेवर के रूप में किसी ग्राहक से परामर्श शुल्क स्वीकार करता है, तो उसे भ्रष्टाचार के आरोपों में कैसे शामिल किया जा सकता है।न्यायाधीश ने यह भी सवाल उठाया कि क्या किसी आरोपी के लिए वकालत करने वाला कोई वकील अपराध में साझेदार माना जा सकता है। अंत में, न्यायाधीश ने कहा कि वह मामले में संज्ञान तभी लेंगे जब केंद्रीय एजेंसी मामले में और अधिक प्रमाण प्रस्तुत करेगी जो अदालत की संतुष्टि के लिए पर्याप्त हों।

तमिलनाडु बसपा...

जीता और उसी साल उन्हें तमिलनाडु बसपा का प्रमुख बनाया गया था। साल 2011 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में आर्मस्ट्रॉन्ग ने कोलाथुर सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटी है। आर्मस्ट्रॉन्ग दलितों और वंचितों के अधिकारों के समर्थक थे और इसे लेकर काफी मुखर थे। चेन्नई में बसपा का जनाधार खास नहीं है, लेकिन के आर्मस्ट्रॉन्ग दलित वर्ग की राजनीति का एक जाना पहचाना नाम थे।शुक्रवार शाम करीब 7 बजे आर्मस्ट्रॉन्ग चेन्नई में वेणुगोपाल स्ट्रीट स्थित अपने घर के बाहर खड़े हुए थे। इस दौरान उनके साथ पार्टी के कई कार्यकर्ता भी उनके साथ थे। तभी दो बाइकों पर सवार होकर आए छह हमलावरों ने धारदार हथियारों से आर्मस्ट्रॉन्ग पर हमला कर दिया। हमले के बाद हमलावर फरार हो गए। इसके बाद वहां मौजूद कार्यकर्ता उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने आर्मस्ट्रॉन्ग को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद बसपा कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। हंगामा कर रहे बसपा कार्यकर्ताओं को नियंत्रित करने में पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने हमलावरों की तलाश के लिए दस टीमें बनाई हैं और रात ही आठ लोगों को हिरासत में लिया गया है। बसपा प्रदेश अध्यक्ष की हत्या पर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने कहा, आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या से गहरा सदमा लगा। हिंसा और क्रूरता का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है, लेकिन पिछले 3 वर्षों में डीएमके शासन में यह एक सामान्य बात बन गई है। राज्य की कानून-व्यवस्था को तहस-नहस करके रख देने के बाद, स्टालिन को खुद से पूछना चाहिए कि क्या राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में बने रहना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है।

कश्मीर में दो ...

पुलिस ज्वाइंट ऑपरेशन चला रही है। पूरे इलाके की घेराबंदी की गई है। सामने आया कि सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबल जब चिंगम इलाके में पहुंचे थे तब आतंकियों ने टीम पर गोलीबारी शुरू की थी। अब दोनों तरफ से गोलीबारी जारी है।वहीं, कुलगाम के मुदरघम में आतंकियों से मुठभेड़ में घायल सेना का जवान शहीद हुआ है। यहां भी सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस का ज्वाइंट ऑपरेशन जारी है। 2-3 आतंकियों के छिपे होने की बात कही गई है।बीते एक महीने (जून से 6 जुलाई तक) में सुरक्षाबल 6 आतंकियों का खात्मा कर चुके हैं। इनमें डोडा में 11-12 जून को लगातार दो दिन दो हमले करने वाले आतंकी और उरी में घुसपैठ करने वाले आतंकियों का एनकाउंटर शामिल है।

इन लोगों को सावन सोमवार व्रत रखने की होती है मनाई

जानें इसका कारण

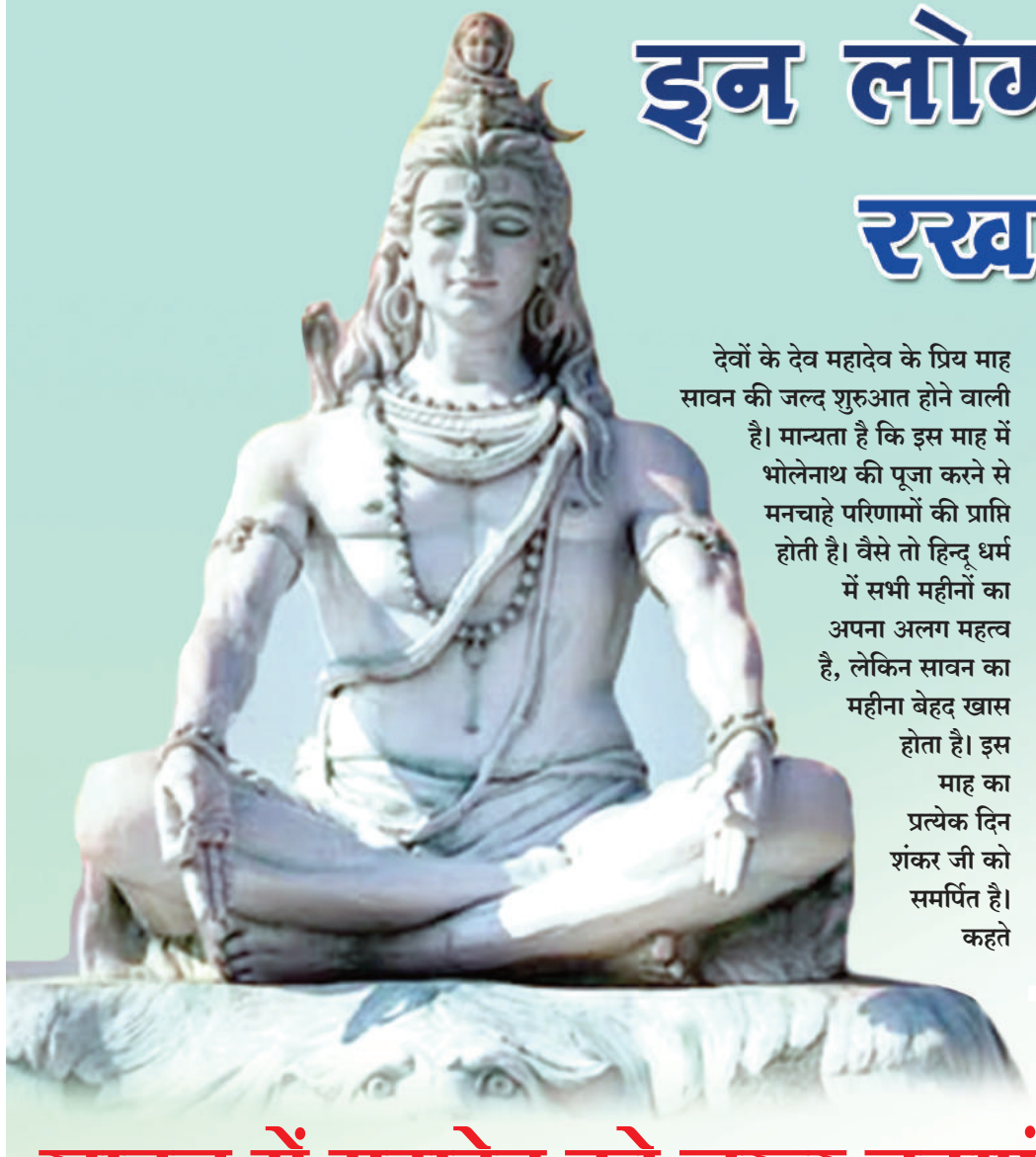

देवों के देव महादेव के प्रिय माह सावन की जल्द शुरुआत होने वाली है। मान्यता है कि इस माह में भोलेनाथ की पूजा करने से मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होती है। वैसे तो हिन्दू धर्म में सभी महीनों का अपना अलग महत्व है, लेकिन सावन का महीना बेहद खास होता है। इस माह का प्रत्येक दिन शंकर जी को समर्पित है। कहते हैं कि सावन में चातुर्मास होने के कारण पूरी सृष्टि का संचालन महादेव के हाथों में होता है, ऐसे में उनकी पूजा का संपूर्ण फल जातक को प्राप्त होता है।

इस दौरान आने वाले सभी सोमवार को व्रत रखा जाता है। ये व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद शुभ होता है, क्योंकि इसको रखने से सौभाग्यवती भव का आशीर्वाद प्राप्त होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कुंवारी कन्याएं भी ये व्रत करती हैं, इससे मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। लेकिन कुछ लोगों को सावन माह में व्रत रखने की मनाही होती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर किन लोगों को सावन में व्रत नहीं रखना चाहिए।

कब से शुरू हो रहा है सावन ?

इस साल सावन माह की शुरुआत 22 जुलाई 2024, सोमवार से हो रही है। इसका समापन 19 अगस्त 2024 को होगा। इस बार सावन के महीने में पांच सोमवार पड़ेंगे जो बेहद शुभ माने जाते हैं।

सावन सोमवार की तिथियां

22 जुलाई 2024- पहला सोमवार
29 जुलाई 2024-दूसरा सोमवार
05 अगस्त 2024- तीसरा सोमवार
12 अगस्त 2024- चौथा सोमवार
19 अगस्त 2024- पांचवा सोमवार

ये लोग न रखें व्रत

सावन माह में आने वाले सोमवार व्रत सभी के लिए बहुत खास होते हैं। लेकिन जिन लोगों को कोई बीमारी होती है, उन्हें ये व्रत नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा बुजुर्ग व्यक्ति को भी सोमवार व्रत नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से इन लोगों को शारीरिक कमजोरी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही स्वास्थ्य पर भी इसका बुरा प्रभाव हो सकता है।

सावन में गर्भवती महिलाओं को भी व्रत नहीं करना चाहिए। माना जाता है कि ये समय बेहद नाजुक होता है। ऐसे में भूखे पेट रहने पर गर्भ में पल रहे बच्चे की सेहत पर असर पड़ सकता है। ऐसे में आप महादेव की विधिनुसार पूजा कर सकते हैं, और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए उन्हें खीर का भोग लगाएं।

सावन पूजा-विधि

इस साल सावन माह की शुरुआत सोमवार से हो रही है। ऐसे में सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। फिर साफ वस्त्रों को धारण करें। इसके बाद शिवलिंग पर गंगाजल और दूध से अभिषेक करें। फिर महादेव को बेलपत्र, धतूरा, गंगाजल और दूध चढ़ाएं। फिर पूजा करना शुरू करें। इस समय ओम् नमः शिवायमंत्र का जाप करते हुए आरती करें। बाद में अपनी श्रद्धा अनुसार दान करें।

सावन में महादेव को जरूर चढ़ाएं ये चीजें, भोलेनाथ करेंगे हर इच्छा पूरी

देवों के देव महादेव के प्रिय माह सावन की जल्द ही शुरुआत होने वाली है। इस माह में उनकी पूजा करने से मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होती हैं। मान्यता है कि भोले बाबा की भक्ति में भी शक्ति होती है। ऐसे में उनकी पूजा अर्चना करने से जातक के मन से सभी प्रकार के डर भय दूर हो जाते हैं। कहा जाता है कि जिन लोगों पर भगवान भोलेनाथ की कृपा होती है, उसकी जिंदगी का पासा पलट जाता है। साथ ही सभी बिड़गे कार्य बनने लगते है।

सावन में आने वाले सभी सोमवार का अपना अलग महत्व है। इस दिन सभी भक्तजन उपवास रखते हैं। ये दिन सुहागिन महिलाओं के लिए भी बेहद शुभ होता है। इस दिन वह शिव जी की आराधना करते हुए वैवाहिक जीवन सुखमय की कामना करती है। ऐसे में भोले भंडारी की पूजा के लिए कुछ विशेष सामग्री का भी प्रयोग किया जाता है। इस दौरान उनकी प्रिय चीजें अर्पित करना बेहद लाभकारी होता है। इससे वह प्रसन्न होते हैं। इसी कड़ी में आइए जान लेते हैं कि महादेव की पूजा में किन चीजों को चढ़ाना चाहिए।

भोलेनाथ को ये चीजें करें अर्पित

सावन में महादेव की पूजा के दौरान उन्हें बेलपत्र के साथ बेल का फूल भी अर्पित करना चाहिए। माना जाता है कि यह शिव जी का पसंदीदा फूल है। इसे चढ़ाने से पति-पत्नी के बीच रिश्ते मजबूत होते हैं। इसके अलावा आप धतूरे का फूल भी शिव जी को अर्पित कर सकते हैं। मान्यता है कि इस फूल को चढ़ाने से संतान प्राप्ति का आशीर्वाद मिलता है।

सावन माह में आने वाली महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को भांग जरूर अर्पित करें। मान्यता है कि जब महादेव ने विष का पान किया था। तब उनके उपचार के लिए कई जड़ी बूटियों का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें भांग भी शामिल थी।

जीवन में कष्टों के निवारण के लिए शिवलिंग पर कच्चा दूध चढ़ाना चाहिए। इसे बहुत शुद्ध और पवित्र माना जाता है। कहते है कि कच्चा दूध चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

शिव जी का अभिषेक करते समय हमेशा शिवलिंग पर शहद चढ़ाना चाहिए। मान्यता है कि इससे सभी पाप दूर होने लगते हैं। साथ ही व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

सावन में पूरे माह या सोमवार को उनकी पूजा के दौरान शुद्ध घी, गंगाजल, धतूरा, चंदन और फल जरूर अर्पित करने चाहिए।

पूजा करते समय इन 3 मंत्रों का जाप कर सकते हैं

ॐ नमः शिवाय !!

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगंधिम पुष्टिवर्धनम् । उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात ।।

कर्पूर गौरं करुणावतारं संसार सारं, भुजगेंद्र हारम । सदा वसंतं हृदये, अरविंदे भवं भवानी सहितं नमामि ।।

सावन सोमवार का व्रत इस कथा के बिना है अधूरा

सोमवार व्रत कथा : सावन मास भगवान शिव का प्रिय माह है। इस दौरान सोमवार का व्रत रखने से जीवन की समस्त परेशानियां दूर होने लगती हैं। लेकिन ऐसा कहा जाता है कि यह व्रत कथा के बिना अधूरा है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में एक साहूकार था, जो बहुत धनवान था। लेकिन उसकी कोई संतान नहीं थी। साहूकार ने संतान की प्राप्ति के लिए हर सोमवार को व्रत किया। वह पूरी श्रद्धाभाव से महादेव और पार्वती जी पूजा करता था।

साहूकार की भक्ति में इतनी शक्ति थी की, उसने माता पार्वती को प्रसन्न कर दिया। उन्होंने भोलेनाथ से साहूकार की मनोकामना पूरी करने के लिए कहा। देवी की बात सुनकर शंकर जी ने साहूकार को पुत्र प्राप्ति का वरदान दे दिया। लेकिन वह बालक केवल बारह वर्ष तक ही जीवित रह सकता था। वहीं कुछ समय बाद साहूकार के घर पुत्र का जन्म हुआ। धीरे-धीरे समय बीतता गया और वह दिन आ गया, जब साहूकार का बेटा ग्यारह वर्ष का हो गया था। साहूकार ने अपने बेटे को शिक्षा ग्रहण के लिए मामा के साथ काशी भेज दिया। काशी जाते समय रास्ते में किसी कन्या का विवाह हो रहा था, और जिस राजकुमार के साथ कन्या का विवाह होने वाला था, वह एक आंख से काना था।

वहीं राजकुमार के पिता ने बेटे के एक आंख से काने होने की बात छुपाने के लिए साहूकार के बेटे से अपनी कन्या का विवाह करा दिया। वहीं साहूकार के बेटे ने राजकुमारी की चुनरी के पल्ले पर लिखा कि, तुम्हारा विवाह मेरे साथ हो रहा है, लेकिन मैं असली राजकुमार नहीं हूं। जो असली है, वह को एक आंख से काना है।

साहूकार के बेटे की की ये बात सुनकर राजकुमारी ने ये बात अपने माता-पिता को बताई। ये सारी सच्चाई सुनकर राजकुमारी के माता-पिता ने अपनी कन्या को विदा नहीं किया। वहीं साहूकार का बेटा अपने मामा के साथ जैसे ही काशी पहुंचे, तो उन्होंने यज्ञ किया। यज्ञ वाले दिन उसकी आयु बारह वर्ष होनी थी। साहूकार के बेटे ने अपने मामा जी से कहा कि, वह ठीक महसूस नहीं कर रहा है और वह सोने चला गया। बता दें भो-लेनाथ के वरदान के अनुसार सोते ही बालक के प्राण निकल गए।

जब मामा ने मृत भांजे को देखा तो वह रोने लगा। संयोग की बात यह थी कि उस समय शिव जी और पार्वती जी वहां से गुजर रहे थे। जब उन्होंने साहूकार के बेटे को देखा तो मालूम हुआ कि, यह तो वही साहूकार का पुत्र है। जिसको बारह वर्ष तक जीवित रहने के वरदान दिया था। इस दृश्य को देखते हुए माता पार्वती ने शिव जी से कहा प्रभु इसे आयु प्रदान करें, नहीं तो इसके माता पिता यह बात सहन नहीं कर पाएंगे।

माता की बात सुनते ही भगवान शिव ने साहूकार के बेटे को जीवनदान दे दिया। फिर जब वह काशी से शिक्षा समाप्त कर घर की ओर निकला तो रास्ते में वह उस नगर पहुंचे, जहां उस लड़के का विवाह हुआ था। वहां पहुंचकर उन्होंने यज्ञ का आयोजन किया। इस दौरान राजकुमारी के पिता साहूकार के बेटे को पहचान गए। उन्होंने अपनी पुत्री को उसके साथ विदा कर दिया। फिर अंत में तीनों लोग खुशी से अपने घर पहुंच गए।

उसी दिन साहूकार के सपने में महादेव आए और कहा कि हे! श्रेष्ठी मैंने तेरे सोमवार के व्रत और सच्ची श्रद्धा से खुश होकर तेरे पुत्र को लंबी आयु प्रदान की है। तभी से लेकर ये मान्यता है कि जो भी भक्तजन सोमवार का व्रत करता है, तो माता पार्वती उसकी सभी मनोकामना पूरी करती है।

शुरू होने वाला है चातुर्मास, जानें अगले 4 महीनों में क्या करें और क्या न करें

हिंदू धर्म के लोगों ने अक्सर ये सुना होगा कि देव सो गए हैं या देव उठे हैं। लेकिन क्या आप इसका सही महत्व जानते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल 4 ऐसे महीने आते हैं जिसमें माना जाता है कि देव सो रहे हैं और इस बीच किसी भी तरह के शुभ कार्य को करना मना होता है, खासकर शादी विवाह, नामकरण या मुंडन जैसे शुभ कार्य इस दौरान वर्जित होते हैं। चातुर्मास एक महत्वपूर्ण हिंदू धार्मिक परंपरा है जो चार मास के अवधि को आचार्यों और संतों द्वारा अनुसरण की जाती है। इस अवधि में विशेष आचरण और व्रत अपनाए जाते हैं। इस साल 17 जुलाई से चातुर्मास शुरू हो रहा है और नवंबर में समाप्त होगा। चातुर्मास का मुख्य उद्देश्य तपस्या, ध्यान, जप, दान और वेदाध्ययन के माध्यम से आध्यात्मिक उन्नति है। कुछ लोग इन खास दिनों में विशेष प्रकार के भोजन और व्रत भी रखके हैं, जो शुद्धता और आत्मशुद्धि को प्राप्त करने में सहायक होते हैं। चातुर्मास के महीने में क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए आइए जानते हैं।

चातुर्मास में क्या करना चाहिए

चातुर्मास, आध्यात्मिक चिंतन, आत्मनिरीक्षण और आत्म-शुद्धि का पवित्र काल माना जाता है। आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि जिसे देवशयनी एकादशी भी रहते हैं से प्रारंभ होता है और कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि (देवोत्थान एकादशी) तक चार महीनों (आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद और कार्तिक) तक

रहता है। इस दौरान धार्मिक अनुष्ठानों, व्रतों, पूजा-पाठ और आध्यात्मिक आत्मविश्लेषण करना उत्तम माना जाता है। प्रतिदिन भगवान की पूजा करें, मंत्रों का जाप करें और धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें। यज्ञों में भाग लें या स्वयं यज्ञ का आयोजन करें। कीर्तन और भजन में भाग लें और भगवान का गुणगान करें। जरूरतमंदों को दान करें और पुण्य कर्म करें। श्रावण मास में प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव का व्रत रखें। प्रत्येक मास की एकादशी को व्रत रखें। पूरे चातुर्मास का व्रत रखें। नियमित रूप से ध्यान और योग का अभ्यास करें। अपने विचारों, भावनाओं और कर्मों का आत्मविश्लेषण करें। गीता, रामायण, उपनिषद आदि आध्यात्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें। संतों और महात्माओं के सत्संग में भाग लें। सकारात्मक सोच रखें और दूसरों के प्रति प्रेम और करुणा का भाव रखें। जरूरतमंदों की सेवा करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करें। आध्यात्मिक विकास और आत्म-शुद्धि प्राप्त करने में मदद मिलेगी। मन शांत और एकाग्र होगा और नकारात्मक विचारों और भावनाओं से मुक्ति मिलेगी। सकारात्मकता और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जीवन में खुशी और संतोष प्राप्त होगा।

चातुर्मास में क्या नहीं करना चाहिए

चातुर्मास के दौरान विवाह समारोह, सगाई, सिर मुंडवाना और बच्चे का नामकरण, गृहप्रवेश जैसे तमाम मांगलिक कार्य करने की मनाही है। गृह निर्माण, वाहन खरीदना, या कोई नया व्यवसाय शुरू करना भी इस दौरान वर्जित माना जाता है। चातुर्मास के दौरान मांसाहार का त्याग करें और सात्विक भोजन ग्रहण करें। मद्यपान और धूम्रपान जैसी बुरी आदतों का त्याग करें। असत्य बोलना, क्रोध करना, और अन्य नकारात्मक विचारों और भावनाओं से बचें। किसी से भी विवाद या झगड़ा न करें, शांत और सकारात्मक रहें। इन महीनों में अत्यधिक भोजन करने से बचना चाहिए और सादा, सात्विक भोजन करना चाहिए। अनावश्यक खर्च करने से बचें, दान-पुण्य में धन का उपयोग करें। शारीरिक और मानसिक स्वच्छता के लिए आप प्रतिदिन स्नान करें और स्वच्छ रहें। स्वच्छ वस्त्र पहनें और नकारात्मक विचारों से मुक्त रहें और मन को शुद्ध रखें। चातुर्मास के नियमों का पालन धैर्य और संयम के साथ करने वाले को निश्चित की पुण्य फल की प्राप्ति होती है। किसी भी परिस्थिति में मन को शांत और स्थिर रखें और अपने इन्द्रियों और मन पर नियंत्रण रखें।

कब रखा जाएगा मंगला गौरी व्रत, जानें इससे जुड़ी पौराणिक कथा

इस साल श्रावण मास की शुरुआत 22 जुलाई 2024 से हो रही है। हर बार की तरह इस बार भी ये माह शिव भक्तों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है। इस बार सावन माह की शुरुआत सोमवार से हो रही है। इस दिन प्रीति आयुष्मान योग के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। ऐसे में भोलेनाथ की पूजा के लिए यह पूरा समय लाभकारी रहने वाला है। वहीं सुहागिनों के लिए भी सावन माह बेहद खास होता है, क्योंकि इस दौरान आने वाले सभी मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाता है। यह व्रत वैवाहिक जीवन में खुशहाली, संतान प्राप्ति और संतान की रक्षा के लिए मुख्य रूप से किया जाता है।

इस व्रत में भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करना बेहद लाभदायक होता है। यानी की सावन के सोमवार के साथ-साथ मंगलवार को भी महादेव की पूजा करने का विधान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मंगला गौरी व्रत रखने से वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं का भी निवारण होता है। वहीं कुंवारी कन्याएं भी मनचाहे वर के लिए यह उपवास रखती हैं। इस बार सावन माह में चार बार मंगला गौरी व्रत रखा जाएगा। ऐसे में व्रती महिलाएं मंगला गौरी व्रत कथा को जरूर पढ़े। इसके बिना व्रत अधूरा माना जाता है। आइए इस कथा के बारे में जान लेते हैं।

सावन में कब-कब रखा जाएगा मंगला गौरी व्रत

पहला मंगला गौरी व्रत - 23 जुलाई 2024
दूसरा मंगला गौरी व्रत - 30 जुलाई 2024
तीसरा मंगला गौरी व्रत - 6 अगस्त 2024
चौथा मंगला गौरी व्रत - 13 अगस्त 2024

मंगला गौरी व्रत कथा

मंगला गौरी व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। ये उपवास पति की लंबी आयु के लिए भी रखा जाता है। इस दिन इस व्रत से जुड़ी कथा सुनने का विधान है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में धर्मपाल नाम का एक सेठ था। वह बहुत अमीर था, उसके पास धन की कोई कमी नहीं थी। कहा जाता है कि वह सेठ स्वयं सर्व गुण संपन्न भी था। धर्मपाल महादेव का बड़ा भक्त था। वहीं कालांतर में उसकी शादी गुणवान वधू से हुई। शादी के कई साल बाद तक भी उन्हें संतान की प्राप्ति नहीं हुई। इस वजह से वह दोनों ही बेहद चिंतित रहते थे।

इसी विषय पर विचार करते हुए धर्मपाल सेठ यह सोचने लगा कि अगर उसकी कोई संतान नहीं हुई, तो उसका कारोबार का उत्तराधिकारी कौन होगा? धीरे-धीरे समय बितता गया, फिर एक दिन सेठ धर्मपाल की पत्नी ने संतान के संबंध में किसी पंडित से संपर्क करने की सलाह दी। फिर सेठ सबसे प्रसिद्ध पंडित के पास गए और अपनी बात रखी। गुरू ने सेठ दंपत्ति को महादेव और पार्वती मां की पूजा करने की सलाह दी।पंडित जी की सलाह के बाद से सेठ धर्मपाल और उनकी पत्नी ने भगवान शिव की विधि अनुसार पूजा-उपासना की। उन दोनों की भक्ति से प्रसन्न होकर एक दिन माता पार्वती प्रकट होकर बोली- हे देवी! तुम्हारी भक्ति से मैं प्रसन्न हूं, जो वर मांगना चाहते हो! मांगो।

माता पार्वती की बात सुनते ही सेठ धर्मपाल की पत्नी ने देवी से संतान प्राप्ति की कामना की। इसके बाद पार्वती जी ने उन्हें संतान प्राप्ति का वरदान दिया। हालांकि, संतान अल्पायु था। एक साल बाद धर्मपाल की पत्नी ने पुत्र को जन्म दिया। फिर पुत्र का नामकरण किया गया। इस दौरान धर्मपाल की पत्नी ने ज्योतिषी को माता पार्वती के वचन से अवगत कराया। ज्योतिष ने सेठ धर्मपाल को अपने पुत्र की शादी मंगला गौरी व्रत करने वाली कन्या से करने की सलाह दी। बेटे के बड़े होने के बाद सेठ धर्मपाल ने अपने पुत्र की शादी मंगला गौरी व्रत करने वाली कन्या से ही की। इस शादी के बाद कन्या के पुण्य प्रताप से धर्मपाल का पुत्र मृत्यु पाश से मुक्त हो गया।

नंदमुरी कल्याण राम की फिल्म एनकेआर21 का नया पोस्टर जारी

नंदामुरी कल्याण राम अभिनीत एनकेआर21 के निर्माताओं ने अभिनेता के जन्मदिन पर एक नया पोस्टर जारी करके उन्हें एक खास तोहफा दिया। पोस्टर में कल्याण राम एक खूंखार अवतार में दिखाई दे रहे हैं। अपनी मुवी में आग लिए, गुंडों के साथ कुर्सी पर बैठे अभिनेता को एक सख्त नजऱ से देखते हुए देखा जा सकता है। स्टाइलिश मेकओवर करवाने वाले कल्याण राम यहाँ बेहद हिंसक नजऱ आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि उन्होंने वहाँ सब कुछ आग लगा दी है।प्रदीप चिलुकुरी द्वारा निर्देशित, फिल्म एनकेआर21 में नंदामुरी कल्याण राम कुछ साहसी स्टंट करते नजऱ आएंगे। यह फायर एक्शन एपिसोड फिल्म के प्रमुख आकर्षणों में से एक होने जा रहा है जहाँ नंदामुरी नायक एक शक्तिशाली भूमिका में नजऱ आएंगे।अशोका क्रिएशन्स और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले अशोक वर्धन मुप्पा और सुनील बालुसु द्वारा निर्मित, यह फिल्म मुप्पा वेंकैया चौधरी द्वारा प्रस्तुत की गई है।विजयशांति ने एक आईपीएस अधिकारी के रूप में एक शक्तिशाली गतिशील चरित्र निभाया है। फिल्म में सोहेल खान, सई मांजरेकर और श्रीकांत भी प्रमुख भूमिकाओं में नजऱ आएंगे।फिल्म की शूटिंग जारी है। फिल्म में तकनीशियनों की एक शानदार टीम है जो विभिन्न विभागों की देखभाल कर रही है। राम प्रसाद कैमरा संभालते हैं, जबकि अजनीश लोकनाथ संगीत विभाग की कमान संभालते हैं। उनका बेहतरीन काम टीजऱ में साफ़ झलकता है। थम्मीराजू इस फिल्म के संपादक हैं, जिसकी पटकथा श्रीकांत विसा ने लिखी है।

वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स फिल्म के नाम से उठा पर्दा

अल्फा में सुपर-एजेंट बन धमाल मचाएंगी आलिया और शरवरी वाघ

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट आदित्य चोपड़ा की वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड फिल्म एक्ट्रेस हैं। उनके साथ इस फिल्म में इंडस्ट्री की उभरती हुई स्टार और वाईआरएफ की होमग्रोन टैलेंट शरवरी भी शामिल होंगी। दोनों स्पाई यूनिवर्स में सुपर-एजेंट की भूमिका निभाएंगी और ये साफ है कि आदित्य चोपड़ा इन्हें अपने स्पाई यूनिवर्स की अल्फा गर्ल्स बनाने के लिए एकदम तैयार हैं।यशराज फिल्म्स ने फिल्म के टाइटल के साथ पहला वीडियो भी रिवील कर दिया है। इस वीडियो के बैकग्राउंड में आलिया भट्ट की आवाज सुनाई दे रही है। अल्फा का पहला वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गया। वाईआरएफ ने ये कदम समाज में उस गलतफहमी को तोडऩे के लिए उठाया है कि केवल पुरुष ही अल्फा हो सकते हैं। फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ देश के दुश्मनों से भिड़ती नजर आएंगी। स्पाई यूनिवर्स मूवी टाइटल अनाउंसमेंट वीडियो में आलिया भट्ट कहती हैं, ग्रीक अल्फाबेट का सबसे पहला अक्षर और हमारे प्रोग्राम का मोट्टो।। सबसे पहले, सबसे तेज़, सबसे वीर। ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है और जंगल में हमेशा राज करेगा अल्फा।आदित्य चोपड़ा वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड फिल्म को एक्शन से भरपूर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अल्फा का निर्देशन शिव रावल कर रहे हैं, जिन्होंने ब्लॉकबस्टर ग्लोबल स्ट्रीमिंग सीरीज द रेलवे मेन का भी निर्देशन किया था, जिसे यशराज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया था। प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स आज भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा आईपी बन गया है। इस स्पाई यूनिवर्स की सभी फिल्में - एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान, टाइगर 3 ब्लॉकबस्टर साबित हुई है।

आलिया-शरवरी की अल्फा आदित्य चोपड़ा की अगली बड़ी पेशकश है, जो इस समय वॉर 2 भी बना रहे हैं, जिसमें ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर लीड रोल में हैं। इस फेमस ब्लॉकबस्टर यूनिवर्स की अगली फिल्म पठान 2 होगी, जिसके बाद टाइगर बनाम पठान आएगी।

रब से है दुआ में आइस स्लैब सीक्वेंस की शूटिंग के लिए लगाना पड़ा सरसों का तेल: येशा रूघानी

एक्ट्रेस येशा रूघानी ने शो रब से है दुआ में आइस स्लैब सीक्वेंस शूटिंग के अपने रोमांचक एक्सपीरियंस को शेयर किया और बताया कि सीन की शूटिंग के बाद हॉट वाटर बैग की जरूरत पड़ती थी।हाल के एपिसोड में, दर्शकों ने मन्नत (सीरत कपूर) और फरहान (आरव मल्होत्रा) को इबादत (येशा) को प्रताड़ित करते हुए देखा, ताकि वह मन्नत की फरहान के साथ भागने के प्लान के बारे में किसी को भी न बता सके। वह इबादत को किडनैप कर लेते हैं। उसे गले में रस्सी बांधकर बर्फ की स्लैब पर लटका दिया जाता है।इस स्पेशल सीक्वेंस की शूटिंग येशा और टीम के लिए एक चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि एक्टर की सुरक्षा को ध्यान में रखना सबकी प्राथमिकता थी।येशा ने कहा, बर्फ की स्लैब पर शूटिंग करना कुछ ऐसा है जो मैंने पहले कभी नहीं किया। यह मेरे लिए बहुत रोमांचक एक्सपीरियंस था। मेरी टीम ने पूरे समय काफी मेहनत की। जब मैंने शुरुआती कुछ शॉट्स के लिए बर्फ की स्लैब पर कदम रखा, तो मुझे लगा, हे भगवान, मैं जम रही हूं क्योंकि कुछ ही मिनटों में मेरे पैर सुन्न होने लगे थे।उन्होंने कहा, यही नहीं, इस सीन में मेरे हाथ भी बंधे हुए थे, जिसकी वजह से यह और भी ज्यादा मुश्किल हो रहा था। जब आप बर्फ की एक सिल्ली पर खड़े होते हैं, तो आपके शरीर का तापमान बदल जाता है और आपके पैर सुन्न हो जाते हैं। यह देखने के लिए कि इसका असर हमारी सेहत पर न पड़े, हमें सरसों का तेल लगाने के लिए कहा गया, हमने वह भी किया।येशा ने आगे कहा, सीक्वेंस की शूटिंग के बाद, मैं हॉट वॉटर बैग लेकर बैठती थी। हमारे डायरेक्टर राज, यूसुफ सर के साथ हर समय अलर्ट थे, जिन्होंने हर चीज की निगरानी की और सुनिश्चित किया कि हम ठीक हैं। हम इस सीन को पूरा करने में सफल रहे। उम्मीद है कि दर्शकों को यह रोमांचक सीक्वेंस पसंद आएगा।रब से है दुआ हर दिन रात 10.30 बजे जी टीवी पर प्रसारित होता है।

बॉडीकॉन ड्रेस पहने दिखीं श्रद्धा दास

साउथ इंडस्ट्री की एक्ट्रेस श्रद्धा दास हमेशा अपनी हॉट फोटोज को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाओं में रहती हैं। वो आए दिन अपने फैंस के लिए इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो और वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस श्रद्धा दास आए दिन अपनी लेटेस्ट हॉट पोस्ट शेयर कर अक्सर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।उनका गॉर्जियस अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं।इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश लुक देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने फोटोशूट के दौरान बॉडीकोन गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।कानों में इयररिंग्स, बालों को स्टाइलिश लुक में बांधकर और साथ ही लाइट मेकअप और न्यूड लिप शेड लगाकर

एक्ट्रेस पर से नहीं हटी फैंस की नजरें

एक्ट्रेस श्रद्धा दास ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।श्रद्धा दास जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स कर के अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।हालांकि इन तस्वीरों में भी आप देख सकते हैं एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा - सो गॉर्जियस और दूसरे ने कॉमेंट करते हुए लिखा- टू मच हॉट। ऐसे ही एक के बाद एक कर के लोग अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

अक्षय कुमार की सरफिरा का गाना छावत जारी, श्रेया घोषाल ने दी अपनी आवाज

बड़े मियां छोटे मियां के बाद अब अक्षय कुमार फिल्म सरफिरा के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे।इस फिल्म में अक्षय की जोड़ी पहली बार राधिका मदान के साथ बनी है। यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है।मार उड़ी और खुदाया के बाद अब निर्माताओं ने सरफिरा का तीसरा गाना छावत जारी कर दिया है, जिसे श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है।इस गाने के बोल मनोज मुंतशिर शुक्ला ने लिखे हैं।अक्षय ने गाना साझा करते हुए लिखा, वीर और रानी- दो सरफिरे, एक शादी और ढेर सारा प्यारा। छावत के साथ खुशियों का जश्न देखें।सरफिरा दक्षिण भारतीय अभिनेता सूर्या की सुपरहिट फिल्म सोरारई पोटरू की आधिकारिक हिंदी रीमेक है।इस फिल्म में परेश रावल और सीमा बिस्वास भी अहम भूमिकाओं में हैं।बता दें, सरफिरा दक्षिण भारतीय फिल्म सोरारई पोटरु की ऑफिशियल हिंदी रीमेक है। सोराराई पोटरु में सुपरस्टार सूर्या लीड रोल में दिखाई दिए थे और इसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। उम्मीद जताई जा रही है कि अक्षय कुमार स्टारर सिरफिरा को भी दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिलेगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, राधिका मदान और सीमा बिस्वास भी अहम भूमिकाओं में हैं। सिरफिरा 12 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म के साथ साउथ सुपरस्टार कमल हासन की इंडियन 2 भी सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज शिव पंचाक्षर मंत्र का जप करें , सुहागन स्त्रियों को फल और मिष्ठान देवें । आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलाएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा । परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों–मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सावधानी बरतें। छात्रों के लिए समय कठिन परिश्रम वाला रहेगा परन्तु सफलता मिलेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सुबह कर दर्शन करें सूर्य नमस्कार करें आरोग्यता और शुभता मिलेगी । बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे।
कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आकस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा। शाम के वक्त चीटियों को शक्कर डालें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज थोडी मुश्किलें आ सकती हैं परन्तु चिंता करने की आवश्यकता नही हैं ईष्टदेव का ध्यान करें और ब्राह्मण को शक्कर का दान करें । अनावश्यक खर्च बढ़ने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार मे सन्तोष का माहौल रहेगा ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक लाभ बनता हुआ दिख रहा हैं कारोबार में स्थिति अनुकूल रहेगी । आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय बनाने के लिए संयम की आवश्यकता हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज शरीर मे थकान ज्यादा रहेगी ध्यान और योग दिनचर्या मे शामिल करें । व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहेगी। किसी से विवाद होने की परिस्थिति मे अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना बहुत आवश्यक हैं ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कारोबार के लिए तो दिन अच्छा हैं घरेलू उलझनें रहेगी , बडे बुजुर्गों से मध्यस्था कराने से बाते सुलझ जांएगी आप को परिश्रम करना पडेगा तभी काम मनोकुल होगा , लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन–देन में सावधानी बरतें। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। दोस्तों से व्यवहार अच्छा रहेगा । नंदी महाराज को दलीया और गुड खिलाए , तुलसी का पौधा सींचे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन और माहौल दोनों बढ़ीया हैं कामकाज में कमी रहेगी दूसरे स्रोत से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। बेरोजगारी दूर होगी । चहलकदमी करें शरीर तंदरुस्त रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिश्रम ज्यादा करना कार्यक्षेत्र में मुश्किलें पैदा होंगी छोटी–छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुलाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं दूध का दान करके यात्रा आरंभ करें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा । प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख–समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते है शापिंग पर खर्चा होगा सुख सुविधाओं पर व्यय अधिक होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन बहतर सुविधाओं वाला रहेगा । किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। शाम को दूध का सेवन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज सुबह मंदिर दर्शन करें कार्यसिद्धि होगी विरोधी शान्त रहेंगे व्यापार में धन प्राप्ति के योग हैं। कारोबार में काम की अधिकता रहेगी लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। शिवपार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखमय रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज समय उलझनों मे बितेगा अनजान व्यक्ति पर भरोसा नही करें।
अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन–जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों के साथ यात्रा का समय बन रहा हैं संबंध मे मधुरता रहेगी स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 07 जुलाई 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया उत्तर रात्रि 05:01 तक
नक्षत्र : पुष्य अहोरात्र
योग : हर्षण रात्रि 02:12 तक
करण : बालव सायं 04:40 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : श्री जगन्नाथ रथयात्रा, चन्द्रदर्शन, रविपुष्य सिद्धि योग अहोरात्र

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बंडारू दत्तात्रेय ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

चंडीगढ़, 06 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शनिवार को राजभवन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री दत्तात्रेय ने कहा कि डॉ. मुखर्जी एक कट्टर राष्ट्रवादी, उच्च कोटि के अधिवक्ता और एक उत्कृष्ट बुद्धिजीवी थे, जिन्होंने भारत को ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के चंगुल से मुक्ति दिलाने के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी राष्ट्रीय एकता और अखंडता तथा सभी के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थे और किसी भी समुदाय के तुष्टीकरण के सख्त खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक ध्वज और एक संविधान के दृढ़ विश्वासी और समर्थक डॉ. मुखर्जी ने कश्मीर के भारत में पूर्ण एकीकरण के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। श्री दत्तात्रेय ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ (बीजेएस) का गठन भारतीय शासन मॉडल को पेश करने के लिए किया था, जो न केवल हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचार में निहित है, बल्कि ग्रामीण भारत के समग्र सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ विकेन्द्रीकृत भी है।

उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी 1934 में 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। राष्ट्र की सेवा करने की उनकी तीव्र इच्छा के कारण ही उन्होंने जीवन की विलासिता को त्याग दिया तथा मां भारती के लिए अपना जीवन समर्पित करने का निर्णय लिया।

दूसरी बार लोक सभा अध्यक्ष बने ओम बिरला का कोटा–बूंदी क्षेत्र में भव्य स्वागत

कोटा 06 जुलाई (एजेंसियां)। लोक सभा के अध्यक्ष पद पर लगातार दूसरी बार चुने गए राजस्थान के कोटा–बूंदी संसदीय क्षेत्र के से निर्वाचित ओम बिरला का शनिवार को यहां वैदिक मंत्रोच्चार और नाच गाकर स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत किया।

श्री बिरला 18वीं लोक सभा के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र आए हैं। यहां पहुंचने पर श्री बिरला का हिंडोली हेलीपैड पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आज जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर राज्य के ऊर्जा मंत्री हीराल नागर, पूर्व मंत्री प्रभु लाल सैनी, पूर्व मंत्री बाबू लाल वर्मा, पूर्व विधायक अशोक डोगरा, सांसद दामोदर अग्रवाल सहित कोटा–बूंदी के जन प्रतिनिधियों की मौजूद थे। लोक सभा अध्यक्ष ने इस अवसर पर सलामी गारद का निरीक्षण किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्री बिरला के स्वागत की भव्य तैयारी की थी। उनके स्वागत के लिए पूरे संसदीय क्षेत्र में चार सौ से ज्यादा स्वागत द्वार बनाए गए थे। साथ ही जगह –जगह पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों आ आयोजन किया गया। लोकसभा अध्यक्ष का काफिला जब निकला तो लोग उनके स्वागत के लिए सड़कों के किनारे निकल आए। जगह–जगह पर लोक कलाकारों ने नाच गाकर श्री बिरला का स्वागत किया। रास्ते के दोनों ओर खड़े लोग लोक सभा अध्यक्ष की एक झलक पाने और उनका स्वागत करने को लालायित नजर आए। जिन इलाकों से श्री बिरला का काफिला गुजरा, तो देखकर ऐसा लगा पूरा कोटा –बूंदी संसदीय क्षेत्र उनके स्वागत के इंतजार में ठहर गया है। इस दौरान वातावरण देशभक्ति और धार्मिक से गूंजायमान हो रहा था।

श्री बिरला ने 26 जून, 2024 को अठारहवीं लोकसभा के अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर निर्वाचित केरल के श्री के. सुरेश को हराया। उन्होंने लगातार दो बार पांच–पांच वर्ष के लिए अध्यक्ष चुने जाने के कांग्रेस के बलराम जाखड़ के बराबरी कर ली है। श्री जाखड़ ने सबसे लंबे समय तक नौ साल 10 महीने और 27 दिन तक लोकसभा के अध्यक्ष रहे थे।

टीम भावना के साथ काम कर अलवर जिले के सर्वांगीण विकास को दे गति दें : भूपेंद्र

अलवर, 06 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने टीम भावना के साथ समन्वित प्रयासों से अलवर जिले के सर्वांगीण विकास को गति देवे एवं आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

श्री यादव ने शुक्रवार को अलवर कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिये। उन्होंने अलवर शहर के वेस्ट मैनेजमेंट, पेयजल आपूर्ति एवं स्वच्छता की समीक्षा कर नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि वर्षा ऋतु में नालों आदि की सफाई कार्य के लिए संसाधनों में इजाफा करे जिसमें छह जेसीबी मशीन एवं 12 ट्रैक्टर व अन्य संसाधन आवश्यकतानुसार लेकर आठ जुलाई से सफाई का विशेष अभियान प्रारम्भ करे।

उन्होंने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था में सिंगल यूज प्लास्टिक एक बडी बाधा है अतः नगर निगम सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादन, संग्रहण एवं विक्रय पर कडाई से लगाम लगाने हेतु कार्रवाई करें। साथ ही आमजन को जागरूक करें कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने को व्यवहार में लाए। उन्होंने निर्देश दिये कि शहर के ऐसे स्थानों को चिह्नित करे जहां पर लोगों द्वारा कचरा फैलाया जाता है वहां पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर कचरा फैलाने व्यक्तियों को सार्वजनिक किया जाए।

उन्होंने शहर की स्वच्छता, वेस्ट मैनेजमेंट आदि में सुधार के लिए निर्देश दिए साथ ही यह भी कहा कि नगर निगम महापौर व आयुक्त छह जुलाई को इन्दौर जाएं जहां नगर निगम इन्दौर के अधिकारियों से स्वच्छता में नम्बर वन बने रहने के लिए किए जा रहे कार्यों आदि की जानकारी लें। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि एनसीएटी योजना व कचरा निस्तारण प्रबंधन हेतु केन्द्र सरकार के विभागीय अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर भिजवाए।

उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि अलवर जिला वाणिज्य एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक व अन्य संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर अग्यारा स्थित एसटीपी के परिशोधित जल (ट्रिटेड वाटर) का उपयोग औद्योगिक उपयोग में लिया जावे जिससे एमआईए क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों द्वारा उपयोग में लिया जा रहा भूजल बचाया जा सके। उन्होंने निर्देश दिये कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था के संबंध में वार्डवार बैठक भी लें। उन्होंने निर्देश दिये कि शहर के सुलभ शौचालय साफ रहे। उन्होंने कहा कि अलवर शहर में परिस्थिति के संतुलन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए पुराना भूरासिद्ध मंदिर के पास मातृवन विकसित कराया जाएगा जिसकी शुरूआत सात अगस्त को बडी संख्या में पौधे लगाकर की जाएगी। उन्होंने पेयजल, विद्युत, नगर विकास न्यास, पीडब्ल्यूडी एवं अन्य विभागों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का संचालन समन्वित रूप से टीम भावना के साथ करें।

भाजपा सरकार का मतलब फ्लॉप योजनाओं का अंबार

चंडीगढ़, 06 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेंद्र हुड्डा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का मतलब है फ्लॉप योजनाओं का अंबार। श्री हुड्डा ने शनिवार को अपने आवास पर पत्रकारों से कहा कि 10 साल में भाजपा सरकार की एक भी योजना कामयाब और जनहितैषी साबित नहीं हुई। सीएम विंडो, हरपथ ऐप, क्षतिपूर्ति पोर्टल, मेरी फसल मेरा ब्यौरा, फैमिली आईडी, प्रॉपर्टी आईडी, ई–टेंडरिंग और आयुष्मान समेत हरेक योजना इतनी बुरी तरह विफल साबित हुईं कि खुद सरकार ने इस बात को मानना पड़ा। भाजपा ने उत्पादक किसानों के साथ–साथ बाजरा और सूरजमुखी उत्पादकों के साथ भी बड़ा धोखा किया है।

उन्होंने कहा कि पिछली बार की तरह इस बार भी किसान का आलू तीन रुपये प्रति किलो के दाम पर पिटा। जबकि भावांतर का रेट 6.90 रुपये है। लेकिन सरकार ने किसानों को भावांतर का लाभ नहीं दिया।

दरअसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने में पूरी तरह नाकाम भाजपा किसानों को भावांतर योजना का झुनझुना पकड़ा देती है और बाद में उनकी सुध तक नहीं लेती। श्री हुड्डा को समस्त दादूपुर नलवी नहर संघर्ष समिति और कौशल निगम कर्मियों के प्रतिनिधिमंडलों ने हुड्डा को अपने मांगों वाला ज्ञापन सौंपा। किसानों ने मांग कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर दादूपुर–नलवी नहर को फिर से चलाया जाए ताकि भूमिगत जलस्तर में सुधार हो सके।

साथ ही किसानों को माननीय पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ द्वारा घोषित मुआवजा जल्दी दिया जाए ताकि किसान अपने परिवार का पालन–पोषण कर सकें।

दुष्यंत उचाना से चुनाव लड़ें तो नैना से भी कम वोट मिलेंगे : बीरेंद्र सिंह

जींद, 06 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के उचाना में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस नेता बीरेंद्र सिंह ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला उचाना से चुनाव लड़ते हैं तो उनको नैना चौटाला से भी कम वोट मिलेंगे। वे शहर के नरवाना बाईपास पर सूरजमल श्योकंद के निवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जो परिणाम कांग्रेस के पक्ष में लोकसभा चुनाव में आए हैं, उससे बेहतर विधानसभा चुनाव में आएंगे। 10 साल में भाजपा सरकार ने लोगों की परेशानी को बढ़ाने का काम किया है। आज प्रदेश के मतदाता भाजपा को हराने की सोच रहे हैं। भाजपा की जो सोच है वह लोगों को पसंद नहीं है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव से पहले सीएम को बदला, मगर उसका उनको कितना फायदा हुआ है ये सबके सामने है। हरियाणा के मतदाता छह माह पहले अपना ही मन बना लेते हैं कि किसको वोट करना है।

मतदाता फिर अपना मन नहीं बदलता, बेशक सीएम बदलो, कुछ भी बदलो। प्रदेश का 70 प्रतिशत मतदाता भाजपा को हराने के पक्ष में है। बीरेंद्र सिंह ने कहा कि राज्यसभा चुनाव को लेकर किसी भी पार्टी के पास स्पष्ट बहुमत नहीं है। दुष्यंत चौटाला के 10 विधायक हैं, जो अलग–अलग बंटे हुए हैं। जजपा बिखरी हुई पार्टी है, इसलिए ये नहीं कह सकते कि वह 10 विधायकों की पार्टी है। इस अवसर पर सूरजमल श्योकंद, रमेश, पूर्व पार्षद जयभगवान जोगी, रोहताश श्योकंद, बुल्ला श्योकंद, पूर्व पार्षद राजेश ग्रोवर, ईश्वर श्योकंद, महेंद्र, रमेश, सुरेश जितेंद्र श्योकंद, राजेश श्योकंद मौजूद रहे।

पूनियां ने हरियाणा भाजपा का प्रभारी बनाए जाने पर मोदी एवं नड्डा का जताया आभार

जयपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने उन्हें हरियाणा भाजपा प्रदेश प्रभारी बनाये जाने पर उन्हें बधाई देने आए कार्यकर्ताओं एवं आमजन को शुभकामनाएं दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित समस्त केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान डॉ. पूनियां ने जयपुर में राणी सती नगर स्थित अपने जनसंवाद केंद्र पर जनसुनवाई की, जो वह जयपुर रहने के दौरान पिछले कई वर्षों से सुबह

आठ से ग्यारह बजे तक प्रदेशभर से पधारे कार्यकर्ताओं एवं आमजन से मुलाकात कर जनसुनवाई करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हरियाणा राज्य के प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी प्रदान करने के लिए विश्व में लोकप्रिय नेता श्री मोदी एवं श्री नड्डा का वह हार्दिक आभार एवं अभिनंदन करते है कि राजस्थान प्रदेश के सामान्य किसान परिवार में जन्मे सामान्य कार्यकर्ता को हरियाणा का प्रभारी बनाकर राजस्थान, हरियाणा सहित समस्त देश के किसानों का मान बढ़ाया है, इससे पहले राजस्थान जैसे बड़े प्रदेश का पार्टी अध्यक्ष बनाकर भी भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने किसानों का सम्मान बढाया था।उन्होंने दावा करते हुए कहा कि श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में किसानों एवं खिलाड़ियों की धरती हरियाणा में जनता के आशीर्वाद एवं कार्यकर्ताओं के परिश्रम से फिर से प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनाएंगे।

चमत्कारी बाबा का दरबार पुलिस ने बंद करवाया

भरतपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश के हाथरस में भगदड़ कांड हादसे से सबक लेते हुए राजस्थान में भरतपुर जिले में पुलिस ने कथित चमत्कारिक बाबाओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू करते हुए शनिवार को बयाना थाना क्षेत्र के गांव मुर्रकी में एक कथित बाबा के दरबार को बंद करवा दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हनुमान जी से सिद्धि प्राप्ति का झांसा देकर कैंसर जैसी बीमारियों को ठीक करने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां और लोंग से इलाज करने वाला मध्य प्रदेश निवासी कथित बाबा अनिल कुमार पिछले डेढ़ महीने से गाँव मे प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को दरबार लगा रहा था। दरबार में बयाना, भरतपुर, करौली और अलवर जिले से सैकड़ों लोग उपचार कराने दरबार में आ रहे थे।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस दरबार की जानकारी के बाद उपखंड अधिकारी राजीव शर्मा के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कथित बाबा को दरबार नहीं लगाने के लिए पाबंद किया। इस बीच बाबा के भक्तों के हलके विरोध का सामना भी पुलिस को करना पड़ा। बाद में कथित बाबा को पुलिस अपने साथ थाने ले गई।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

किशनगंज के सीमा इलाके में बीएसएफ ने बांग्लादेशी तस्कर को किया ढेर

बाड़ काटने की कर रहा था कोशिश

पूर्णिया (एजेंसियां)।

खराब मौसम और लगातार बारिश के कारण सीमा पार तस्कर नियमित रूप से भारत-बांग्लादेश सीमा पर राष्ट्रीय सुरक्षा बाड़ को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में 152 बटालियन बीएसएफ को बाड़ तोड़ने की कोशिश कर रहे दोनों तरफ के तस्करों से कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

हालांकि, पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में उत्तर बंगाल फ्रंटियर के किशनगंज सेक्टर के अंतर्गत सैनिकों के समर्पित और अथक प्रयासों के कारण, तस्करों के नापाक मंसूबों

को बार-बार सफलतापूर्वक विफल किया गया है। बीओपी तीनगांव, 152 बटालियन बीएसएफ के सतर्क सैनिकों ने 06/07 बांग्लादेशी तस्करों की आवाजाही देखी, जो तस्करी गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा बाड़ को तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। बीएसएफ जवानों ने तस्करों को अपनी गतिविधियां बंद करने के लिए चुनौती दी, लेकिन तस्करों ने चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया और अपनी गतिविधियां जारी रखीं। गैर-घातक निरोध रणनीतियों के अनुसार, बीएसएफ सैनिकों ने एक स्टन ग्रेनेड फेंका। हालांकि, तस्कर डटे रहे और उन्होंने ऑन-ड्यूटी बीएसएफ कर्मियों पर हमला करने का प्रयास किया, उन पर तेज धार वाले हथियारों से हमला किया और उनके हथियार छीनने की भी कोशिश की।

अपने जीवन पर आसन्न खतरे को भांपते हुए और आत्मरक्षा के अधिकार का प्रयोग करते हुए बीएसएफ कर्मी ने अपनी सर्विस राइफल से गोलीबारी की। परिणामस्वरूप, बांग्लादेशी तस्कर बांग्लादेशी सीमा की ओर भाग गये और एक तस्कर मारा गया। आसपास के इलाके की तलाशी के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने दो तेज धार वाले हथियार, एक बाड़ कटर, एक मोबाइल फोन और 40 बांग्लादेशी टका बरामद किए। मृतक तस्कर की पहचान बाद में मोहम्मद राजू, पुत्र होबी,निवासी ग्राम स्कूल हाटगुरियाली, पीएस-बलियाडांगी, जिला ठाकुरगांव (बांग्लादेश) के रूप में की गई, जो एक हिस्ट्रीशीटर है और सीमा पार तस्करी और बाड़ उल्लंघन मामलों में शामिल रहा है।

गोलपोखर पुलिस द्वारा सत्यापन के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए इस्लामपुर अस्पताल भेज दिया गया। उत्तर बंगाल फ्रंटियर बीएसएफ के महानिरीक्षक सूर्यकांत शर्मा के गतिशील नेतृत्व में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात सैनिक राष्ट्र-विरोधी तत्वों द्वारा तस्करी और घुसपैठ के अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए उच्चतम स्तर की सतर्कता बनाए रख रहे हैं।

अनियंत्रित हाइवा ने बाइक सवार दंपती को रौंदा, पत्नी की दर्दनाक मौत, पति घायल

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-139 पर औरंगाबाद मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में बिजौली मोड़ के पास शनिवार को एक अनियंत्रित हाइवा ने बाइक सवार दंपती को रौंद डाला। हादसे में बाइक पर सवार महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उसके पति को हल्की चोटें आई हैं।

मृतका की पहचान औरंगाबाद शहर के वार्ड-7 कर्मा रोड रामराज नगर निवासी शांति देवी (60) के रूप में की गई है। बताया जाता है कि रामप्रवेश साहू अपनी पत्नी शांति देवी के साथ बाइक से पूजा करने अम्बा के सतबहिनी मंदिर जा रहे थे। इसी दौरान बिजौली मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के पास हरिहरगंज की ओर से आ रहे अनियंत्रित हाइवा ने ओवरटेक करते समय जोरदार टक्कर मार दी, जिससे पत्नी की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में घायल पति रामप्रवेश साहू ने बताया कि वे अपनी पत्नी के साथ घर से बाइक से दर्शन-पूजन के लिए अंबा स्थित सतबहिनी मंदिर जा रहे थे। इसी दौरान यह दुखद घटना घटी। हादसे में रामप्रवेश साहू को मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

वहीं, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेज दिया। साथ ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस हाइवा चालक की तलाश में लगी है। वहीं, दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए और उन्होंने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि इस क्षेत्र में आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं और प्रशासन को इस पर तत्काल ध्यान देना चाहिए।

मजदूर की संदिग्ध अवस्था में मौत, शराब पीने का था आदी

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय में एक मजदूर की अचानक संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। इस मौत के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं, परिजनों का कहना है कि अत्यधिक महुआ शराब पीने से मौत हो गई है। वहीं, इस मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। यह पूरा मामला छौड़ाही थाना क्षेत्र के सीहमा पंचायत के छक्कन टोला के समीप की है।

मृतक व्यक्ति की पहचान समस्तीपुर जिला अंतर्गत रोसरा थाना क्षेत्र के हनुमान नगर वार्ड नंबर 11 के रहने वाले जगदीश दास के रूप में की गई है। इस संबंध में मृतक के पुत्र दीपक दास ने बताया है कि वह मजदूरी करने के लिए गए थे। जब वह मजदूरी करके घर वापस आए थे। फिर थोड़ी देर के बाद वह घर से निकाल कर शराब पीने के लिए बाहर चले गए थे। दो घंटे के बाद जिसके यहां शराब पी रहे थे। उसी व्यक्ति के द्वारा सूचना दिया गया कि आपके पिता शराब पीकर बेहोश पड़ा हुआ है। जब उनके पास गए तो मृत अवस्था में पड़ा हुआ था।

उन्होंने बताया है कि मेरे पिता लगातार शराब पीते थे। शराब पीने के कारण ही मौत हो गई। उन्होंने बताया है कि जिस जगह इनका डेड बॉडी पड़ा हुआ था। उस जगह महुआ शराब भी पड़ा हुआ था। उन्होंने बताया है कि जिस जगह उनकी मौत हुई है, उस जगह लगातार खुलेआम शराब बिक्री होती है। फिलहाल, इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने छौड़ाही थाना पुलिस को दी। मौके पर छौड़ाही थाने के पुलिस पहुंचकर सब को आनन-फानन में कब्जे में लेकर रात में ही पोस्टमॉर्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया।

हालांकि, पुलिस मौके से महुआ शराब भी बरामद किया। वहीं, इस संबंध में पुलिस कुछ भी बताने से इनकार कर रही है। बहरहाल, जो भी हो बिहार में पूर्ण रूप से शराब बंदी है।

जानलेवा बनी बारिश : बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 24 घंटे में नौ लोगों की मौत

सीएम ने किया मुआवजे का एलान

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में मौसम ऐसा मेहरबान हुआ कि लोगों की जान पर बन आया। बारिश के साथ बिजली गिरने से पिछले 24 घंटे में छह जिलों में नौ लोगों की मौत हो गई। सीएम नीतीश कुमार ने दुख व्यक्त किया और मरने वाले लोगों के परिवार वालों को चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

बता दें, बीते कुछ दिनों से बिहार के कई इलाकों में खूब बारिश हो रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, बिहार में आज भी आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे और एक या दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी। आईएमडी ने शनिवार दोपहर तक सारण, पटना, भोजपुर, रोहतास, जहानाबाद, गया और नवादा जिले के कुछ भागों में हल्के से मध्यम दर्जे के बादल गरजने के साथ बिजली गिरने और भारी बारिश होने

की संभावना जताई है। इन जिलों के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

पिछले 24 घंटे में बिहार के छह जिलों में वज्रपात से नौ लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, बिहार के उत्तरी आधे हिस्से में अन्य क्षेत्र की तुलना में गंभीर गतिविधि होगी।

इसमें चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा, फॉर्बसगंज, किशनगंज, पूर्णिया और दरभंगा में भारी बारिश और बाढ़ की संभावना है। बिहार के अन्य हिस्सों में भी मध्यम और तेज़ बारिश देखी जाएगी। फिर इसमें थोड़ी कमी आएगी, क्योंकि सात जुलाई के आसपास बंगाल की खाड़ी पर एक चक्रवाती परिसंचरण उभरेगा, जिससे सात और आठ जुलाई के बीच बारिश थोड़ी कम हो सकती है। लेकिन, नौ जुलाई से एक बार फिर भारी बारिश की सिलसिला शुरू होगा।

बिहार में बार-बार आने वाली बाढ़ के दीर्घकालिक समाधान के लिए केंद्र सरकार द्वारा गठित एक उच्च स्तरीय समिति ने शुक्रवार को बिहार के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की।

साथ ही राज्य में बाढ़ शमन उपायों पर चर्चा की। जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, पांच सदस्यीय समिति ने मंत्री और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और राज्य में केंद्र द्वारा उठाए जा रहे कई बाढ़ शमन उपायों पर चर्चा की।

बाढ़ को लेकर बेतिया में हाई अलर्ट जारी, एसडीआरएफ की 27 टीम तैनात

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में लगातार हो रहे बारिश को लेकर डीएम ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। डीएम दिनेश कुमार राय ने जिले के सभी अधिकारियों को संभावित बाढ़ को लेकर अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि जिले कि नदियों के जल ग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश होने के संकेत मिल रहे हैं। इससे नदियों के जलस्तर में वृद्धि होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

तटबंधों पर दबाव व कटाव रोधी कार्य स्थल पर दबाव की स्थिति बनने पर वहां युद्ध स्तर पर कटाव रोधी कार्य चलाने का निर्देश दिया गया है। डीएम दिनेश कुमार राय ने बताया कि जिले में पहले से 27 एसडीआरएफ की टीम तैनात है। इसके अलावे जरूरत पड़ने पर और एसडीआरएफ

की अतिरिक्त टीम भी बुलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि तटबंधों को सुरक्षित रखने के लिए चौकीदारों की प्रतिनियुक्ति की गई है। डीएम ने बताया कि संबंधित विभागीय अधिकारियों को निरंतर गश्ती करते हुए चौकसी बरतने का निर्देश दिया है। आगे बताते चले नेपाल के तराई क्षेत्र तथा पश्चिमी चंपारण जिले में लगातार बारिश होने के पहाड़ी व नेपाली नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है, जो कभी भी बाढ़ की समस्या उत्पन्न कर सकती है।

उधर, बगहा में गंडक नदी में दबाव बढ़ने के साथ बगहा शहर और आसपास के क्षेत्रों में प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। आधा दर्जन स्थानों पर अस्थाई कैंप स्थापित करने की तैयारी की जा रही है। इससे नदी के बढ़ते दबाव को नियंत्रित किया जा सकेगा। अधीक्षक अभियंता नवल भारती ने बताया कि बगहा शहर सहित आसपास के एक दर्जन जगहों पर गंडक नदी का दबाव बढ़ रहा है।

इसको देखते हुए दबाव वाले स्थानों पर सैंड बैग का भंडारण किया जा रहा है। इससे नदी के दबाव को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। इसमें कनिष्ठ अभियंताओं की टीमों को इन स्थानों की लगातार निगरानी करने के निर्देश जारी किए गए हैं। ये टीमें स्थिति पर नजर रखेंगी और आवश्यक कदम उठाएंगी।

गिरिराज सिंह का विवादित बयान

हाथ में बांध लेते हैं कलावा, सावन में मुसलमान हिंदू नाम से चलाते हैं दुकान

बेगूसराय (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने उत्तर प्रदेश के मंत्री कपिल देव अग्रवाल के बयान का समर्थन किया है। अग्रवाल ने सावन में मुस्लिम दुकानदारों से हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर दुकान नहीं खोलने की अपील की थी। इस पर गिरिराज सिंह ने मुस्लिम समुदाय पर तीखे हमले किये हैं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम दुकानदार सावन में हिंदू धर्म का दिखावा करके दुकान चलाते हैं। यह अयोध्या, बनारस समेत पूरे देश में हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से इस मामले में कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि इससे कई बार झगड़े की नौबत आ जाती है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि पूरे देश में, अयोध्या हो या बनारस हो, सावन में हर क्षेत्र में हाथ में कलेवा बांध कर के अपने को हिंदू तरह दिखा करके दुकान खोलते हैं। ज्यादातर मुस्लिम समाज के लोगों के दुकानदार होते हैं। इसके कारण कई बार झगड़ा झंझट होने के नौबत आते हैं, इसलिए प्रशासन को ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना चाहिए। मुसलमान समाज के लोगों को भी हिंदू के नाम दुकान नहीं खोल नहीं चाहिए।

गिरिराज सिंह ने उलेमा ए हिंद की ओर से स्कूलों में सूर्य नमस्कार का विरोध करने पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि 1947 में मुसलमानों को पाकिस्तान नहीं भेजा गया। अगर धर्म के आधार पर बंटवारा हुआ होता तो आज भारत में ऐसे सवाल नहीं उठते। उन्होंने कहा कि आज भारत में वोट बैंक की राजनीति करने वाले सनातन पर हमला कर रहे हैं।

इस दौरान गिरिराज सिंह ने लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लालू यादव से कमजोर कोई नहीं है क्योंकि उनका परिवार ही राजनीति में सिमट गया है। उन्होंने लालू को नीतीश कुमार के पैर छूकर प्रणाम करने और उनका लॉकेट पहनने की सलाह दी। गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार से भूल हुई 2015 में इनका एक नई राजनीतिक जिंदगी दी इसीलिए नीतीश कुमार का लॉकेट पहनना चाहिए, नहीं तो फिर 22 पर जाकर अटक जाएंगे।

तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि उन्हें कुछ पता नहीं है। वह विदेश में मजे कर रहे हैं और ट्वीट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन पुलों का जिक्र तेजस्वी कर रहे हैं, वे या तो कांग्रेस के शासनकाल के बने हैं या फिर उनके अपने कार्यकाल के।

गया के बेलागंज में पुलिया ही टूट गई, माले नेता बोले- बर्दाश्त नहीं करेंगे

गया (एजेंसियां)।

बिहार के गया में पुलिया ध्वस्त होने के बाद ग्रामीणों में काफी नाराजगी देखी गई। लोगों ने कहा कि घटिया सामग्री इस्तेमाल के कारण बिहार में पुल और पुलिया ध्वस्त हो रहा है। इसी क्रम में गया जिले के बेलागंज प्रखंड में एक निर्माणाधीन पुलिया के ध्वस्त होने का मामला सामने आया है।

बेला बाजार से चंदौती सड़क के चौड़ीकरण में बंसीबीघा के पास पुलिया निर्माण चल रहा था। ग्रामीणों ने बताया कि 15 दिन से काम चल रहा था। मगर शुरू से ही पुल निर्माण में अनियमितता बरती जा रही थी। बगैर

फाउंडेशन के रविवार को पुलिया ढाल दिया गया। उसके बाद गुरुवार से जगह-जगह पुलिया में दरार आने पर ग्रामीणों ने विरोध कर दिया। वहीं, अपनी गलती छिपाने के लिए ठेकेदार द्वारा सेंट्रिंग हटा कर पुलिया ध्वस्त कर दिया गया।

वहीं, भाकपा माले नेता तारिक अनवर ने कहा कि स्थानीय लोगों द्वारा घटिया निर्माण की जानकारी आ रही थी। अब उनकी बात सच साबित हुई। उन्होंने जिला अधिकारी और ग्रामीण कार्य विभाग से मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार को बर्दास्त नहीं किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com